विश्व का सर्वाधिक पढ़ा जाने वाला अखबार

दैनिक जागरण

Sunday

वर्ष 72 अंक 250 पृष्ठ 12

रीवा, रविवार 08 जून, 2025

ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष 13, विक्रम संवत् 2082

नगर मूल्य 5 रुपए

www.dainikjagranmpcg.com

ऑफ बीट

जापान में 15 करोड़ रुपए में बिकी एक मछली

कोइ मछली अपनी सुंदरता, लाल और सफेद रंगों की बनावट के लिए दुनियाभर में मशहूर है लेकिन सिर्फ इनका रंग ही नहीं बल्कि इनका मूल्य भी हैरान करने वाला होता है। इन मछलियों को दुनिया की सबसे महंगी पालतू मछलियों में गिना जाता है। आप जानकर हैरान होंगे कि एक कोइ मछली की कीमत 15 करोड़ रुपए से भी ज्यादा लग चुकी है? हाल ही में जापान में हुई एक नीलामी में एस लीजेंड नाम की एक कोइ मछली ने सबका ध्यान खींचा। यह कोकाहू नस्ल की एक मादा मछली थी, जिसकी लंबाई करीब 39 इंच थी और उम्र 9 साल। इसे यिंग यिंग चुंग नाम के कोई कलेक्टर ने 1.8 मिलियन डॉलर (लगभग 15.5 करोड़ रुपए) में खरीदा। इस मछली को केंतरु सेकाई ने पाला था, जो कि जापान के हिरोशिमा स्थित सेकाई फिश फार्म के मालिक हैं। दरअसल, इस कोइ मछली में एक बार में 10 लाख तक अंडे देने की क्षमता है।

संक्षिप्त खबरें

यूजीसी नेट के 25 से 29 तक होंगे पेपर

नई दिल्ली। एनटीए यानी नेशनल टेस्टिंग एजेंसी ने जून में होने वाले यूजीसी नेट 2025 एग्जाम का शेड्यूल जारी कर दिया है। कैंडिडेट्स आधिकारिक वेबसाइट पर सब्जेक्ट वाइज शेड्यूल चेक कर सकते हैं। आधिकारिक नोटिस के अनुसार ये एग्जाम्स 25 जून से 29 जून के बीच कंप्यूटर बेस्ड टेस्ट यानी सीबीटी मोड में होंगे। पेपर से 10 दिन पहले कैंडिडेट्स के लिए सिटि इंटिमेशन स्लिप जारी की जाएगी। एग्जाम दो शिफ्टों में होगा। पहली शिफ्ट सुबह 9 से दोपहर के 12 बजे तक होगी। दूसरी शिफ्ट दोपहर के 3 बजे से शाम के 6 बजे तक चलेगी। ये पेपर सीबीटी मोड में होगा। इसमें मल्टीपल चॉइस क्वेश्चन्स के दो पेपर होंगे। पहला पेपर 100 और दूसरा पेपर 200 मार्क्स का होगा। लैंग्वेज के पेपर के अलावा सभी पेपरों में इंग्लिश और हिंदी मीडियम ऑफ इंस्ट्रक्शन होगा।

मुझे भ्रष्टाचार के आरोप में फंसाया जा रहा: मलिक

नई दिल्ली, जेएनएन। जम्मू-कश्मीर के किरू हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट से जुड़े भ्रष्टाचार मामले में चार्जशीट दाखिल होने के 15 दिन बाद जम्मू-कश्मीर के पूर्व गवर्नर सत्यपाल मलिक ने चुप्पी तोड़ी। हालांकि, उनकी हालत गंभीर है और वे 11 मई से दिल्ली के राम मनोहर लोहिया अस्पताल में भर्ती हैं। उन्होंने शनिवार को एक्स पर पोस्ट के जरिए भ्रष्टाचार के आरोपों का खंडन किया। कहा मैं पिछले लगभग एक महीने से अस्पताल में भर्ती हूं और किडनी की समस्या से जूझ रहा हूं। मेरी हालत बहुत गंभीर होती जा रही है। मैं रहूं या ना रहूं इसलिए अपने देशवासियों को सच्चाई बताना चाहता हूं। अगर आज मेरे पास दौलत होती तो मैं प्राइवेट हॉस्पिटल में इलाज करवाता।

आरक्षण के लिए गुर्जरों की महापंचायत आज

जयपुर, जेएनएन। राजस्थान में गुर्जर आरक्षण आंदोलन की फिर से आहट हो रही है। सरकारी नौकरियों में 5 प्रतिशत आरक्षण सहित कई मांगों को लेकर रविवार को भरतपुर के पीलूपुरा में महापंचायत का ऐलान किया गया है। गुर्जर आरक्षण संघर्ष समिति के अध्यक्ष विजय बैंसला ने शनिवार को कहा- मैं 17 महीने से लगातार सरकार को बता रहा हूं। चाहे वह मंत्री हो, चाहे वह एसीएस होम। मैंने सीएम को भी चिट्ठी लिखी। लेकिन फिर भी कुछ नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि रविवार को एक बार फिर पत्र लिखा जाएगा और अगर 12 बजे तक सरकार का जवाब नहीं आया तो हम 1 बजे से आंदोलन का ऐलान कर देंगे।

यूजीसी ने नियमों में किया संशोधन, लाखों स्टूडेंट्स को मिलेगा फायदा

अब एक साथ किए जा सकेंगे दो कोर्स 2022 से पहले की डिग्रियां भी मान्य

नई दिल्ली, जेएनएन। यूजीसी (विश्वविद्यालय अनुदान आयोग) ने लाखों छात्रों को बड़ी राहत देते हुए एक समय में दो डिग्रियां हासिल करने का रास्ता साफ कर दिया है। नियमों में संशोधन के बाद एक ही शैक्षणिक सत्र में प्राप्त दोनों डिग्रियां मान्य होंगी, चाहे वे रेगुलर या डिस्टेंस मोड में हों। यह नियम 2022 से पहले एक साथ प्राप्त की गई डिग्रियों पर भी लागू होगा।

यूजीसी ने अपने दिशानिर्देशों में संशोधन करने के बाद कहा कि पहले अगर कोई विद्यार्थी एक ही शैक्षिक सत्र में दो डिग्रियां लेता था, तो उन डिग्रियों को मान्यता नहीं दी जाती थी। इसके बाद 2020 में नियमों में बदलाव किया गया और एक रेगुलर तथा एक डिस्टेंस डिग्री को मान्यता दे दी गई। अब विद्यार्थी एक साथ दो डिग्रियां हासिल कर सकेंगे और दोनों ही मान्य होंगी। जिन लोगों ने 2022 से पहले एक साथ दो डिग्रियां हासिल की थीं, उन्हें भी मान्य कर लिया गया। इस फैसले से उन छात्रों को विशेष लाभ होगा, जो एक साथ दो शैक्षणिक कार्यक्रमों को पूरा करना चाहते हैं। हालांकि, कुछ शिक्षाविदों का कहना है कि एक साथ दो डिग्रियों की अनुमति छात्रों की योग्यता पर सीधा असर डालेगी। वह दो में से किसी भी डिग्री वाले पाठ्यक्रम में उच्च योग्यता हासिल नहीं कर पाएगा। इसके साथ ही मानसिक श्रम इतना ज्यादा करना पड़ेगा कि पढ़ाई में उसका प्रदर्शन अपने आप कमजोर हो जाएगा। दरअसल, मनो वैज्ञानिकों का मानना है कि दिमाग छह घंटे से ज्यादा मेहनत नहीं कर पाता।

पीएचडी और एमफिल के साथ नहीं ली जा सकेगी दूसरी डिग्री

नए नियम के अनुसार, छात्र दोनों डिग्रियां रेगुलर मोड में, बशर्ते कक्षाओं का समय न टकराए या एक डिग्री रेगुलर मोड में और दूसरी ओपन एंड डिस्टेंस लर्निंग (ओएलडी) या ऑनलाइन मोड में या दोनों डिग्रियां डिस्टेंस या ऑनलाइन मोड में हासिल कर सकते हैं। हालांकि यह नियम डिप्लोमा, ग्रेजुएशन (यूजी) और पोस्ट ग्रेजुएशन (पीजी) पर लागू होगा, पीएचडी और एमफिल कार्यक्रमों पर लागू नहीं होगा। एमफिल या पीएचडी के साथ अगर दूसरी डिग्री ली जाएगी तो दोनों डिग्रियों को अवैध घोषित कर दिया जाएगा। यूजीसी ने कहा कि एमफिल और पीएचडी शोध आधारित डिग्रियां होती हैं। इसलिए इनके साथ अगर किसी अन्य पाठ्यक्रम में प्रवेश लिया जाएगा तो यह उसके साथ न्याय नहीं होगा।

2012 में की थी समिति ने सिफारिश

पहले यूजीसी के नियम सख्त थे और एक साथ दो डिग्रियां नहीं ली जा सकती थीं। यूजीसी ने 2012 में एक समिति गठित की थी, जिसने सुझाव दिया कि एक रेगुलर डिग्री के साथ केवल एक अतिरिक्त डिप्लोमा या सर्टिफिकेट कोर्स को डिस्टेंस मोड में किया जा सकता है। इसके बाद समिति ने अपनी सिफारिशों में परिवर्तन किया और दो डिग्रियां एक साथ लेने की इजाजत विद्यार्थियों को देने का सुझाव दिया। हालांकि, इस सुझाव को माना नहीं गया, क्योंकि यूजीसी को लगता था कि इससे तमाम प्रशासनिक समस्याएं पैदा हो सकती हैं। 2020 में यूजीसी ने पहली बार अनुमति दी कि एक रेगुलर डिग्री के साथ एक डिग्री डिस्टेंस या ऑनलाइन मोड में ली जा सकती है। हालांकि, दोनों डिग्रियों को रेगुलर मोड में लेने की अनुमति नहीं थी।

इस फैसले की जरूरत क्यों पड़ी

यूजीसी का यह नया दिशानिर्देश भारतीय उच्च शिक्षा में एक क्रांतिकारी कदम है, जो छात्रों को अपनी शैक्षणिक और करियर के लक्ष्यों को हासिल करने में मदद करेगा। इस समय युवा अपने करियर को लेकर खासे संवेदनशील हो गए हैं। 22 साल की उम्र तक पहुंचते-पहुंचते वे कुछ न कुछ हासिल कर लेना चाहते हैं। यूजीसी का मानना है कि एक साथ दो डिग्रियां हासिल करने की इजाजत देने से युवाओं का बहुत अधिक समय बर्बाद नहीं होगा और वे अपने करियर को चुन पाएंगे। इसके साथ ही आज के दौर में जिस पेशेवर कौशल की जरूरत है, युवा उसे भी अपनी पढ़ाई के साथ हासिल कर पाएंगे। इसका फायदा युवाओं को तो होगा ही, रोजगार-प्रदाताओं को भी होगा, इस समय उद्योग जगत प्रतिभाओं की कमी से जूझ रहा है।

विकसित देशों में भी है एक साथ दो डिग्रियों की व्यवस्था

यूजीसी ने हार्वर्ड विश्व विद्यालय के एक शोध के आधार पर कहा है कि तमाम विकसित देशों में इस तरह की व्यवस्था पहले से है। जापान की शुंगफू यूनिवर्सिटी तो एक ही सत्र में तीन अलग-अलग पाठ्यक्रमों में डिग्री कोर्स संचालित करती है। ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड की कुछ यूनिवर्सिटियों में एक साथ दो कोर्स किए जा सकते हैं। हार्वर्ड स्वयं प्रबंधन और कॉमर्स में एक साथ डिग्री पाठयक्रम संचालित करता है। हालांकि, पीजी में एक साथ दो डिगियों की व्यवस्था दुनिया में कहीं नहीं है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, यूजीसी का मानना है कि भारत में पीजी में दो डिग्रियां साथ-साथ करने की इजाजत एक नया प्रयोग है और शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार के लिए नए प्रयोगों से बचना नहीं चाहिए। उसने कहा कि शिक्षा को तवज्जो देने वाले ज्यादातर विकसित देशों ने शिक्षा पर नए-नए प्रयोग किए हैं। इसीलिए वे आज दुनिया की पसंद बन गए हैं।

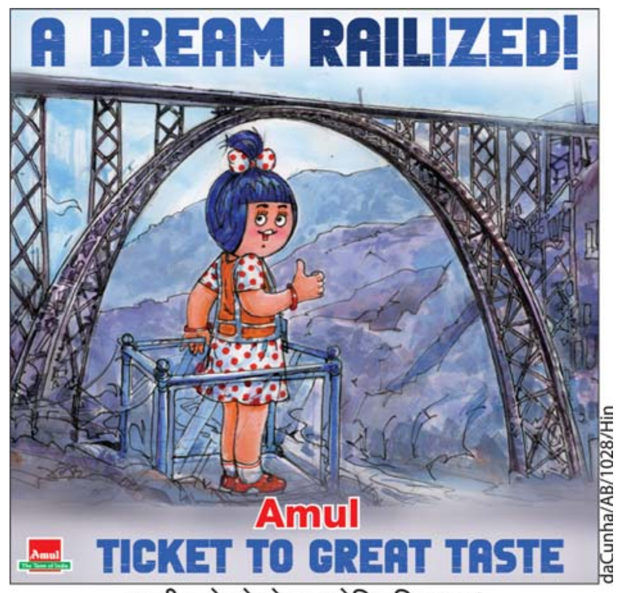

कश्मीर को जोड़ने वाला ऐतिहासिक पुल!

भाजपा ने महाराष्ट्र में चोरी से चुनाव जीता: राहुल गांधी

चुनाव आयोग बोला-दावा निराधार

नई दिल्ली, जेएनएन। राहुल गांधी ने शनिवार को एक अखबार में लिखे एक लेख में कहा, भाजपा और उसके सहयोगियों ने चुनाव जीतने के लिए 5 स्टेप की प्लानिंग की थी। उन्होंने यह भी कहा कि महाराष्ट्र की तरह ही मैच फिक्सिंग अगली बार बिहार में होगी, फिर किसी भी राज्य में जहां भाजपा हारती दिख रही हो, वहां होगी। यह समझना मुश्किल नहीं है कि महाराष्ट्र में भाजपा इतनी बौखलाहट में क्यों थी, लेकिन हेराफेरी करना मैच फिक्सिंग जैसा है। जो टीम धोखा देती है, वह भले ही जीत जाए, लेकिन इससे संस्थाएं कमजोर होती हैं और जनता का चुनावी नतीजों पर भरोसा खत्म हो जाता है। हर जिम्मेदार भारतीय को इन सबूतों को देखना चाहिए। उन्होंने लिखा- चुनाव आयुक्त नियुक्ति कानून के जरिए चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति करने वाली कमेटी में सीजेआई की जगह एक केंद्रीय मंत्री को बैठाया गया। इससे निष्पक्षता खत्म हो गई।

इलेक्शन कमीशन ने राहुल के दावों को निराधार करार दिया। आयोग ने कहा, चुनाव के फैसले पक्ष में नहीं आने के बाद ऐसे आरोप लगाना बेतुके हैं। 24 दिसंबर 2024 को ही कांग्रेस को भेजे अपने जवाब में यह सभी तथ्य सामने रखे थे।

शिवराज द्वारा घोषित कोई भी योजना बंद नहीं होगी: मोहन

जागरण, सीहोर। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा कि प्रदेश में पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा शुरू की गई कोई भी योजना बंद नहीं होगी। लाडली बहना योजना में धीरे-धीरे राशि बढ़ाकर 3000 कर दी जाएगी। उन्होंने कहा कि दिल्ली से शिवराज सिंह चौहान का आशीर्वाद लगातार मिल रहा है।

उन्होंने कहा कि अगर किसानों को अपनी फसलों की सिंचाई के लिए पर्याप्त पानी मिल जाए तो उनकी फसल सोना हो जाती है। सीहोर जिले के हर खेत तक सिंचाई का पानी पहुंचाने की व्यवस्था की जाएगी। मेट्रोपॉलिटन सिटी बनने के बाद भोपाल एवं अन्य क्षेत्रों के साथ ही सीहोर जिला भी एक नए विकास के दौर में प्रवेश करेगा।

श्री यादव ने कहा कि क्षेत्र के किसानों को सिंचाई के लिए नर्मदा नदी का पर्याप्त पानी उपलब्ध कराया जाएगा। उन्होंने सीहोर के विकास के लिए 50 करोड़ रुपए की राशि और इंदौर नाके से चार किलोमीटर रोड की स्वीकृति दी। साथ ही श्यामपुर में नया कॉलेज खोलने और सीहोर में एक्सीलेंस कॉलेज के लिए नए भवन के निर्माण की घोषणा की।

पायलट ने एकनाथ शिंदे का प्लेन उड़ाने से मना किया

जलगांव, जेएनएन। महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे शुक्रवार को जलगांव के मुक्ताईनगर में संत मुक्ताई की पालकी यात्रा में शामिल होने गए थे। यहां से लौटते वक्त जलगांव एयरपोर्ट पर पायलट ने उनका चार्टर्ड प्लेन उड़ाने से इंकार कर दिया। पायलट ने कहा- उसकी ड्यूटी के घंटे खत्म हो चुके हैं। ऐसे में वह उड़ान नहीं भर सकता। पायलट की बात सुनकर वहां मौजूद प्रशासनिक अधिकारी सकते में आ गए। उन्होंने पायलट को समझाने की कोशिश की, लेकिन वह नहीं माना। शिंदे के साथ मौजूद मंत्री गिरीश महाजन और गुलाबराव पाटिल ने एयरलाइन कंपनी से बात की और पायलट को स्थिति समझाई। करीब एक घंटे बाद एयरलाइन कंपनी के समझाने पर पायलट उड़ान भरने के लिए तैयार हुआ। बता दें कि नियमों के मुताबिक, कोई पायलट एक दिन में 8-9 घंटे से ज्यादा फ्लाइंग नहीं कर सकता। पायलट का ड्यूटी टाइम उसके एयरपोर्ट पर रिपोर्ट करने से शुरू होता है और रेस्ट टाइम शुरू होने तक रहता है।

देश में 11 साल में गरीबी से बाहर आए 27 करोड़ लोग

वर्ल्ड बैंक के ताजा आंकड़ों के अनुसार गरीबी की दर 5.3 प्रतिशत पर आई

नई दिल्ली, जेएनएन। भारत ने अत्यधिक गरीबी को कम करने में अच्छी प्रगति की है। 2011-12 से लेकर 2022-23 के बीच 26.9 करोड़ लोग इससे बाहर निकले हैं। वर्ल्ड बैंक के लेटेस्ट डेटा के अनुसार, अत्यधिक गरीबी दर 2011-12 में 27.1 प्रतिशत थी। 2022-23 में यह घटकर केवल 5.3 प्रतिशत रह गई। 2011-12 में भारत में लगभग 34.45 करोड़ लोग अत्यधिक गरीबी में जी रहे थे। 2022-23 तक यह संख्या तेजी से घटकर 7.52 करोड़ रह गई। जानकारों का कहना है कि यह प्रगति सरकारी पहलों, आर्थिक सुधारों और जरूरी सेवाओं के जरूरतमंदों तक पहुंचने के कारण संभव हो सकी। इस प्रगति में अधिकांश योगदान उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, बिहार, पश्चिम बंगाल और मध्य प्रदेश जैसे राज्यों का रहा। 2011-12 में भारत की अत्यधिक गरीबी में इन राज्यों की कुल मिलाकर हिस्सेदारी 65 प्रतिशत थी। पिछले 10 सालों में इन राज्यों ने कुल गरीबी में कमी में दो-तिहाई का योगदान दिया।

2021 की कीमतों के अनुसार, अत्यधिक गरीबी में उन लोगों को रखता है, जो प्रतिदिन 3 अमेरिकी डॉलर से भी कम पर गुजर बसर कर रहे हैं। 2017 की कीमतों के आधार पर 2.15 डॉलर प्रतिदिन खर्च करने वाले लोग गरीब माने जाते थे। अगर 2017 वाले आंकड़े का इस्तेमाल करें तो गरीबी और भी कम हो जाएगी। उन आंकड़ों के हिसाब से भारत में 2022-23 में केवल 2.3 प्रतिशत आबादी ही अत्यधिक गरीबी में थी। 2011 में यह आंकड़ा 16.2 प्रतिशत था।

शहरी और ग्रामीण, दोनों इलाकों में गरीबी घटी

वर्ल्ड बैंक के ताजा आंकड़ों के मुताबिक, ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में गरीबी में गिरावट आई है। ग्रामीण गरीबी 18.4 प्रतिशत से घटकर 2.8 प्रतिशत हो गई, जबकि शहरी गरीबी 11 साल की अवधि में 10.7 प्रतिशत से घटकर 1.1 प्रतिशत रह गई। भारत ने बहुआयामी गरीबी को कम करने में भी मजबूत सुधार किया है, जिसमें स्वास्थ्य, शिक्षा व जीवन स्तर जैसे फैक्टर शामिल हैं। बहुआयामी गरीबी सूचकांक 2005-06 में 53.8 प्रतिशत था। 2022-23 में कम होकर 15.5 प्रतिशत हो गया।

उत्तराखंड में टला बड़ा हादसा

इमरजेंसी लैंडिंग के दौरान कार से टकराया हेलीकॉप्टर

रुद्रप्रयाग, जेएनएन। उत्तराखंड के रुद्रप्रयाग में केदारनाथ दर्शन के लिए जा रहे हेलीकॉप्टर को बीच हाईवे लैंड करवाना पड़ा। फाटा बड़ासू के पास हाईवे पर इस इमरजेंसी लैंडिंग के दौरान हेलीकॉप्टर की टेल कार से टकरा गई, जिससे कार क्षतिग्रस्त हो गई। डीजीसीए घटना की जांच कराएगा।

बताया जा रहा है कि क्रेस्टेल एविएशन प्राइवेट लिमिटेड का यह हेलीकॉप्टर रुद्रप्रयाग के बडासू इलाके से केदारनाथ जा रहा था। उड़ान भरने के कुछ ही देर बाद इसमें तकनीकी खराबी आ गई। इसके चलते अचानक हेलीकॉप्टर को सड़क पर लैंड करना पड़ा। इसमें सात श्रद्धालु बैठे थे। हालांकि, कोई बड़ा हादसा होता, इससे पहले पायलट ने सूजबूझ दिखाई और हाईवे पर ही हेलीकॉप्टर लैंड कर दिया।

सूचना मिलते ही पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और यात्रियों को सुरक्षित स्थान पर भेज दिया गया। को-पायलट को हल्की चोट लगी है। बता दें कि हेलीकॉप्टर की मुख्य राष्ट्रीय राजमार्ग पर हार्ड लैंडिंग कराए जाने के कारण दोनों और का यातायात लगभग चार घंटे के लिए पूरी तरह ठप रहा। घटना का एक वीडियो भी सामने आया है, जिसमें साफ देखा जा सकता है कि कैसे हेलीकॉप्टर सड़क पर इमरजेंसी लैंडिंग करता है और पास खड़ी एक गाड़ी को जोरदार टक्कर मार देता है। करीब 40 सेकंड के इस वीडियो में दिखता है कि हेलीकॉप्टर तेजी से नीचे आता है और जिस गाड़ी से टकराता है, वह चकनाचूर हो जाती है। लोग घबराकर पीछे हटते दिखते हैं, किसी के चेहरे पर डर तो किसी के हाथ में मोबाइल कैमरा है।

उम्मीद | पुराना संसद भवन इसी मंदिर के जैसा, अति-प्राचीन भवन जलसंचय का अद्भुत मॉडल

64 योगिनी मंदिर को मिलेगा विश्व धरोहर का तमगा

जागरण, मुरैना। मुरैना में लोगों की श्रद्धा का केंद्र मितावली स्थित प्राचीन 64 योगिनी मंदिर के दिन फिरने वाले हैं। मंदिर की महिला अब पूरे विश्व में धमक मचाएगी। इसके साथ ही आसपास के पूरे क्षेत्र को भी कई सौगातें मिलेंगी। यह क्षेत्र देश-प्रदेश के प्रमुख मार्गों से जुड़ेगा तो पर्यटक स्थल के रूप में इसको विकसित किया जाएगा। वजह, यह मंदिर विश्व धरोहर बनने जा रहा है। इसे विश्व धरोहर की सूची में शामिल कर लिया गया है। मितावली का यह प्राचीन मंदिर 7100 महादेव मंदिर के नाम से भी जाना जाता है। शहर से 35 किलोमीटर दूर मितावली गांव की पहाड़ी पर स्थित यह मंदिर अपने गोलाकार आकार के लिए प्रसिद्ध है। भारत की पूर्व संसद का आकार इसी मंदिर से प्रेरित है। इसे विश्व धरोहर में शुमार किए जाने का प्रस्ताव दिल्ली के प्रगति मैदान में आयोजित किए गए भारत मंडपम कार्यक्रम के दौरान प्रस्तुत किया गया है। इस कार्यक्रम में कुल 162 देशों के प्रतिनिधि शामिल हुए थे। इस प्रस्ताव पर चिंतन-मंथन के बाद विश्व धरोहर की अस्थायी सूची में मंदिर को जगह प्राप्त हो गई है। बाकी औपचारिकाएं पूर्ण कर इस प्रसिद्ध स्मारक को जल्द ही विश्व धरोहर में शामिल किया जा सकता है।

मंदिर की विशेषताएं

- 1323 ईस्वी पूर्व के पहले बनाया गया यह मंदिर ज्योतिष और गणित की शिक्षा का प्रमुख केंद्र था।
- देश के पुराने संसद भवन का गोल आकार इसी मंदिर से प्रेरित माना जाता है।
- यह गोलाकाल मंदिर मितावली गांव की पहाड़ी पर सौ फीट ऊंचाई पर बना है।
- तांत्रिक पीठ के तौर पर विख्यात इस मंदिर में रात के समय कोई पक्षी नहीं रहता।
- इसमें 64 कक्ष हैं और हर कमरे में शिवलिंग स्थापित हैं।
- यह पूरा भवन भूकंप रोधी है, जो भूकंप के झटकों को बेअसर कर चुका है।

इलाके का होगा विकास

तांत्रिक पीठ के रूप में पहचान रखने वाले इस 64 योगिनी मंदिर को विश्व धरोहर की सूची में शामिल किए जाने के बाद न केवल मंदिर का कायाकल्प होगा, बल्कि आसपास के क्षेत्रों में भी कई विकास कार्य कर इसे देश-प्रदेश के प्रमुख स्थल के रूप में विकसित किया जाएगा। जानकारों की मानें तो यहां व्यापक बदलाव किए जाएंगे। मंदिर के जीर्णशीर्ण हिस्से पर मरम्मत कर उसका पुराना वैभव लौटाया जाएगा। इसके साथ ही पर्यटक स्थल के रूप में विकसित कर यहां सुरक्षा के विशेष इंतजार होंगे। वहीं पर्यटकों की सुविधा के लिए कैंटीन, वॉशरूप जैसी मूलभूत सुविधाएं बढ़ाई जाएंगी। यहां के पहुंच मार्ग को भी हाईवे के तौर पर विकसित किया जाएगा।

ग्रामोदय द्वारा मंदाकिनी सफाई की सतत और सार्थक पहल

स्फटिक शिला घाट अब स्वच्छ और सुंदर दिखने लगा

जागरण, चित्रकूट। महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय द्वारा सतत और सार्थक ढंग से चलाए जा रहे मंदाकिनी नदी सफाई अभियान के कारण अब स्फटिक शिला घाट और उसके आस पास का जल क्षेत्र साफ और सुंदर दिखने लगा है। कुलगुरु प्रो भरत मिश्रा के नेतृत्व और मार्गदर्शन में प्रत्येक शनिवार को ग्रामोदय विश्वविद्यालय के शिक्षकों, अधिकारियों, कर्मचारियों और छात्र छात्राओं की सहभागिता के साथ चित्रकूट में सदा प्रवाहित पवित्र सलिला मंदाकिनी नदी का सफाई अभियान चलाया जाता है। कुलगुरु प्रो भरत मिश्रा की प्रत्यक्ष मौजूदगी में पर्यावरण पाठ्यक्रम के शोधार्थी और विद्यार्थी, राष्ट्रीय सेवा योजना ईकाई के स्वयंसेवक, विश्वविद्यालय के शिक्षक, चित्रकूट के स्थानीय नगारिक, तथा साधु संतों ने स्वच्छता एवं सफ़ाई हेतु श्रमदान किया । इस अवसर पर श्रमदानियों ने नदी में उपजे शैवाल पॉलीथिन नदी में विसर्जित मूर्तियों नदी जल ने डाले गए पूजा सामग्रियों आदि को बाहर निकाला। स्वच्छता कार्यक्रम में ऊर्जा एवं पर्यावरण विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो शशिकांत त्रिपाठी डॉ साधना चौरसिया राष्ट्रीय सेवा योजना ईकाई के संयोजक डॉ उमेश शुक्ला आदि मौजूद रहे। ग्रामोदय विश्वविद्यालय परिवार के श्रमदानियों को संबोधित करते हुए श्री कामदगिरि प्रथम मुखारविंद के संत डॉ मदन गोपाल दास ने इस अभियान की सराहना करते हुए प्रोत्साहित किया।

मेधावी छात्रा सम्मान समारोह की तैयारियां अंतिम चरण में

सतना। भगवान श्री राम की तपोभूमि मां शारदा की पावन नगरी सतना में आगामी 15 जून रविवार को 225 छात्राओं का सामाजिक संस्था यूथ हैल्पिंग हैंड्स प्रसिद्ध डॉक्टर की गरिमामय उपस्थिति में सम्मानित किया जाएगा जिसकी तैयारियां अंतिम चरण में है। संस्थापक रूपेश वलेचा एवं डॉक्टर मनीषा सोई ने बताया 15 जून रविवार को मेधावी छात्राओ का सम्मान खेरमाई रोड स्थित अमृत वाटिका में शाम 4 बजे से सम्मानित किया जाएगा जिसमें क्लास 9 से 12 तक जिन बच्चियों के 85 प्रतिशत या उससे अधिक लाये है वो शामिल होगे। डोली भांबरी ने आगे बताया इस सम्मान समारोह में सतना एवं मैहर जिले की हर वर्ग की बेटियां शामिल हो सकती हैं अभी तक 210 बच्चियों का रजिस्ट्रेशन हो चुका है। भक्ति सुखेजा ने छात्राओं से अपील की हे जो छात्रा सम्मान समारोह में शामिल होना चाहती है 10 जून के पहले अपना रजिस्ट्रेशन अवश्य करवाले।

स्वच्छता कर्मियों को सम्मानित कर मनाया योगी आदित्यनाथ का जन्मदिन

जागरण, सतना। विश्व हिंदू महासंघ भारत गोरक्ष पीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ के जन्मदिन के अवसर पर विश्व हिंदू महासंघ भारत के राष्ट्रीय अध्यक्ष योगी सुरेंद्र नाथ अवधूत एवम राष्ट्रीय संगठन मंत्री योगी तेजपाल के निर्देशों का पालन करते हुए मध्य प्रदेश में चलाए जा रहे सामाजिक सरोकार के अंतर्गत विश्व हिंदू महासंघ भारत के प्रदेश अध्यक्ष पुष्पराज सिंह बघेल के मार्गदर्शन में प्रदेश भर में आयोजित हो रहे कार्यक्रमों के दौरान सतना शहर के सिमरिया चौक में स्वच्छता कर्मियों को भीषण गर्मी में शीतल शरबत का बॉटल प्रदान करते हुए उन्हें गमछे भेंट कर उनका सम्मान किया गया साथ ही मातृ शक्तियों को चुनरी भेंट कर उनका सम्मान किया गया। आयोजित कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए प्रदेश अध्यक्ष पुष्पराज सिंह बघेल ने कहा कि स्वच्छता कर्मी जिस तरह अपने श्रम और मन से शहर को स्वच्छ रखने का महत्वपूर्ण कार्य करते हैं वह कार्य प्रशंसनीय है और वह बधाई के पत्र भी हैं वही प्रदेश उपाध्यक्ष रामानंद सिंह ने कहा कि जिस तरह से स्वच्छता कर्मी हमारे नगर को साफ सुथरा रख कर शहर को सुंदर तो बनते ही हैं साथ ही हमें कई बीमारियों से भी बचाने का महत्वपूर्ण कार्य करते हैं इसलिए वह सम्मान के पात्र हैं। वही कार्यक्रम में मातृ शक्तियों को संबोधित करते हुए प्रदेश महामंत्री श्रीमती मिथलेश सिंह बघेल एवम प्रदेश उपाध्यक्ष श्रीमती पूजा चतुर्वेदी ने कहा कि सामाजिक सरोकारों एवं धार्मिक आयोजनों में मातृ शक्तियां विशेष भूमिका निभाती हैं और समाज के उत्थान के लिए विशेष कार्य करती हैं । आयोजित कार्यक्रम में मुख्य रूप से प्रदेश अध्यक्ष पुष्पराज सिंह बघेल प्रदेश उपाध्यक्ष रामानंद सिंह प्रदेश महामंत्री दीपक चुगवानी प्रदेश मीडिया प्रभारी संदीप गुप्ता डॉ दीपक सोई प्रदेश महामंत्री मातृशक्ति श्रीमती मिथलेश सिंह बघेल प्रदेश उपाध्यक्ष मातृशक्ति श्रीमती पूजा चतुर्वेदी डॉ मनीषा सोई नगर अध्यक्ष प्रणव धाराधर कोषाध्यक्ष राकेश गुप्ता जिला उपाध्यक्ष श्रीमती आरती गुप्ता जिला उपाध्यक्ष श्रीमती सुनीता शर्मा जिला मंत्री श्रीमती निशा सोनी एस एन सिंह ब्लॉक अध्यक्ष बिरसिंहपुर दिलीप द्विवेदी कोटर अध्यक्ष नीतेंद्र सिंह परमार सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

तिरंगे का कफन ओढ़कर लौटे शहीदों को शत-शत नमन : सांसद

एमसीयू में हुआ विंध्या आइकोनिक सोल्जर्स सम्मान का आयोजन

जागरण, रीवा। तिरंगे का कफन ओढ़कर लौटे शहीदो को उनके परिवारों का सारा देश शतशत नमन करता है। सरहद में खड़े सैनिकों के करण हम सुरक्षित हैं। यह उद्गार माखनलाल चतुर्वेदी पत्रकारिता विश्वविद्यालय के ऑडिटोरियम में स्नेहा इवेंट्स एण्ड मैनेजमेंट ग्रुप मुंबई की रीवा शाखा द्वारा आयोजित विंध्या आईकोनिक सोल्जर्स सम्मान के राष्ट्रीय आयोजन में बतौर मुख्य अतिथि सांसद जर्नादन मिश्रा ने व्यक्त किये। लाल पद्मधर सिंह परिवार के रिटायर्ड ब्रिगेडियर भूपेन्द्र प्रताप सिंह कृपालपुर ने अध्यक्षीय उद्बोधन में अमर शहीद पद्मधर सिंह की कुर्बानी के बारे में बताया। बतौर विशिष्ट अतिथि विधायक गुढ़ नागेन्द्र सिंह ने आयोजन समिति को साधुवाद अर्पित किया। इस अवसर पर संजय गांधी अस्पताल के अधीक्षक डॉ. राहुल तिवारी हिन्दू धर्म परिषद के संस्थापक नारायण डिगवानी, लायंस क्लब के डी.पी.सिंह परिहार, रिटा. इंजी. एल.एम. सिंह ने बतौर विशिष्ट अतिथि अपने विचार रखे। स्वागत उद्बोधन राष्ट्रीय अध्यक्ष विष्णु श्रीनिवास मिश्रा ने दिया। आभार प्रदर्शन विंध्य कोकिला मणिमाला सिंह ने किया।

मंच संचालन सिद्धार्थ श्रीवास्तव ने किया। दीप प्रज्ज्वलन से आयोजन की शुरुआत कर उपस्थित शहीद परिवारजनों का शॉल, स्मृति चिन्ह एवं सम्मान निधि देकर सम्मान किया गया।

योग गुरु आदर्श को किया सम्मानित

रीवा। स्नेहा इवेंट एंड मैनेजमेंट मुंबई, विष्णु श्रीनिवास मिश्र के द्वारा योग के 6 वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाने वाले विंध्य के ही नहीं, बल्कि योग में अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त आदर्श को भी सैनिक सम्मान से सम्मानित किया गया।

रेगुलर नॉन रेगुलर कर्मचारियों के डाटा का परीक्षण सरकार की निरंतर प्रक्रिया

राज्य स्तरीय वित्तीय इंटेलिजेंस सेल की है जिम्मेदारी

जागरण, सतना। राज्य शासन द्वारा रेगुलर और नॉन रेगुलर कर्मचारियों के डाटा का परीक्षण आईएफएमआईएस सॉफ्टवेयर के माध्यम से नियमित रूप से किया जा रहा है। यह एक निरंतर प्रक्रिया है। इस संबंध में कार्यालय आयुक्त एवं लेखा द्वारा सभी कोषालय, आहरण एवं संवितरण अधिकारियों को समय-समय पर पत्र लिखकर डाटा की पुष्टि के लिए निर्देश दिए गये है। आयुक्त कोष एवं लेखा कार्यालय के अंतर्गत एक राज्य वित्तीय इंटेलिजेंस सेल संचालित है जो नियमित अंतराल पर कोषालय के डाटा का विश्लेषण करता है। जिसमें कर्मचारियों के वेतन आहरण की मॉनिटरिंग भी की जाती है। इस सेल द्वारा ऐसे लगभग 50 हजार कर्मचारियों के कर्मचारी कोड के डेटा का विश्लेषण किया गया, जिनके पिछले चार महिनों से वेतन का आहरण कोषालय सॉफ्टवेयर से नहीं किया गया। इसलिए ऐसे कर्मचारियों के विवरण का सत्यापन कोषालय अधिकारियों के माध्यम से संबंधित डीडीओ से करवाये जाने हेतु आयुक्त कोष एवं लेखा द्वारा निर्देश जारी किये गये हैं। यह एक निरंतर प्रक्रिया है जो समय-समय पर आयुक्त कोष एवं लेखा कार्यालय द्वारा की जाती है।

माह दिसंबर 2024 के डाटा का परीक्षण कर पाया गया कि ऐसे कर्मचारी हैं जिनके एम्पलाई कोड आवंटित है किंतु सेवानिवृत्ति तिथि की प्रविष्टि नहीं हुई है। आईएफएमआईएस सॉफ्टवेयर में एग्जिट प्रक्रिया भी पूरी नहीं हुई है, फिर भी चार माह से वेतन आहरण नहीं किया जा रहा है। इस संबंध में कार्यालय आयुक्त कोष एवं लेखा द्वारा सभी कोषालय अधिकारियों को निर्देश दिये गये हैं कि संबंधित आहरण एवं संवितरण अधिकारियों को संबंधित डाटा प्रदान कर 15 दिन में कारण सहित पुष्टि करायी जाए। उनके द्वारा वेतन आहरण किस कारण से नहीं किया जा रहा है। आहरण एवं संवितरण अधिकारियों से प्राप्त जानकारी को कार्यालय आयुक्त कोष-लेखा को अवगत कराया जायेगा। यदि डेटा के सत्यापन में कोई त्रुटि संज्ञान में आती है तो संभागीय संयुक्त संचालक कोष एवं लेखा के माध्यम से तत्काल प्रतिवेदन भेजा जाना होगा। इससे स्पष्ट है कि रेगुलर और नॉन रेगुलर एम्पलाई के डाटा संबंधी परीक्षण और निरीक्षण एक सामान्य और निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है।

मंदाकिनी नदी संरक्षण के लिए ब्रहद कार्य योजना की जरूरत : सुरेंद्र शर्मा

सतना। जदयू राष्ट्रीय समिति के पूर्व सदस्य अधिवक्ता सुरेंद्र शर्मा ने कहा कि पवित्र मंदाकिनी नदी के अस्तित्व को और धार दार बनाये रखने के लिए जरूरी है कि राज्य और जिला स्तर पर ब्रहद व कारगर कार्य योजना बने जिससे उसका संरक्षण और संवर्धन हो सके इसके लिए जितना दायित्व शासन प्रशासन का है उतना ही महत्व स्थानीय लोगों के जनसहयोग का है जो मां मंदाकिनी के बढ़ते प्रदूषण से उसे मुक्त करने का संकल्प लें इसके लिए आम नागरिकों को इससे जोड़ने जिला प्रशासन अभिनव प्रयास करे तो बेहतर होगा और लोगों को जाग्रत करने जल संरक्षण विशेषज्ञो के साथ नागरिकों की भागेदारी के लिए प्रोत्साहित किया जाए, प्रशासनिक स्तर पर जनजागरण चले । श्री शर्मा ने कहा कि मंदाकिनी के घटते जल स्तर को नर्मदा जल से मिलाने की कार्ययोजना को बरगी टनल प्रोजेक्ट पूरा करके संभव बनाया जा सकता है।

अखिल भारतीय उपभोक्ता उत्थान संगठन का राष्ट्रीय अधिवेशन 14 एवं 15 को

जागरण, सतना। संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष हरिशंकर शुक्ल के दिशा निर्देशन में महाकाल लोक उज्जैन में आगामी 14 एवं 15 जून को अखिल भारतीय उपभोक्ता उत्थान संगठन के तत्वाधान में आयोजित होने वाले राष्ट्रीय सेमिनार में सतना जिला संगठन महत्वपूर्ण सहभागिता करेगा जिसके लिए संगठन द्वारा विशेष रूप से तैयारी की जा रही है। सतना जिला अध्यक्ष बृजेश गर्ग सोनू ने अपने संगठन की एक आवश्यक बैठक कोठी के अमृतवेला पैलेस में रखी जिसमें संगठन के महत्वपूर्ण पदाधिकारी शामिल हुए और आगामी 14 एवं 15 जून को आयोजित होने वाले राष्ट्रीय सेमिनार की रूपरेखा तैयार की जिसमें यह निर्णय लिया गया कि सतना जिला संगठन का 21 सदस्यीय विशेष दल स्पेशल वाहनों द्वारा 13 जून को सतना से एक साथ रवाना होगा । बैठक में संगठन के जिला अध्यक्ष बृजेश गर्ग सोनू उपाध्यक्ष सहेंद्र सिंह सचिव उमेश सिंह कोषाध्यक्ष विजयराज सिंह सहित संगठन के अन्य पदाधिकारी अजय विश्वकर्मा कृष्णभान सिंह मनिंदर सिंह जीतू तेज बहादुर सिंह गुड्डू तिलक राज सिंह उमाशंकर पांडे पवन सिंह सुखेंद्र सिंह अंकित सिंह एवं मीडिया प्रभारी अनमोल मिश्रा सहित अन्य सदस्य मौजूद रहे।

प्रकृति को बचाने हम सबको दृढ़ संकल्प लेना होगा

जागरण, रीवा। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय इंदिरा नगर द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस पौधारोपण, गंगा दशहरा, जल जन संवर्धन, नशा मुक्ति के माध्यम से पुरैना गांव में मनाया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि बीके नम्रता बहन रहीं जबकी अध्यक्षता डॉ पुष्पा शुक्ला, विशिष्ट अतिथि सिद्धार्थ शुक्ला, सतेन्द कुमार साहू सरपंच पुरैना, पूर्व बैंक मैनेजर आरबी सिंह, अमन तिवारी, सुरेश कुमार त्रिपाठी, जवाहरलाल गुप्ता, राजकुमार साहू , मणिराज साकेत, बीके मीनाक्षी, बीके उर्मिला, बीके किरण सिंह, बीके गीता, बीके रामकली, बीके महेश, कैमरा मैन बीके शिवकुमार आदि ईश्वरीय परिवार उपस्थित रहा।

डॉ पुष्पा ने कहा की पीपल की पूजा आज भी होती है। उन्होंने कुछ चौपाइयों के माध्यम से अपनी भावनाएं एक पेड़ मां के रूप में व्यक्त की साथ ही पौधारोपण का महत्व बताया। बीके मीनाक्षी दीदी ने नशा मुक्ति, जल जन संवर्धन,और पर्यावरण दिवस पर प्रतिज्ञा कराई। पवित्र मां गंगा की भी आरती सब लोगों ने मिलकर उतारी। सिद्धार्थ ने कहा कि आज के परिवेश में हर व्यक्ति को मेडिटेशन करना बहुत जरूरी है। पुरैना सरपंच ने कहा की पहली बार इस ईश्वरीय परिवार के सानिध्य में आने से खुशी के साथ अच्छा मार्गदर्शन भी मिला। ब्रह्मा कुमारी इंदिरा नगर प्रभारी बीके नम्रता ने कहा कि आध्यात्मिकता हमें वास्तविकता की ओर ले जाकर प्रकृति और आत्मा के गहरे सम्बन्ध का अनुभव कराती है। प्रकृति को बचाने के लिये हम सबको मिलकर कुछ विशेष और दृढ़ संकल्प लेना होगा। ब्रह्माकुमारीज संस्था ने जल जन अभियान के माध्यम से लोगों को जागरूक करने तथा देश के हर नागरिक को अपनी नैतिक जिम्मेवारी का अहसास कराने का संकल्प लिया है।

प्रधानाध्यापक शाला प्रबंधन व नेतृत्व विकास का मिला प्रशिक्षण

जागरण, रीवा। शाला प्रबंधन एवं नेतृत्व विकास को सुनिश्चित करने एन विद्यार्थियों को गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा प्रदान करने क लिये एनसीएसएल दिल्ली द्वारा निर्धारित प्रक्रिया और मापदण्डों के अनुक्रम में 14 मॉडयूल तैयार किया गया है जिसका अनुवाद (अंग्रेजी से हिन्दी राज्य शैक्षिक प्रर्वधन एवं प्रशिक्षण संस्थान भोपाल द्वारा किया गया। नई शिक्षा नीति 2020 के संदर्भ में यह प्रशिक्षण दिया गया। रीवा / मऊगंज जिले के शास. प्राथमिक शाला एवं शा. माध्यमिक शाला के कुल-2664 प्रथानाध्यापकों के प्रशिक्षण हेतु सीमेट द्वारा लक्ष्य प्राप्त हुआ था। यह प्रशिक्षण 07 अप्रैल से 06 जून तक कुल 09 चरणों में आयोजित किया गया। प्रत्येक चरण में 250 प्रधानाध्यापकों को प्रशिक्षण दिया गया। रीवा /मऊगंज जिले में कुल-2487 प्रधानाध्यापकों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। प्रशिक्षक डीआरजी डॉ. अशोक पटेल, प्रशिक्षण प्रभारी डाइट रीवा, श्री केशरी प्रसाद तिवारी ए.पी.सी. अकादमिक, महेन्द्र कुमार मिश्रा, प्रचार्य हाई स्कूल बिछरहटा, डॉ. रवि उल्ला खांन प्रधानाध्यापक बांसा गुरोलिहन टोला-रीवा, दिलीप पाण्डेय, बुद्धिप्रकाश त्रिपाठी,अनिल कुमार त्रिपाठी, दीपक मिश्रा माध्यमिक शाला कोष्टा, दीपक मिश्रा मॉडल हाई स्कूल मऊगंज, डॉ. पूनम वर्मा माध्यमिक शाला सहिजना, जय सिंह, एवं सी.पी. पाण्डेय माध्यमिक शाला पिपरा ने प्रशिक्षण दिया। प्रशिक्षण राज्य शैक्षिक प्रबंधन एंव प्रशिक्षण संस्थान (सीमेट) भोपाल के मार्गदर्शन में एंव डाइट प्राचार्य जी.पी. उपाध्याय के नेतृत्व में आयोजित किया गया।

जन्मतिथि परिवर्तन सूचना

मैं यदुवंश प्रसाद शुक्ला के पुत्र सैन्य संख्या 14939873N रैंक हवलदार विजयकांत शुक्ला निवासी ग्राम सिकरौरा पोस्ट कलबलिया कोटर सतना। मैं शपथ पूर्वक पुष्टि करता हूं कि मेरी जन्म तिथि 1/4/1950 से 1/7/1957 और मेरी पत्नी पार्वती शुक्ला की जन्मतिथि 1/1/1955 से 1/7/1962 त्रुटि पूर्वक मेरे बेटे के सेना रिकॉर्ड में दर्ज हो गई है। यह कि मैं शपथ पूर्वक कथन करता हूं कि मेरी जन्म तिथि 1/4/1950 और मेरी पत्नी की जन्म तिथि 1/1/1955 है जो की सत्य व सही है मेरे पुत्र के सभी रिकॉर्ड में लिखी या पढ़ी जानी चाहिए।

आर.एम. 81882

छात्र से दुर्व्यवहार मामले में ज्योति स्कूल पर 50 हजार का जुर्माना

मानवाधिकार आयोग ने की कार्यवाही, सरकार को भी नोटिस

जागरण, रीवा। ज्योति किंडर गार्टेन में पढ़ने वाले एक छात्र के साथ दुर्व्यवहार किया गया था। छात्र के दीर्घ शंका करने पर कपड़े धुलवाए गए थे। तौलिए में ही घर भेज दिया गया था। इसकी शिकायत भाजपा नेता गौरव तिवारी ने राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग, राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग से ट्वीट कर की थी। इस मामले में पूर्व में आयोग ने एसपी कलेक्टर को मामले की जांच के निर्देश दिए थे। जांच अस्पष्ट होने पर सख्त एक्शन लेते हुए राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग ने स्कूल प्रबंधन पर 50 हजार रुपए का जुर्माना किया गया है। साथ ही राज्य सरकार को नोटिस भी जारी किया है। इसके साथ ही एसपी रीवा से अब तक की कई कार्यवाही की जानकारी देने के लिए 4 सप्ताह का समय दिया गया है। बता दें कि शिकायत में आरोप था कि 18 जनवरी 2025 को एक 5 वर्षीय बालक कक्षा के दौरान अस्वस्थ होने के कारण अपने आप को गंदा कर बैठा, जिसके बाद स्कूल की अटेंडेंट विद्यावती ने उसे जबरन अपने ही कपड़ों से सफाई करवाने को मजबूर किया और उसे गीले कपड़ों में ही छोड़ दिया, जिससे वह बीमार पड़ गया। इस घटना से स्कूल के अन्य छात्रों और अभिभावकों में भय का वातावरण बना। इसकी जांच की गई तो सामने आया कि घटना की पुष्टि स्कूल प्राचार्य ने भी की है। जिला शिक्षा अधिकारी की रिपोर्ट के आधार पर विद्यावती की सेवा समाप्त कर दी गई और कक्षा शिक्षिका को 6 महीने के लिए निलंबित किया गया। थाना विश्वविद्यालय में एफआईआर दर्ज की गई जिसमें भारतीय दंड संहिता की धारा 238 और जेजे अधिनियम की धारा 75 के तहत अपराध दर्ज किया गया। आयोग ने कहा कि यह घटना न केवल मानसिक व शारीरिक उत्पीड़न का मामला है, बल्कि मौलिक और वैधानिक अधिकारों का घोर उल्लंघन भी है।

एपीएसयू के बीएड विभाग की मान्यता बहाली के प्रयास तेज

निर्धारित समय पर परफॉर्मेंस अप्रेजल रिपोर्ट नहीं भेजने पर की गई है कार्यवाही

जागरण, रीवा

अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय रीवा प्रशासन ने बीएड विभाग की मान्यता बहाली के प्रयास तेज कर दिए है। बीएड विभाग की मान्यता रद्द होने की जानकारी सामने आते ही विश्वविद्यालय प्रशासन ने अपने दस्तावेजों को खंगालना प्रारंभ कर दिया है और मान्यता के लिए हुई चूक को दुरुस्त कर फिर से मान्यता हासिल करने के लिए हर संभव कोशिश की जा रही है। गौरतलब है कि राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद (एनसीटीई) की पश्चिमी क्षेत्रीय समिति ने एक सख्त कार्रवाई करते हुए मध्यप्रदेश सहित चार राज्यों के कुल 380 तथा मध्य प्रदेश के ग्यारह बीएड कालेजों की मान्यता सत्र 2025 -26 के लिए समाप्त कर दी है। जिसमें अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय रीवा का बीएड विभाग भी शामिल है। एनसीटीई द्वारा यह कदम उन संस्थाओं के खिलाफ उठाया गया है जिन्होने निर्धारित समय पर परफॉर्मेंस अप्रेजल रिपोर्ट (पीएआर) दाखिल नहीं की थी। इसके साथ ही शैक्षणिक ढांचे में कमी, नियमित प्राध्यापकों की अनुपलब्धता तथा प्रशिक्षण मानकों का उल्लंघन आदि कारणों से एनसीटीई ने विश्वविधालय के बीएड विभाग की मान्यता समाप्त की है। मान्यता समाप्त होने से अब विश्वविद्यालय सत्र 2025-26 के लिए बी एड पाठ्यक्रम में प्रवेश नहीं दे पाएगा। यदि मान्यता बहाल नहीं हुई तो प्रवेश लेने वाले छात्रों का भविष्य अधर में लटक सकता है। बहर हाल विश्व विद्यालय ने एनसीटीई को पीएआर भेजकर मान्यता बहाली के लिए हरसंभव प्रयास शुरू कर दिए हैं ।

प्रायोगिक परीक्षाओं में नियम विरुद्ध परीक्षक बनाए जाने पर हुआ था विरोध

उल्लेखनीय है कि इसके पहले विश्वविद्यालय की बी एड प्रायोगिक परीक्षा भी विवादों से घिरी रही है। शासकीय शिक्षा महाविद्यालय के प्राध्यापकों को बी एड प्रायोगिक परीक्षाओं में परीक्षक न बनाने तथा विश्वविद्यालय के अतिथि विद्वानों को प्रायोगिक परीक्षाओं में परीक्षक बनाने का मामला न्यायालय पहुंच गया था। जिसमें नियम विरुद्ध तरीके से एक अतिथि विद्वान को 26 जगह परीक्षक बनाए जाने का भी विरोध किया गया था।

कार्यालय नगर परिषद बिरसिंहपुर, जिला सतना (म.प्र.)
email- cmobirsingpur@mpurban.gov.in Phone - 07671- 277220

क्रमांक/587/न.प./2025 — बिरसिंहपुर, दिनांक 05/06/2025

नामान्तरण/(हस्तान्तरण) हेतु सार्वजनिक सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि निम्नानुसार नामान्तरण/हस्तान्तरण हेतु इस कार्यालय में आवेदन प्राप्त हुआ है।

हस्तान्तरण कर्ता का नाम	हस्तान्तरण गृहिता का नाम	वार्ड क्रमांक	रकवा	नामान्तरण का आधार पर
धर्मदास, अर्जन, विनय अग्रवाल	शैल अग्रवाल, रीना अग्रवाल	08	2000 वर्गफुट	विक्रय पत्र शपथ पत्र के आधार पर

इस संबंध में जिस व्यक्ति को किसी भी प्रकार की आपत्ति हो तो इस सूचना के जारी होने के दिनांक से 15 दिवस के अन्दर आपत्ति प्रमाण सहित कार्यालय में प्रस्तुत करें। निर्धारित अवधि के पश्चात प्राप्त होने वाली आपत्तियों में कोई भी विचार नहीं किया जायेगा।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर परिषद बिरसिंहपुर
(जिला सतना)

कार्यालय नगर परिषद बिरसिंहपुर, जिला सतना (म.प्र.)
email- cmobirsingpur@mpurban.gov.in Phone - 07671- 277220

क्रमांक/588/न.प./2025 — बिरसिंहपुर, दिनांक 05/06/2025

नामान्तरण/(हस्तान्तरण) हेतु सार्वजनिक सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि निम्नानुसार नामान्तरण/हस्तान्तरण हेतु इस कार्यालय में आवेदन प्राप्त हुआ है।

हस्तान्तरण कर्ता का नाम	हस्तान्तरण गृहिता का नाम	वार्ड क्रमांक	रकवा	नामान्तरण का आधार पर
स्व. भूरा प्रसाद प्रजापति	राजेन्द्र कुमार, वृन्दावन प्रजापति	08	101x170 वर्गफुट	पिता की मृत्यु पर आपसी बटवारा

इस संबंध में जिस व्यक्ति को किसी भी प्रकार की आपत्ति हो तो इस सूचना के जारी होने के दिनांक से 15 दिवस के अन्दर आपत्ति प्रमाण सहित कार्यालय में प्रस्तुत करें। निर्धारित अवधि के पश्चात प्राप्त होने वाली आपत्तियों में कोई भी विचार नहीं किया जायेगा।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर परिषद बिरसिंहपुर
(जिला सतना)

सीधी जागरण दैनिक जागरण रीवा 08 जून 2025 www.dainikjagranmpcg.com
11 राज्य 31 संस्करण
मध्य प्रदेश • उत्तर प्रदेश • दिल्ली • हरियाणा • उत्तराखंड • पंजाब • जम्मू-कश्मीर • बिहार • झारखंड • हिमाचल प्रदेश • पश्चिम बंगाल से प्रकाशित

सूर्य उदय - अस्त
06.49 अस्त : आज
05.13 उदय : कल

शहर का तापमान
43.0 0 अधिकतम
25.0 0 न्यूनतम

कलेक्टर की सख्ती से अवैध रेत उत्खनन बंद

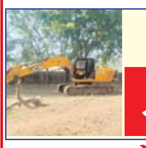

जागरण असर

सहकार ग्लोबल पर दर्ज हुए अवैध उत्खनन के दो मामले

रेत के अवैध कारोबार से जुड़े लोगों में हड़कंप

जागरण, सीधी

कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी की सख्ती से रेत का अवैध कारोबार बंद हो चुका है। वहीं अवैध रेत कारोबार से जुड़े लोगों में हड़कंप मचा हुआ है। इसमें रेत के अवैध उत्खनन से जुड़े लोगों के साथ ही उनको संरक्षण देने वाले नौकरशाह भी शामिल हैं। कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी के निर्देशन में रेत के अवैध उत्खनन एवं परिवहन पर कार्रवाई सतत जारी है। जिले में अवैध उत्खनन, परिवहन, भण्डारण के विरूद्ध सतत कार्यवाही हेतु दिनांक 29 मई 2025 से राजस्व एवं खनिज के द्वारा संयुक्त निरीक्षण किया जा रहा है। अवैध परिवहन के प्रकरण दर्ज किए जा रहे हैं। वहीं अवैध भण्डारण एवं अवैध उत्खनन पर भी अब नजर बनी हुई है। 1 जून 2025 को ग्राम पोड़ी, तहसील-कुसमी, जिला सीधी में मेसर्स सहकार ग्लोबल लिमिटेड द्वारा सीधी जिले की सीमा अन्तर्गत लगभग 1000 घ.मी. खनिज रेत का अवैध उत्खनन पाए जाने पर एक पोकलेन मशीन को नियमानुसार जप्त कर सुरक्षार्थ थाना कुसमी परिसर में खड़ा कराया गया है व मेसर्स सहकार ग्लोबल लिमिटेड अन्धेरी वेस्ट मुम्बई के विरूद्ध अवैध उत्खनन का प्रकरण दर्ज किया गया है। वहीं बहरी थाना अंतर्गत डोल में भी मेसर्स सहकार ग्लोबल लिमिटेड की एक पोकलैन मशीन जप्त होने के साथ ही अ.फ.क्र. 249 में अवैध उत्खनन पाए जाने पर लगभग 6400 घन मीटर खनिज रेत का उत्खनन किया जाना पाया गया। जप्त मशीन को बहरी थाना में खड़ा कराया गया है और मेसर्स सहकार ग्लोबल लिमिटेड मुंबई के विरुद्ध अवैध उत्खनन का प्रकरण दर्ज किया गया है। जानकारों के अनुसार सिंगरौली जिले की रेत खदान के लिए ठेका प्राप्त सहकार ग्लोबल कम्पनी द्वारा सीधी जिले की सीमा में घुसकर अवैध उत्खनन किया जा रहा था। जबकि सीधी जिले की रेत खदान का मामला कोर्ट में लंबित होने के कारण वहां किसी भी प्रकार की खुदाई प्रतिबंधित है। इसके बावजूद कम्पनी ने सिंगरौली जिले की सीधी से लगी नदियों की सीमा क्षेत्र में रेत का अवैध उत्खनन का कारोबार लंबे समय से चोरी से किया जा रहा है। जिसकी शिकायतें लगातार हो रही थी किंतु स्थानीय नौकरशाहों की सांठ-गांठ के कारण इस पर कोई कार्यवाही नहीं हो पा रही थी। रेत के काले कारोबार का मामला सीधी कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी के संज्ञान में आने के बाद उनके द्वारा इसे काफी गंभीरता से लिया गया और संयुक्त टीम को कार्यवाही करने के लिए सख्त निर्देश दिया। जिसके बाद रेत के अवैध उत्खनन एवं परिवहन पर ताबड़तोड़ कार्यवाही का सिलसिला शुरू हुआ। वर्तमान में स्थिति यह है कि रेत परिवहन में लगे वाहनों की भी जांच शुरू हो चुकी है। इस वजह से ओव्हरलोडिंग का चल रहा खेल भी फिलहाल रुका हुआ नजर आ रहा है। जानकार सूत्रों का कहना है कि रेत के अवैध कारोबार पर कलेक्टर के निर्देश पर सख्ती के साथ कार्यवाही शुरू हुई है। इसको लगातार जारी रखा जाए। अवैध कारोबार से जुड़े लोगों की नजर है कि प्रशासनिक कार्यवाही रुके और वह फिर से मनमानी शुरू करें।

अवैध रेत की कार्यवाही पर कलेक्टर की नजर

कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी द्वारा सीधी जिले के विभिन्न क्षेत्रों में रेत के अवैध उत्खनन एवं परिवहन को काफी गंभीरता से लेने के साथ ही संयुक्त टीम के माध्यम से कार्यवाही शुरू करने के निर्देश दिए गए हैं। लिहाजा संयुक्त टीम में शामिल अधिकारी रेत के अवैध खदानों में पहुंचे और उनके द्वारा कार्यवाही की गई। कलेक्टर स्वयं अवैध रेत की कार्यवाही पर नजर रखे हुए हैं। उनके द्वारा सीधी जिले में रेत के अवैध कारोबार को पूरी तरह से खत्म करने के कड़ाई से निर्देश दिए गए हैं। इसी वजह से खंड स्तरीय अधिकारी भी रेत के अवैध कारोबार को रोंकने के लिए अब स्वयं भ्रमण करने के लिए मजबूर हुए हैं। रेत के अवैध कारोबार पर जिस तरह से ताबड़तोड़ प्रशासनिक कार्यवाही शुरू हुई है उसके कारण रेत के अवैध कारोबार से जुड़े लोगों में काफी हड़कंप मचा हुआ है। पूरी रात रेत के अवैध परिवहन में लगे वाहनों की धमाचौकड़ी फिलहाल थमी हुई नजर आ रही है।

अवैध रेत खनन पर पुलिस ने की कार्यवाही

जागरण, सीधी। पुलिस अधीक्षक सीधी डॉ. रविंद्र वर्मा के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अरविन्द श्रीवास्तव तथा एसडीओपी चुरहट आशुतोष द्विवेदी के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी अमिलिया निरीक्षक राकेश बैस के नेतृत्व में अवैध रेत परिवहन के विरुद्ध बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया गया। इस कार्रवाई में लगभग 5 लाख 5 हजार मूल्य का मशरूका जप्त कर आरोपी के विरुद्ध विधिसंगत कार्यवाही की गई है। पुलिस के अनुसार थाना अमिलिया के थाना प्रभारी निरीक्षक राकेश बैस को मुखबिर द्वारा सूचना प्राप्त हुई कि एक ट्रैक्टर ग्राम तिमसी स्थित सोन नदी घाट से अवैध रूप से रेत का उत्खनन कर परिवहन कर रहा है एवं रास्ते में छोटे-छोटे पौधों को नुकसान पहुंचा रहा है। सूचना की तस्दीक एवं आवश्यक कार्रवाई हेतु थाना प्रभारी द्वारा एक पुलिस टीम रवाना की गई। पुलिस टीम जब ग्राम तिमसी के पास पहुंची, तो सोन नदी की दिशा से ट्रैक्टर आता दिखाई दिया। पुलिस को देखकर ट्रैक्टर चालक तेजी व खतरनाक तरीके से भागने का प्रयास करने लगाए जिसे घेराबंदी कर मौके पर पकड़ा गया। पकड़े गए आरोपी का नाम राजेश उर्फलल्लू साहू पिता दशरथ साहू उम्र 34 वर्ष निवासी ग्राम पहाड़ी गेदुरहवा टोला थाना अमिलिया है। आरोपी के कब्जे से रेत लोड ट्रैक्टर मय ट्रॉली, जिसकी कुल अनुमानित कीमत लगभग 5 लाख 5 हजार है, जप्त की गई। इस मामले में भारतीय दंड संहिता बीएनएस 2023 की धारा 303(2), 317(5), 122(2), 224 बी, वन्य जीव संरक्षण अधिनियम 1972 की धारा 27, 29, 39, 41, 51, भारतीय वन अधिनियम 1927 की धारा 2, 41, 52 खान एवं खनिज विकास और विनियमन अधिनियम 1957 की धारा 4, 21, पर्यावरण संरक्षण अधिनियम 1986 की धारा 15, मोटरयान अधिनियम 1988 की धारा 184, 77/177 आरोपी के विरुद्ध उक्त धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज कर विवेचना में लिया गया है। इस संपूर्ण कार्रवाई में थाना प्रभारी निरीक्षक राकेश बैस, सहायक उपनिरीक्षक उग्रभान मिश्रा, सहायक उपनिरीक्षक सुनील पाठक, आरक्षक दीपेन्द्र कुमार एवं अभिषेक चौधरी की सराहनीय भूमिका रही।

छह माह से फरार दुष्कर्म का आरोपी गिरफ्तार

जागरण, सीधी। पुलिस अधीक्षक सीधी डॉ. रविन्द्र वर्मा के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अरविंद श्रीवास्तव तथा एसडीओपी चुरहट आशुतोष द्विवेदी के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी चुरहट उप निरीक्षक दीपक सिंह बघेल के नेतृत्व में कार्य करते हुए चुरहट पुलिस ने 6 माह से फरार चल रहे एक दुष्कर्म के आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की है। गिरफ्तार आरोपी पर 5000 का ईनाम घोषित था। पुलिस के अनुसार थाना चुरहट क्षेत्र अंतर्गत दुष्कर्म के एक गंभीर मामले में आरोपी राजेश सोंधिया पिता पप्पू सोंधिया उम्र 25 वर्ष निवासी मसुरिहा पड़खुरी थाना जमोड़ी जिला सीधी मप्र घटना दिनांक से ही फरार चल रहा था। आरोपी की गिरफ्तारी सुनिश्चित करने हेतु पुलिस अधीक्षक सीधी द्वारा 5000 के नगद ईनाम की घोषणा की गई थी। साथ ही विशेष न्यायालय जिला सीधी द्वारा आरोपी के विरुद्ध गिरफ्तारी वारंट भी जारी किया गया था। थाना चुरहट की पुलिस टीम द्वारा निरंतर प्रयास करते हुए फरार आरोपी राजेश सोंधिया को गिरफ्तार कर विशेष न्यायालय जिला सीधी के समक्ष प्रस्तुत किया गया, जहां से आरोपी को जेल भेजने का आदेश जारी किया गया। इस सफलता में थाना प्रभारी उनि दीपक सिंह बघेल, प्रधान आरक्षक धीरेन्द्र बागरी, प्रधान आरक्षक करन तिवारी, आरक्षक प्रवीण कुमार सिंह एवं महिला आरक्षक अंजू वर्मा की महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

सांसद की मौजूदगी में हनुमान चालीसा पाठ आज

जागरण, सीधी। रामपुर नैकिन जनपद क्षेत्र के हनुमानगढ़ के समीप नवनिर्मित खैरा घुंघटा सोन पुल पर माननीय सांसद डाक्टर राजेश मिश्र की मौजूदगी में कल 8 जून को सुबह 9.30 बजे से हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन किया गया है। यह कार्यक्रम प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 11 वर्ष का कार्यकाल पूरा होने के उपलक्ष्य में किया जा रहा है। कार्यक्रम के सम्बन्ध में जानकारी देते हुए सांसद डॉ. मिश्र नें बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी नें 11 वर्ष के कार्यकाल में देश के स्वाभिमान, सम्मान और चहुमुखी विकास को सर्वोच्च स्थान पर पहुंचाया है। उन्होंने कहा की 9 जून को पूरा हो रहे मोदी सरकार के 11 वर्ष के उपलक्ष्य में खैरा सोनपुल पर हनुमान चालीसा पाठ और भंडारे का आयोजन किया जा रहा है। इस दौरान विकसित भारत संकल्प व केंद्र तथा राज्य सरकार के जनहितैषी कार्यों, उपलब्धियों की आमजनो को जानकारी दी जाएगी। उन्होंने उम्मीद जताई है कि हनुमान चालीसा पाठ से सम्पूर्ण सीधी संसदीय क्षेत्र के कल्याण का मार्ग प्रसस्त होगा। सांसद नें पार्टीजनों व आमजनों से आयोजित हनुमान चालीसा पाठ व भंडारे में शामिल होने की अपील की है।

पीड़ित परिवार से मिलने पहुंचे भारतीय मजदूर संघ उपाध्यक्ष

जागरण, सीधी। जिले के पड़री गांव के निवासी राजेश द्विवेदी की कटनी में संदेहास्पद मौत को लेकर पीड़ित परिवार से मिलने गए भारतीय मजदूर संघ के जिला उपाध्यक्ष विकास नारायण तिवारी ने कहा है की सीधी कोतवाली पुलिस की कार्यवाही संदेह जनक है इस मामले की जांच कराने की मांग की है, उन्होंने कहा है कि यदि पुलिस निष्पक्ष जांच नहीं करती है तो हम गरीबों के हितों के लिए आंदोलन करेंगे इस मुद्दे को पूरे देश में उठाया जाएगा ताकि अन्याय करने वाले को कठोर सजा मिले।

विश्व पर्यावरण दिवस पर सांसद ने किया वृक्षारोपण

जागरण, सीधी। विश्व पर्यावरण दिवस पर सीधी संसदीय क्षेत्र के सांसद डॉ. राजेश मिश्र ने हनुमानगढ़ मंडल के गौरदह पंचायत में वृक्षारोपण किया। गौरदह पंचायत में सरकार द्वारा आवंटित करीब 50 एकड़ भूमि में कार्बन उत्सर्जन से पर्यावरण के बचाव के लिए वृहद वृक्षारोपण होगा। ज्ञात हो कि देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 11 वर्ष का कार्यकाल पूर्ण होने पर जगह-जगह वृक्षारोपण किये जा रहे है। इसी सिलसिले में गौरदह में वृक्षारोपण का शुभारंभ सांसद डॉ. राजेश मिश्र ने किया। इस अवसर पर डॉ. मिश्र ने कहा कि बढ़ते तापमान और पर्यावरण संतुलन के लिए वृक्षारोपण अति आवश्यक है। इसे पूरे क्षेत्र में अभियान की तरह चलाना आवश्यक है। पर्यावरण में जिस तरह से भारी मात्रा में कार्बन उत्सर्जन हो रहा हैं वह जन सामान्य के लिए घातक है। इस दौरान उन्होंने मोदी सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं की भी लोगो को जानकारी दी और वृक्षारोपण के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में भाजपा नेता प्रमोद द्विवेदी डॉ. विक्रम सिंह, मंडल अध्यक्ष हनुमानगढ़ बुद्धिसेन साह, भाजयुमो अध्यक्ष निशांत मिश्रा, मंडल अध्यक्ष रामपुर नैकिन गजेंद्र सिंह, भाजपा नेता भानु पाण्डेय, एडवोकेट आरबी सिंह, कौशलेंद्र सिंह सहित भारी संख्या में ग्रामीण जन उपस्थित रहे।

समिति की बैठक पर मप्र शिक्षक संघ ने जताया आभार

जागरण, सीधी। कलेक्टर सीधी स्वरोचित सोमवंशी द्वारा दिनांक 6 जून 2025 को संयुक्त परामर्शदात्री समिति की बैठक कलेक्टर सभागार में बुलाई गई। बैठक में मध्य प्रदेश शिक्षक संघ जिला सीधी के जिलाध्यक्ष सतीश कुमार पाण्डेय शिक्षकों की समस्या का प्रस्ताव तैयार कर बैठक में उपस्थित रहे और अपनी बातें मौखिक रूप से भी रखें। जिसमें प्रमुख रूप से समस्या जिला अंतर्गत विद्यालयों में पदस्थ नवीन शिक्षक संवर्ग एनपीएस के कठौत्रा में बहुता यत संख्या में मिसिंग है। जिसे सुधार करने हेतु प्रभावी कदम उठाया जाए। शिक्षा विभाग में कार्यरत विभिन्न संवर्ग के शिक्षकों का डीए एरियर्स एवं क्रमोन्नति एरियर्स के प्रकरण संकुल प्राचार्य एवं वीईओ कार्यालय में लंबित है, यथाशीघ्र भुगतान कराया जाए। शिक्षा विभाग के शिक्षकों की ई-सर्विस बुक का अपडेशन लगभग लंबित है। ई-सर्विस बुक अपडेशन कराए जाने हेतु प्रभावी आदेश जारी किया जाए। कलेक्टर सीधी के द्वारा पहली बार कर्मचारी हित में संयुक्त परामर्शदात्री समिति की बैठक बुलाने एवं शिक्षक संघ द्वारा प्रस्तुत समस्याओं का समाधान करने का पूर्ण आश्वासन दिए जाने पर शिक्षक संघ जिला सीधी के जिलाध्यक्ष सतीश कुमार पाण्डेय, जिला सचिव रामजी शुक्ला, जिला कोषाध्यक्ष सुरेंद्र तिवारी, जिला उपाध्यक्ष श्याम सुंदर तिवारी, विकासखंड सीधी के अध्यक्ष कुमुद पाण्डेय, विकासखंड सिहावल के अध्यक्ष राजेंद्र सिंह, विकासखंड रामपुर नैकिन के अध्यक्ष केके श्रीवास्तव, विकासखंड मझौली के अध्यक्ष नरेंद्र तिवारी, विकासखंड कुसमी के अध्यक्ष प्रवीण शुक्ला आदि शिक्षकों द्वारा आभार व्यक्त किया गया।

जामा मस्जिद मड़वास में अता की गई ईद उल अजहा की नमाज

जागरण, सीधी। जामा मस्जिद मड़वास में ईद उल अजहा की नमाज अता की गई। मुस्लिम भाई नवाज अदा करने के बाद एक दूसरे को गले लगाकर ईद उल अजहा की मुबारकबाद दी जामा मस्जिद मड़वास में ईद उल अजहा की नमाज सुबह 8.30 बजे अदा की गई। नवाज मौलाना इब्राहिम रजा साहब ने ईद उल अजहा की नमाज पढ़ाई। ईद उल अजहा की नमाज पढ़ने के लिए मड़वास जमा मस्जिद में पहुंचे कुसमी खोखरा मझिगवां खजुरिया धनौर अकला नूरी मोहल्ला महखोर के सैकड़ो की संख्या में लोग ईद की नमाज अता कर करने के लिए जामा मस्जिद में शामिल हुए।

नवीन रेलवे लाइन पर तेज रफ्तार में दौड़ी ट्रेन

रीवा से बघवार तक नियमित ट्रेन चलाने की तैयारी

डब्ल्यूडीपी 4डी इंजन के साथ 130 के रफ्तार से हुई टेस्टिंग

जागरण, सीधी

नवीन रेलवे लाइन रीवा-सिंगरौली पर नियमित रूप से रेलवे स्टेशन बघवार तक ट्रेन चलाने के लिए रेलवे द्वारा टेस्टिंग का कार्य किया जा रहा है। इसी तारतम्य में रीवा से बघवार तक बिछाई गई नवीन रेलवे ट्रैक पर आज डब्ल्यूडीपी 4डी इंजन के साथ दो डिब्बे की ट्रेन को 130 के रफ्तार से दौड़ाकर टेस्टिंग कार्य किया गया है। उधर रेलवे सूत्रों का कहना है कि अभी तक हुई टेस्टिंग से रीवा-बघवार रेलवे स्टेशन तक का रेलवे ट्रैक काफी अच्छी हालत में है। इसमें सफलतापूर्वक ट्रेन को नियमित रूप से चलाया जा सकता है। बघवार रेलवे स्टेशन के आगे रामपुर नैकिन रेलवे स्टेशन का कार्य भी अंतिम चरण में है। रेलवे ट्रैक डालने का काम भी बघवार से रामपुर नैकिन तक तीव्र गति से किया जा रहा है। जल्द ही रामपुर नैकिन रेलवे स्टेशन तक रेलवे ट्रैक डालने का काम पूरा हो जाएगा। रेलवे द्वारा यह प्रयास किया जा रहा है कि रामपुर नैकिन रेलवे स्टेशन के आगे चुरहट रेलवे स्टेशन तक रेलवे ट्रैक डालने का काम पूर्ण किया जाए। जिससे ट्रेन का ट्रायल चुरहट तक पूरा हो सके। चुरहट रेलवे स्टेशन का कार्य भी तेजी के साथ किया जा रहा है। कुछ महीने के अंदर यहां का रेलवे स्टेशन भी बनकर तैयार हो जाएगा। रेलवे द्वारा नवीन ट्रैक को डालने के लिए पूरी मुस्तैदी के साथ कार्य किया जा रहा है।

जिला मुख्यालय में तैयार हो रहा बड़ा रेलवे स्टेशन

जिला मुख्यालय सीधी के नौढ़िया में बड़ा रेलवे स्टेशन तैयार किया जा रहा है। संविदाकार द्वारा यहां रीवा की तर्ज पर रेलवे स्टेशन का निर्माण कार्य किया जा रहा है। रेलवे स्टेशन के सामने और आसपास काफी भूमि में काम किया जा रहा है। रेलवे स्टेशन में सड़कों का निर्माण कार्य भी किया जा रहा है। जिससे रेलवे स्टेशन तक आने वाले सभी वाहनों को व्यवस्थित पार्किंग के साथ ही सभी आवश्यक सुविधाएं मुहैया हो सकें। रेलवे स्टेशन एवं उसके आसपास सभी आवश्यक स्ट्रैक्चरों का निर्माण कार्य तेजी के साथ किया जा रहा है। संविदाकार को सीधी रेलवे स्टेशन का पूरा कार्य कम्प्लीट करने के लिए दिसंबर 2025 तक का समय दिया गया है। इस अवधि के अंदर ही संविदाकार द्वारा भव्य रेलवे स्टेशन का निर्माण कार्य पूर्ण कर लिया जाएगा। यहां तेजी के साथ चल रहे कार्यों का लोग भी जाकर जायजा ले रहे हैं।

पुलिस अधीक्षक कार्यालय फरियाद करने पहुंची पीड़ित महिला

विधवा महिला ने छेड़छाड़ व अश्लील हरकत कर मारपीट करने का लगाया आरोप

जागरण, सीधी। जिले के थाना रामपुर नैकिन के अन्तर्गत गत ग्राम कपुरी कोठार में अपने छोटे-छोटे बच्चों के साथ रह रही अकेली विधवा महिला के साथ विगत दिनों कुछ लोगों द्वारा अमानवीय कृत्य किया गया था। जिसकी शिकायत पुलिस चौकी पिपरांव में किये जाने के बाद भी जब पीड़िता को न्याय नहीं मिला तो वह पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचकर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक को अपनी फरियाद सुनाई और पुलिस अधीक्षक से फोन पर बात की। जिस पर पुलिस अधीक्षक ने थाना प्रभारी रामपुर नैकिन को विधवा महिला के साथ हुई घटना की विस्तार से जांच कराने और दोषियों पर कार्रवाई करने निर्देश दिए। मीडिया से चर्चा करते हुए पीड़िता बेबा अर्चना मिश्र ने बताया कि पुलिस अधीक्षक और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ने विस्तार से मेरी बातों को सुना और थाना प्रभारी रामपुर नैकिन को कार्यवाही करने के निर्देश दिए। पीड़िता ने बताया कि आरोपी रामबिहारी पाण्डेय काफी दिनों से मुझे गंदी नजर से देखता था और मुझको अश्लील गाली देता था। जबकि रामबिहारी पाण्डेय को ना तो मैं पहचानती थी और न हीं उनसे कोई वास्ता था। 17 मई को रात 8 बजे जब मैं मंदिर गई तो मुझे अश्लील गाली देने लगा। जब मैं विरोध की तो अपने साथी अनुरूद्ध मिश्र, बसंत द्विवेदी, सीताराम पाण्डेय, हनुमान प्रसाद मिश्र के साथ मिलकर मेरे साथ मारपीट की। जिसकी रिपोर्ट मेरे द्विवेदी पुलिस चौकी पिपरांव में दर्ज कराई पर पुलिस ने सभी आरोपियों पर कार्रवाई नहीं की।

RUKMINI RISING STAR HIGH SCHOOL SIDHI

Admission open for session 2025-26 NUR. TO 10TH

Sr.	Subject	No of vacancy
1.	Math	01
2.	Social science	01
3.	English	01
4.	Computer	01
5.	Sanskrit	01

Address:- Infront of Ramagovind palace Collage Stadium Road North Karaundiya sidhi

Mob. No.- 7024967935, 6264798158, 7898612068

नाम सुधार सूचना

मैं पुरुषोत्तम गुप्ता पिता श्री रामस्वरूप गुप्ता निवासी सरदार भगत सिंह वार्ड नं. 09 मकान नं. 06 गोपालदास रोड गोपाल दास मंदिर के सामने, दक्षिणी करौंदिया, पोस्ट-सीधी, तहसील-गोपद बनास, करौंदिया टोला सीधी, जिला-सीधी, मध्य प्रदेश। यह कि मेरा पुत्र अथर्व गुप्ता शिक्षा सत्र वर्ष 2023-24 में कक्षा 10 वीं की परीक्षा मारिशन पब्लिक हाईस्कूल सीधी से उत्तीर्ण किया है। यह कि मेरे एवं मेरे पुत्र अथर्व गुप्ता के अन्य समस्त दस्तावेज में मेरा सही नाम पुरुषोत्तम गुप्ता दर्ज है। लेकिन मेरे पुत्र अथर्व गुप्ता के कक्षा 10वीं की अंकसूची में मेरा नाम पी.के. गुप्ता कर दिया गया है। यह कि मेरे पुत्र अथर्व गुप्ता के कक्षा 10 वीं की अंकसूची रोल नंबर 19204318 में मेरा नाम पी.के. गुप्ता हटाकर मेरा सही नाम पुरुषोत्तम गुप्ता अंकित किया जाये।

पुरुषोत्तम गुप्ता पिता श्री रामस्वरूप गुप्ता, निवासी सरदार भगत सिंह, वार्ड नं.09 मकान नं.06 गोपालदास रोड गोपाल दास मंदिर के सामने, दक्षिणी करौंदिया, पोस्ट-सीधी, तहसील-गोपद बनास, करौंदिया टोला सीधी, जिला-सीधी, (म.प्र.)

RAISBEAN CITY HIGH SCHOOL PADRA

Medium:- Hindi/English

TEACHERS REQUIRED

Sr.	Subject	Qualification	vacant seat
1.	Mathematics	M.Sc., B.Ed.	2 POST
2.	English	M.A., B.Ed.	2 POST
3.	Social science	M.A., B.Ed.	1 POST
4.	Science	M.Sc., B.Ed.	2 POST
5.	Physical Education	BPED with sound English	1 POST
6.	Music and Dance teacher	___	1 POST
7.	Computer Teacher	CPCT & PGDCA	1 POST

Walk in interview - 15/06/2025, Time 11am to 1 pm

Add- Nh. 39 Rewa Singrauli By Pass Road padra Sidhi (M.P.)
E-mail:- rchspadra@gmail.com
Contact No.:- 9752847634, 6267295254, 6261514926

ADMISSION OPEN 2025-26

Our Special Features
* Trained and Qualified staff.
* Big play Ground.
* Computer Lab.
* Music art and yoga, Dance Class
* Big Library.
* Full Emphasis on Spoken Class
* Teaching through digital smart board Audio vedio and play way method of teaching.
* Well Maintained and safe Transport Facility.

Fully secured and CCTV Sureillance campus

दुर्गा कॉलोनी में घर के भीतर घुसता है नाली का गंदा पानी

नाली का लेवल नीचा होने के कारण आगे नहीं जा पा रहा गंदा पानी

जागरण, रीवा। नगर निगम के वार्ड पांच अंतर्गत पड़रा मोहल्ले के दुर्गा कॉलोनी में सड़क के किनारे बनी नाली का लेवल नीचा होने के कारण उसमे बहने वाला गंदा पानी आगे जाने के बजाय घरों के भीतर घुसने लगा है। घरो में गंदा पानी घुसने के कारण शौचालय चोक हो रहे हैं। इससे भीषण गंदगी फैल रही है। श्री पेट्रोल पंप के पीछे दुर्गा कॉलोनी में रहने वाले राममिलन पाण्डेय ने इस समस्या की शिकायत निगमायुक्त से की है। निगमायुक्त इसके निदान के लिए अधिकारियों को निर्देशित भी किया है लेकिन अभी तक इस समस्या का समाधान नहीं किया जा सका। दरअसल यहां पर जो नाली बनी है वह आगे जाकर पुराना नेशनल हाईवे सड़क पर मिलती है और सड़क ऊंचाई पर होने के कारण गंदा पानी आगे नहीं जा पाता है। अगर यहां पर नाली का लेवल ऊंचा कर दिया जाय तो नाली का पानी आगे जाने लगेगा।

सेवा व सुशासन का अमृतकाल है, सब खुशी मना रहे हैं

मोदी सरकार के 11 वर्ष पूर्ण होने पर भाजपा ने की कार्यशाला

रीवा। भाजपा कार्यलय अटल कुंज में भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 11 साल के सफल शासनकाल की सफलता को लेकर जिला स्तरीय कार्यशाला सम्पन्न हुई। कार्यशाला में मुख्य अतिथि सांसद जनार्दन मिश्रा ने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के 11 साल के सफल नेतृत्व में अमृतकाल के रूप में खुशी मना रहे हैं। प्रधानमंत्री जी ने गरीबों के लिए आवास योजना, महिलाओं के उज्ज्वला योजना, आयुष्मान योजना लोगों को दी, जनधन योजना के माध्यम से हमारे भारत के लाखों करोड़ों रु.भ्रष्टाचार से बच जाता है। जिसका लाभ भारत के गरीब जनता को मिलता है, किसान सुखी सम्पन्न है। भारत हर प्रकार से मोदी जी के नेतृत्व में विकास कर रहा है और आने वाले समय 2047 तक में भारत मजबूत, सशक्त और सम्पन्न होगा। कार्यशाला की अध्यक्षता कर रहे सफल नेतृत्वकर्ता व मार्गदर्शक जिलाध्यक्ष वीरेन्द्र गुप्ता ने कहा कि आज भारत एक सफल और समृद्धशाली देश के प्रधानमंत्री मोदी जी के शासनकाल में बन चुका है।

हम मजबूत व सशक्त हैं, जिसका श्रेय मोदी जी को जाता है। साथ ही विश्व के सबसे बड़ी पार्टी भारतीय जनता पार्टी के सफल नेतृत्व को जाता है, जिसमें छोटे से लेकर बड़े कार्यकर्ता दिनरात मेहनत करके कार्य करता है। जिलाध्यक्ष वीरेन्द्र गुप्ता ने अगामी दिनों में होने वाले कार्यक्रमों की विस्तृत जानकारी कार्यकर्ताओं व पदाधिकारियों को दी। कार्यशाला में विशिष्ट अतिथि जिला प्रभारी शशांक श्रीवास्तव ने सुशासन साल की सफलता को लेकर अगामी जून में होने वाले कार्यक्रम की जानकारी पदाधिकारी, कार्यकर्ताओं को दी। इस अवसर पर मंच में मनगवां विधायक नरेन्द्र प्रजापति, पूर्व जिलाध्यक्ष डॉ. अजय सिंह, डॉ. अनिल पटेल प्रदेश सह मीडिया प्रभारी, जिला उपाध्यक्ष, उमाशंकर पटेल, नारायण मिश्रा, विवेक गौतम रहे। कार्यक्रम का संचालन जिला महामंत्री ममता गुप्ता ने तथा आभार प्रदर्शन कार्यक्रम संयोजक नरेन्द्र शर्मा द्वारा किया गया। कार्यशाला में उपस्थित पूर्व विधायक पंचूलाल प्रजापति, श्यामलाल द्विवेदी, राम सिंह, राजेन्द्र ताम्रकार, रावेन्द्र मिश्रा, महाबली गौतम, रमेश गर्ग, पूर्व विविप्रा उपाध्यक्ष विमलेश मिश्रा, गौरव तिवारी, जिला महामंत्री अशोक सिंह गहरवार, रामजी प्रजापति, जिला उपाध्यक्ष संजय द्विवेदी, कुंवर पुष्पेन्द्र सिंह, जिला मंत्री शरद साहू, सुनील सोहगौरा, नीलू रावत, रीतेश मिश्रा, मंडल, संजय मिश्रा, पार्टी के सभी मंडल अध्यक्ष, विभिन्न कार्यक्रम के जिला टोली व मंडल टोली के संयोजक सदस्य सहित सैकड़ो कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

व्यंकट भवन आने वालों को ऐतिहासिक जानकारियों से रहना पड़ता है महरूम

प्रभारी व लेखापाल दोनों कर रहे जबलपुर में निवास, यदाकदा आते हैं यहां

जागरण, रीवा। वेंकट भवन में पुरातत्व कार्यालय संचालित किया जा रहा है, पुरातत्व के प्रभारी केएल डाभी जबलपुर में रहते हैं, वहीं यहां पदस्थ लेखापाल भी जबलपुर में ही निवास करते हैं। जिससे पुरातत्व विभाग आने वाले लोगों को संपूर्ण जानकारियां उपलब्ध नहीं हो पाती। यहां पदस्थ कर्मचारी जितनी उन्हें पता है जानकारी प्रदान कर देते हैं। कुछ जानकारियां यहां लगे बोर्ड में अंकित है जिससे लोगों को उनका लाभ मिल जाता है। जिन प्राचीन धरोहरों की जानकारी की फाइल बनी है, यहां के कर्मचारी बताते हैं कि वह साहब के पास है।

काम पड़ता है तो आते हैं

शासन के नियमानुसार जो अधिकारी जहां पदस्थ है उसे मुख्यालय में निवास करना अनिवार्य है। बताते हैं जब से केएल डाभी को पुरातत्व कार्यालय का प्रभार सौंपा गया है, वह जबलपुर में बैठे ही रीवा का दायित्व भी निभा रहे हैं। उनके साथ ही लेखापाल भी बहती गंगा में हाथ धोकर जबलपुर से ही यदाकदा यहां आते हैं। कर्मचारियों ने बताया कि काम पड़ता है तो अधिकारी, लेखापाल आते हैं। बाकी समय यहां जो कर्मचारी पदस्थ हैं अपनी ड्यूटी पर आ रहे हैं।

MASTER OF APPLIED EPIDEMIOLOGY (MAE)
[INDIA EPIDEMIC INTELLIGENCE SERVICE (EIS) PROGRAMME]

National Centre for Disease Control, Delhi
and
H.N.B. Medical Education University, Uttarakhand
in Collaboration with
US Centers for Disease Control and Prevention, Atlanta

INVITING APPLICATIONS

The India EIS programme is a competency-based two-year field epidemiology training. The programme is modeled after the EIS programme of the US Centers for Disease Control and Prevention (CDC). The EIS Programme leads to a Master's in Applied Epidemiology (MAE) degree from H.N.B. Medical Education University, Uttarakhand.

Eligibility Criteria

1. MD (Public Health/Preventive and Social Medicine/Community Medicine) **OR**
   MD/MS (Clinical or Para-Clinical) **OR**
   MBBS with Postgraduate Diploma in Clinical, Para-clinical, or Public Health from any recognized institution with 3 years of public health experience/working in National or State Health Programs **OR**
   BDS/BVSc with Master in Public Health (MPH) from any recognized institution with 3 years of public health experience/working in National or State Health Programs **OR**
   MBBS from any recognized institution with minimum 5 (five) years work experience in public health experience/working in National or State Health Programs.
2. Age: Not exceeding 45 years as of the last date of application

State-sponsored candidates

Government sponsored candidates should be regular employee working in central or state government/autonomous bodies/medical colleges/PSUs and nominated by the state/organization.

Self-sponsored candidates

Self-sponsored candidates do not require nominations. They can apply directly if fulfilling the eligibility criteria.

For more information and prescribed application form, please visit https://ncdc.mohfw.gov.in/
Last Date for receiving applications – 31st July 2025

NATIONAL CENTRE FOR DISEASE CONTROL
(DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES)\
MINISTRY OF HEALTH & FAMILY WELFARE, GOVT. OF INDIA
22-Shamnath Marg, Delhi- 110054. Tel: 011-23990213

cbc17129/11/0006/2526

भगवान बिरसामुण्डा शहीद दिवस की 126वीं स्मृति में आयोजन 9 जून को

जागरण, रीवा। मप्र युवा कोल आदिवासी समाज सेवा संघ ब्योहारी विधानसभा क्षेत्र में भगवान बिरसामुण्डा शहीद दिवस की 126 वीं पुण्य स्मृति में कोल समाज द्वारा ब्योहारी कोल महाकुंभ (कोल समाज सम्मेलन) का आयोजन आगामी 9 जून को विधायक शरद जुगलाल कोल के नेतृत्व में प्रदेश स्तरीय कार्यक्रम किया जा रहा है। जिसके मुख्य अतिथि मुख्यमंत्री मप्र शासन डॉ. मोहन यादव होंगे। जिलाध्यक्ष जितेश कुमार रावत ने बताया कि उक्त स्मृति को चिरस्थाई रखने बिरसामुण्डा के वंशज कोल आदिवासियों द्वारा समाज की समस्याओं के निराकरण एवं कोल समाज को मुख्य धारा में लाने 10 सूत्रीय मांगों को पूर्ण करने मुख्यमंत्री से निवेदन करेंगे।

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी
तहसील-रायपुर कर्चुलियान जिला रीवा (म0प्र0)
क्रमांक / प्रवाचक अनु. अधि./2025

आपीलार्थी – द्वारिका प्रसाद पटेल तनय श्यामसुन्दर पटेल व अन्य निवासी ग्राम बुड़वा तहसील रायपुर कर्चुलियान जिला रीवा म. प्र. ग्राम बुड़वा पटवारी हल्का बुडवा की आराजी के बटवारा के सम्बंध में अपील प्रस्तुत की गई है। अपीलाधीन आराजी के सरहद्दी कृषक निवासी ग्राम बुड़वा तहसील रायपुर कर्चुलियान से बाहर रहते है जिससे नोटिस की तामीली समक्ष में नहीं की जा सकी जिससे सर्व सम्बन्धितों व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि अपीलार्थी – द्वारिका प्रसाद पटेल पिता श्यामसुन्दर पटेल व अन्य निवासी ग्राम बुड़वा तहसील रायपुर कर्चुलियान जिला रीवा म. प्र. द्वारा ग्राम बुड़वा पटवारी हल्का बुडवा ग्राम बरेही तहसील रायपुर कर्चु. की अपीलाधीन आराजी के बंटवारा नामान्तरण के विरूद्ध अपील की गई है जिस किसी भी सरहद्दी पक्षकार अथवा व्यक्ति अपना पक्ष समर्थन रखना चाहते है तो वह न्यायालय में पेशी दिनांक 09.06.2025 को समय 11:30 बजे सुबह स्वतः अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से न्यायालय में उपस्थित होकर प्रकरण में अपना जवाब / आपत्ति पेश कर सकते है। उक्त पेशी दिनांक को किसी कारण वश अवकाश हो तो अगले कार्य दिवस में न्यायालय में उपस्थित होकर अपना जवाब/ आपत्ति पेश करें। उक्त पेशी दिनांक के पश्चात आपत्ति / जवाब आने पर किसी प्रकार से विचार नहीं जावेगा।

अनुविभागीय अधिकारी
तह. रायपुर कर्चुलियान
जिला रीवा (म.प्र.)

RN- 82625

कार्यालय नगर परिषद नईगढ़ी जिला– मऊगंज (म.प्र.)

cmonahigari@mpurban.gov.in

क्र./929/निविदा आमं./न.प./2025 — दिनांक 05.06.2025

निविदा आमंत्रण सूचना

म.प्र. शासन लोक निर्माण विभाग में नवीन केन्द्रीयकृत पंजीयन प्रणाली के अन्तर्गत अथवा केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग में सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से फार्म 'ए' में ई–टेण्डरिंग के माध्यम से तालिका में वर्णित कार्य की ऑन लाईन निविदाएं नगरीय प्रशासन एवं विकास की प्रभावशील दरों के आधार पर आमंत्रित की जाती है।

क्र.	टेण्डर सिस्टम नंबर	कार्य का नाम एवं विवरण	प्राक्कलन राशि	अमानत राशि	कोरे निविदा फार्म की कीमत	निविदा का क्रम	कार्य संपादन की अवधि	न.प्र.वि.की प्रभावशील दर (SOR)
1.	2	3	4	5	6	7	8	9
1.	2025_UAD_429183_1	वार्ड क्र.05 में रामसिया पटेल के घर से गढ़ रोड तक डब्ल्यू. बी.एम. रोड निर्माण कार्य।	5,21,727.00	5220.00	2000.00	प्रथम	2 माह	02/08/2021
2.	2025_UAD_429169_1	वार्ड क्र. 09 एवं 10 में रामबहादुर सेन के घर से गढी तक कवर. आर.सी.सी. नाली निर्माण कार्य।	11,09,715.00	8325.00	2000.00	प्रथम	2 माह	02/08/2021

उक्त कार्यो में से क्र.1 के निविदा प्रपत्र दिनाँक 06/06/2025 को 10:30AM से क्रय कर दिनाँक 21/06/2025 को सायं 5:30PM तक बिड प्रस्तुत कर सकेंगे। प्राप्त बिडें दिनाँक 23/06/2025 को खोली जावेगी। एवं क्र. 2 के निविदा प्रपत्र दिनाँक 06/06/2025 को 10:30AM से क्रय कर दिनाँक 07/07/2025 को सायं 5:30PM तक बिड प्रस्तुत कर सकेंगे। प्राप्त बिडें दिनाँक 09/07/2025 को खोली जावेगी। वेबसाईड पर आनलाईन भुगतान कर निविदा प्रपत्र क्रय किये जा सकेंगे। विस्तृत निविदा सूचना तथा अन्य जानकारी वेबसाईड http://mptenders.gov.in पर देखी जा सकती है।

शर्ते :–

1– Rcc कार्य का भुगतान शासकीय इंजीनियरिंग कालेज से क्रासिंग स्ट्रेंथ रिपोर्ट प्राप्त होनें के बाद ही किया जावेगा। रिपोर्ट में यह लेख होना आवश्यक होगा कि कांक्रीट ढलाई के 28 दिवस उपरांत मेरे द्वारा (इंजीनियरिंग कालेज द्वारा) स्वयं स्थल के निर्माण से कांक्रीट का नमूना प्राप्त किया गया है। उवत आशय का शासकीय इंजीनियरिंग कालेज / अथोराईज परीक्षण संस्थान से प्रमाण पत्र प्राप्त किया जाना आवश्यक होगा । लोहा (छड) बधाई कार्य का साफ–साफ फोटो, कांक्रीट ढलाई के पूर्व प्राप्त कर देयक के साथ संलग्न करना होगा। संपूर्ण परीक्षणों का व्यय कार्य में सम्मिलित रहेगा। परीक्षणों के लिए किसी भी प्रकार का देयक अलग से संविदाकार को देय नहीं होगा।

2– कार्य हेतु स्ट्रक्चरल डिजाईन / क्यूब टेस्ट परीक्षण/ मटेरियल टेस्ट संविदाकार को स्वयं शासकीय इंजीनियरिंग कालेज / अथोराईज संस्थान से कराना होगा, जिसका अतिरिक्त देयक संविदाकार को देय नही होगा। कार्य की गुणवत्ता की सम्पूर्ण जिम्मेदारी संविदाकार की होगी।

3– निर्माण के दौरान एम.ओ.एस.टी. स्पेशीफिकेशन, आई.आर.सी. स्पेशीफिकेशन एवं यू.ए.डी.डी. स्पेशीफिकेशन का पालन सुनिश्चित किया जावे। निर्माण कार्य के दौरान निर्माण कार्यो में प्रयुक्त निर्माण सामग्री/कांक्रीट आदि का प्रयोगशाला परीक्षण निर्धारित आवृत्ति अनुसार कराया जावे।

4– निकाय निधि में राशि होनें पर ही संविदाकार को किये गये कार्य का भुगतान किया जावेगा। जिसमें अन्तिम निर्णय मुख्य नगर पालिका अधिकारी का मान्य होगा।

अध्यक्ष
नगर परिषद् नईगढी
जिला–मऊगंज (म.प्र.)

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर परिषद मऊगंज
जिला–मऊगंज (म.प्र.)

सूचना

जागरण पब्लिकेशन प्रा. लि. किसी तृतीय पार्टी के उत्पादकों वस्तुओं या सेवाओं का समर्थन नहीं करती है और न ही किसी तृतीय पार्टी के विज्ञापनों में छपी किसी जानकारी की सच्चाई या विश्वसनीयता की पुष्टि करती है। जागरण पब्लिकेशन प्रा. लि. पाठकों को प्रेरित करती है कि वे ऐसे किसी भी विज्ञापनदाता के साथ कोई भी लेन-देन करने की कार्रवाई से पहले उचित व जरुरी समझे जाने वाली जांच पड़ताल कर लेवे।

आवश्यकता है

ग्लेसिया मिनरल वाटर में ड्राइवर 01 पद, पानी के जार को गाड़ी में लाने ले जाने के लिये लड़के 3 पद। वेतन योग्यतानुसार। मो. 8989502047 9340380448
RN. 82623/9/6

लोन

लोन फाईनेंस सर्विस रीवा संभाग में विशेष लोन व्यवस्था मुद्रा लोन, आधार कार्ड, मार्कशीट, पर्सनल, कृषि लोन और सभी प्रकार के लोन 2% ब्याज 50% छूट (एजेंट आमंत्रित) संपर्क – 8962086944

जायसवाल परिवार के घर पहुंचे कांग्रेस नेता

संवेदना व्यक्त कर, सीएम से की कार्यवाही की मांग

रीवा। गुणवत्ता विहीन सोहागी हाईवे में जायसवाल परिवार के 7 लोगों की हुई हृदय बिदारक मौत पर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पूर्व विधायक राजेंद्र मिश्रा, प्रदेश कांग्रेस महासचिव गुरमीत सिंह मंगू, त्योंथर विधानसभा के वरिष्ठ नेता रमाशंकर सिंह, नईगढ़ी ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष अखिलेश पटेल ने गहरा दुःख व्यक्त कर पीड़ित परिवार के गृह स्थान ग्राम भमरा थाना शाहपुर पहुंचे और अपनी संवेदना जताते उक्त हादसे में मौत से जीवन की लड़ाई लड़ रहे गंभीर रूप से घायल 3 लोगों की जान बचाने रीवा से बाहर नागपुर या दिल्ली में सुविधायुक्त हॉस्पिटल में कुशल डाक्टरों से बेहतर उपचार कराने के साथ ही घटिया व गुणवत्ताविहीन सड़क निर्माण करने वाली कंपनी व सोहागी टोल प्लाजा कंपनी के विरुद्ध कठोर कार्यवाही की मांग प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव से की है। उक्त हादसे की स्थिति जानने के बाद पूर्व विधायक श्री मिश्रा ने कहा कि शासन व प्रशासन की जवाबदेही बनती है कि वो घायलों का सही उपचार कराए और पीड़ित परिवार को मृतकों के सही ढंग से कर्मकांड करने आर्थिक सहायता देकर अपने मानवीयता का परिचय दे। वहीं कांग्रेस प्रदेश महासचिव गुरमीत सिंह मंगू ने उक्त सड़क हादसे को घटिया सड़क निर्माण व भाजपा नेताओं के टोल प्लाजा से कमीशन वसूली करने का परिणाम बताया। कांग्रेस नेता रमाशंकर सिंह ने 15 दिनों के अंदर उक्त घटिया सड़क को बनवाने की सरकार से मांग कर लोगों की हो रही अकाल मौत को बचाने आग्रह कर सरकार से पीड़ित गरीब जायसवाल परिवार को पर्याप्त आर्थिक सहायता राशि शीघ्र उपलब्ध कराने मांग की है।

कार्यालय अधीक्षक जिला जेल बैढ़न (सिंगरौली) म0प्र0

वार्षिक ई-निविदा सूचना आमंत्रण बर्ष 2025-26 पंचम आमंत्रण

जिला जेल बैढ़न (सिंगरौली) में परिरुद्ध बंदियों के उपयोंग हेतु 2025-26 के लिये खाद्यान, सब्जी, स्वच्छता एवं विद्युत सामग्री, तथा दूध दही, क्रय करने हेतु वार्षिक ई-निविदा बेबसाइट https://www.mptenders.gov.in पर दिनांक 23/06/2025 को सायं 05.00 तक आमंत्रित की जाती है। इच्छुक व्यापारीगण ई-निविदा फार्म एवं ई-निविदा से संबंधित संपूर्ण जानकारी वेबसाईट https://www.mptenders.gov.in से प्राप्त करें। निविदा की निर्धारित तिथियाँ निम्नानुसार है:-

क्र.	विवरण	दिनांक/समय	स्थान
01	प्रि-बिड मीटिंग	16/06/2025 प्रातः 11-00 बजे	जिला जेल बैढ़न सिंगरौली (म.प्र.)
02	ई-निविदा फार्म क्रय करने की अंतिम तिथि (निविदा फार्म का मूल्य रूपये 05.00 लाख तक रूपये 500.00 एवं रूपये 05.00 लाख से अधिक रू.1000.00 लेखा शीर्ष 0056 जेलें 008 अन्य प्राप्तियों में जमा की जावेगी)	23/06/2025 प्रातः 05.00 बजे तक	https://www.mptenders.gov.in पर प्राप्त की जा सकती है।
03	ई-निविदा प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि	23/06/2025 सायं 05.00 बजे तक	https://www.mptenders.gov.in पर प्राप्त की जा सकती है।
04	सेम्पल जमा करने की अंतिम तिथि	24/06/2025 सायं 05.00 बजे तक	जिला जेल बैढ़न सिंगरौली (म.प्र.)
05	तकनीकी निविदा एवं आवश्यक दस्तावेज खोलने की अंतिम तिथि	25/06/2025 प्रातः 11.00 बजे	जिला जेल बैढ़न सिंगरौली (म.प्र.)
06	वित्तीय ई-निविदा खोलने की तिथि	27/06/2025 प्रातः 11.00 बजे तक	https://www.mptenders.gov.in पर प्राप्त की जा सकती है।

नोटः-

01-संबंधित व्यापारियों को सूचित किया जाता है कि ई-निविदा के नियम एवं शर्तो का पालन करना अनिवार्य है तथा निविदा की समस्त जानकारी वेबसाइट पर https://www.mptenders.gov.in पर प्राप्त की जा सकेगी है।

02-व्यापारियों को सूचित किया जाता है कि डिब्बा बंद/पैक सामग्रियों का मेक मॉडल/ब्राण्ड नेम का विवरण देना अनिवार्य है।

जी–13986 / 25

जेल अधीक्षक
जिला जेल बैढ़न (सिंगरौली) म.प्र.

कार्यालय कार्यपालन यंत्री लोक निर्माण विभाग (भ/स) संभाग सिगरौली (म.प्र.)
निविदा आमत्रण ई–टेन्डरिंग
म.प्र.शासन

निविदा सूचना क्रमांक 07/ई–टेन्डरिंग/2025–26 — सिंगरौली, दिनांक 02.06.2025

निम्नलिखित कार्यो की निविदा ऑनलाईन के माध्यम से पंजीकृत संविदाकारों एवं कम्पनियों पूर्ण पंजीकरण मापदण्ड से आमंत्रित किये जाते है।

स.क्र	जिला	ऑनलाईन टेंडर क्रमांक	निविदा आमंत्रण का काल	कार्य का नाम	पी.ए.सी. (लाख में)	अमानत राशि	निविदा प्रपत्र का मूल्य	कार्य पूर्ण करने का समय	भौतिक रूप से एनवलप प्रस्तुत करने का कार्यालय (मूल एफ.डी.आर. एवं अन्य दस्तावेज)
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
1	सिगरौली	2025_PWDRB_428102	प्रथम आमंत्रण	तहसील कैम्पस बैढ़न के बगल में फ्लोवर गार्डन एवं पार्क का निर्माण कार्य।	8.46	16920	2000	03 माह	भौतिक रूप से एनवलप इस कार्यालय में स्वीकार नही किये जावेंगें, केवल ऑनलाईन ही मान्य होंगे।
2	सिगरौली	2025_PWDRB_428105	प्रथम आमंत्रण	विशेष मरम्मत के अंतर्गत उपसंभाग बैढ़न अंतर्गत शासकीय आवास गृह कमांक RB 54 A+B का मरम्मत कार्य।	4.24	8480	2000	03 माह	भौतिक रूप से एनवलप इस कार्यालय में स्वीकार नही किये जावेंगें, केवल ऑनलाईन ही मान्य होंगे।
3	सिगरौली	2025_PWDRB_428106	प्रथम आमंत्रण	विशेष मरम्मत के अंतर्गत उपसंभाग बैढ़न सेक्शन की बाउन्ड्रीवाल का मरम्मत कार्य।	4.21	8420	2000	03 माह	भौतिक रूप से एनवलप इस कार्यालय में स्वीकार नही किये जावेंगें, केवल ऑनलाईन ही मान्य होंगे।
4	सिगरौली	2025_PWDRB_428107	प्रथम आमंत्रण	विशेष मरम्मत के अंतर्गत उपसंभाग बैढ़न संभागीय सेक्शन (Store) का मरम्मत कार्य।	4.12	8240	2000	03 माह	भौतिक रूप से एनवलप इस कार्यालय में स्वीकार नही किये जावेंगें, केवल ऑनलाईन ही मान्य होंगे।
5	सिगरौली	2025_PWDRB_428108	प्रथम आमंत्रण	विशेष मरम्मत के अंतर्गत उपसंभाग देवसर अंतर्गत शासकीय आवास गृह कमांक R 98 (A) एवं R 98 (B) का मरम्मत कार्य।	4.19	8380	2000	03 माह	भौतिक रूप से एनवलप इस कार्यालय में स्वीकार नही किये जावेंगें, केवल ऑनलाईन ही मान्य होंगे।
6	सिगरौली	2025_PWDRB_428109	प्रथम आमंत्रण	विशेष मरम्मत के अंतर्गत सिविल कोर्ट देवसर का मरम्मत कार्य।	3.19	6380	2000	03 माह	भौतिक रूप से एनवलप इस कार्यालय में स्वीकार नही किये जावेंगें, केवल ऑनलाईन ही मान्य होंगे।
7	सिगरौली	2025_PWDRB_428111	प्रथम आमंत्रण	उपसंभाग देवसर अंतर्गत गड़वानी से डाला पहुंच मार्ग लंबाई 2.20 कि.मी. का निर्माण कार्य।	106.66	106660	12500	06 माह	भौतिक रूप से एनवलप इस कार्यालय में स्वीकार नही किये जावेंगें, केवल ऑनलाईन ही मान्य होंगे। निविदा मुख्य अभियंता कार्यालय रीवा में खोली जावेगी।
8	सिगरौली	2025_PWDRB_428113	प्रथम आमंत्रण	उपसंभाग देवसर अंतर्गत मजौना से कोहराखोह पहुंच मार्ग लं. 1.60 कि.मी. का निर्माण कार्य।	118.36	118360	12500	06 माह	भौतिक रूप से एनवलप इस कार्यालय में स्वीकार नही किये जावेंगें, केवल ऑनलाईन ही मान्य होंगे। निविदा मुख्य अभियंता कार्यालय रीवा में खोली जावेगी।
9	सिगरौली	2025_PWDRB_428116	प्रथम आमंत्रण	उपसंभाग देवसर अंतर्गत गोपद नदी से करदा पहुंच मार्ग लंबाई 3.25 कि.मी. का निर्माण कार्य।	219.83	219830	15000	06 माह	भौतिक रूप से एनवलप इस कार्यालय में स्वीकार नही किये जावेंगें, केवल ऑनलाईन ही मान्य होंगे। निविदा मुख्य अभियंता कार्यालय रीवा में खोली जावेगी।
10	सिगरौली	2025_PWDRB_428118	प्रथम आमंत्रण	उपसंभाग देवसर अंतर्गत कोल्हुआ से तिनगुड़ी पहुंच मार्ग लंबाई 3.00 कि.मी. का निर्माण कार्य।	216.13	216130	15000	06 माह	भौतिक रूप से एनवलप इस कार्यालय में स्वीकार नही किये जावेंगें, केवल ऑनलाईन ही मान्य होंगे। निविदा मुख्य अभियंता कार्यालय रीवा में खोली जावेगी।
11	सिगरौली	2025_PWDRB_428120_	द्वितीय आमंत्रण	विशेष मरम्मत के अंतर्गत उपसंभाग देवसर अंतर्गत स्थित शासकीय आवास गृह कमांक R/90 (A), (B), (C), (D), (E) का मरम्मत कार्य।	4.23	8460	2000	03 माह	भौतिक रूप से एनवलप इस कार्यालय में स्वीकार नही किये जावेंगें, केवल ऑनलाईन ही मान्य होंगे।
12	सिगरौली	2025_PWDRB_428121	द्वितीय आमंत्रण	विशेष मरम्मत के अंतर्गत उपसंभाग देवसर अंतर्गत स्थित शासकीय आवास गृह कमांक R/97 का मरम्मत कार्य।	4.03	8060	2000	03 माह	भौतिक रूप से एनवलप इस कार्यालय में स्वीकार नही किये जावेंगें, केवल ऑनलाईन ही मान्य होंगे।
13	सिगरौली	2025_PWDRB_428122	द्वितीय आमंत्रण	उपसंभाग देवसर अंतर्गत मुख्यालय देवसर के गैर–आवासीय भवनों का मरम्मत कार्य।	5.73	11460	2000	03 माह	भौतिक रूप से एनवलप इस कार्यालय में स्वीकार नही किये जावेंगें, केवल ऑनलाईन ही मान्य होंगे।
				योग–	703.38				

1. ऑनलाईन पोर्टल https:mpetenders.gov.in/nicgep/app के माध्यम से निविदा प्रपत्र क्रय करने तथा ऑनलाईन बिड सबमिशन की प्रारम्भिक तिथि दिनांक 10.06.2025 से अंतिम तिथि दिनांक 25.06.2025 सांय 17:30 तक निर्धारित है। निविदा दिनांक 27.06.2025 को खोली जावेगी।
2. निविदा संबंधी दस्तावेज केवल आनलाईन ही मान्य किये जायेंगे।
3. निविदा से संबंधित संशोधित समय परिवर्तन आदि की सूचना केवल वेबसाईट के माध्यम से दी जावेगी।
4. विस्तृत निविदा आंमत्रण सूचना व अन्य जानकारियॉ उपरोक्त बेबसाईट पर देखा जा सकता है।

कार्यपालन यंत्री
लोक निर्माण विभाग
संभाग सिंगरौली (म0प्र0)

G- 14030/25

50 बेड का सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र तैयार, जल्द शुरू होगी सेवा

11.38 करोड़ की लागत से बना अस्पताल, 100 बेड में अपग्रेडेशन का प्रस्ताव

जागरण, नौगांव । नौगांव में 30 बेड के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र को अपग्रेड कर 50 बेड का सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बनाया गया है, जो एक-दो महीने में टीबी अस्पताल कैंपस में शुरू हो जाएगा। यह सुविधा नौगांव की एक लाख से अधिक आबादी और आसपास के 100 गांवों, साथ ही उत्तर प्रदेश और टीकमगढ़ के कुछ गांवों के लिए वरदान साबित होगी। 11.38 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित इस अस्पताल में 8 करोड़ रुपये की लागत से फर्नीचर और उपकरण जल्द उपलब्ध होंगे। इसमें एक दर्जन से अधिक डॉक्टर, जिसमें सर्जन, गायनी, एनेस्थीसिया, पीडियाट्रिक्स और नेत्र रोग विशेषज्ञ शामिल होंगे, सेवाएं देंगे। मॉडुलर ऑपरेशन थिएटर, ब्लड बैंक और सभी प्रकार की जांच की सुविधा होगी। दो ऑपरेशन थिएटर (एक सामान्य और एक सिजेरियन के लिए) तैयार किए गए हैं। पहले मरीजों को छतरपुर या झांसी रेफर करना पड़ता था, लेकिन अब स्थानीय स्तर पर इलाज संभव होगा। मध्य प्रदेश शासन ने 9 अप्रैल 2025 को इस अस्पताल को 50 बेड से बढ़ाकर 100 बेड करने का प्रस्ताव मांगा है, जिसका प्रपोजल भेजा जा चुका है। बीएमओ डॉ. रविंद्र पटेल ने बताया कि भवन निर्माण पूरा हो चुका है, और हैंडओवर प्रक्रिया अंतिम चरण में है। उपकरण और फर्नीचर की डिमांड भोपाल भेजी गई है, जो जल्द मिलने पर अस्पताल 10-15 दिन में शुरू हो सकता है। स्टाफ की संख्या बढ़ाई जाएगी, जिसमें नर्स, मेडिकल ऑफिसर और विशेषज्ञ शामिल होंगे। यह अस्पताल नौगांव, ईसनगर, पलेरा, बड़ागांव, टीकमगढ़ और यूपी के दो दर्जन से अधिक गांवों के मरीजों को 24 घंटे सेवाएं देगा। डिलीवरी, दुर्घटना और अन्य आपात मामलों में मरीजों को अब दूर नहीं जाना पड़ेगा।

विधायक ने किया सड़क निर्माण का भूमि पूजन

लवकुशनगर । क्षेत्रीय विधायक अरविन्द पटेरिया ने शनिवार को नगर के ? सांई राम कालौनी से बगमऊ तक बनने वाली सड़क का भूमिपूजन किया। लोक निर्माण विभाग अंतर्गत स्वीकृत 3 किलोमीटर लंबी सड़क का निर्माण अनुमानित करीब 3 करोड़ 1 लाख 25 हजार की लागत से किया जाएगा। विधायक ने इस मौके पर कहा कि इस सड़क के निर्माण होने से ग्राम बगमऊ नगर से सीधा जुड़ जाएगा साथ ही मुख्य मार्ग से जाने से करीब 5 किमी दूरी कम होगी। सड़क निर्माण में कोई रुकावट न हो विधायक ने जनता से आग्रह किया कि सभी लोग सड़क निर्माण में सहयोग करें। सड़क निर्माण भूमि पूजन में मंडल अध्यक्ष खलक सिंह , नगर पालिका अध्यक्ष जीतेन्द्र खटीक, मीडिया प्रभारी पंकज चौबे , युवा मोर्चा मंडल अध्यक्ष मोंटी अवस्थी , मनोज शर्मा , रामू यादव , आनंदी अहीरवार , प्रदीप खटीक , बीरेन्द्र नामदेव व ग्रामवासी मौजूद रहे।

स्वास्थ्य विभाग में आउटसोर्स भर्ती को लेकर असमंजस, इंटरव्यू भोपाल में होने की आशंका

जागरण, छतरपुर । जिले में स्वास्थ्य विभाग की 174 आउटसोर्स कर्मचारियों की भर्ती के लिए 500 से अधिक आवेदन प्राप्त हो चुके हैं, लेकिन इंटरव्यू के स्थान को लेकर आवेदकों में भ्रम की स्थिति है। आरोप है कि इंटरव्यू भोपाल में आयोजित हो सकता है, क्योंकि स्वास्थ्य विभाग छतरपुर में इंटरव्यू कराने के पक्ष में नहीं है। यह भर्ती सेडमैप के माध्यम से होनी है। आवेदकों का कहना है कि स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी इंटरव्यू छतरपुर में आयोजित करने के इच्छुक नहीं हैं, जिससे उन्हें भोपाल जाना पड़ सकता है। उल्लेखनीय है कि पहले इन पदों पर नियुक्तियां हो चुकी थीं, लेकिन अनियमितताओं के कारण छतरपुर कलेक्टर ने सभी नियुक्तियां रद्द कर दी थीं। अब सेडमैप के जरिए नई भर्ती प्रक्रिया शुरू की गई है। सूत्रों के अनुसार, इंटरव्यू को भोपाल में कराने के लिए सेडमैप को पत्र भेजने की तैयारी है, हालांकि मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. राजेंद्र प्रसाद गुप्ता ने इस दावे को खारिज किया है। उन्होंने कहा कि सेडमैप भर्ती प्रक्रिया के लिए अधिकृत है और वह जहां चाहे, इंटरव्यू आयोजित कर सकती है, स्वास्थ्य विभाग का इसमें कोई हस्तक्षेप नहीं है। डॉ. गुप्ता ने बताया कि 172 पदों की जरूरत है, जिनमें 58 पद जिला अस्पताल के लिए हैं। सेडमैप ने आवेदन के लिए लिंक जारी किया था और चयन प्रक्रिया के लिए आवेदकों को मोबाइल पर सूचना दी जाएगी। आउटसोर्स भर्ती में पैसे के लेनदेन के आरोपों पर सीएमएचओ डॉ. गुप्ता ने कहा कि यदि ऐसी कोई शिकायत उनके संज्ञान में आई, तो वे तुरंत प्रशासन को सूचित करेंगे और कार्रवाई सुनिश्चित करेंगे।

पुराने विवाद के चलते दबंगों ने महिला को मारी गोली

छतरपुर । राजनगर थाना क्षेत्र के विक्रमपुर गांव में पुराने विवाद के चलते एक महिला पर देसी कट्टे से गोलीबारी की गई। घायल महिला को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसकी हालत गंभीर बनी हुई है। विक्रमपुर निवासी जयंती पत्नी स्व. भरत यादव उम्र 35 वर्ष, शुक्रवार की शाम को अपने परिजनों के साथ घर के बाहर खड़ी थीं। तभी गांव के रामपाल बुंदेला, मुन्ना बुंदेला, रवि बुंदेला और जंटू बुंदेला ने उनके घर पर पहुंचकर अवैध देसी कट्टे से जयंती पर गोली चला दी। गोली जयंती की जांघ में लगी, जिससे वे गंभीर रूप से घायल हो गईं। परिजनों ने तुरंत 108 एंबुलेंस की मदद से उन्हें छतरपुर जिला अस्पताल पहुंचाया। अस्पताल में डॉक्टरों ने जयंती को ऑपरेशन थिएटर में शिफ्ट कर गोली निकालने की प्रक्रिया शुरू की। उनकी हालत अभी गंभीर बताई जा रही है। परिजनों ने बताया कि आरोपियों के साथ उनका पुराना विवाद चल रहा था, जिसके कारण यह हमला हुआ।

मंदिर में हुई चोरी, घटना सीसीटीवी में कैद

कंबल ओढ़कर भागा चोर खाली दान पेटी बरामद

छतरपुर । सिविल लाइन थाना क्षेत्र के नरसिंहगढ़पुरवा में स्थित हनुमान मंदिर से देर रात एक चोर ने दान पेटी चुरा ली। चोरी की पूरी वारदात मंदिर में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई, जिसमें एक व्यक्ति कंबल ओढ़कर दान पेटी ले जाता दिखाई दे रहा है। पुलिस ने खाली दान पेटी बरामद कर ली है और जांच शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के मुताबिक बीती रात नरसिंहगढ़ पूर्व के हनुमान मंदिर में अज्ञात चोर ने मंदिर में रखी दान पेटी को निशाना बनाया। सीसीटीवी फुटेज में साफ दिख रहा है कि एक व्यक्ति कंबल ओढ़कर मंदिर में घुसा और दान पेटी चुराकर फरार हो गया। सुबह पुजारी के मंदिर पहुंचने पर चोरी का पता चला, जिसके बाद स्थानीय लोगों ने सिविल लाइन थाना पुलिस को सूचना दी। पुलिस मौके पर पहुंची और जांच के दौरान मंदिर से कुछ दूरी पर खाली दान पेटी बरामद की, जिसमें से सारा पैसा गायब था। सिविल लाइन थाना पुलिस ने मंदिर के पुजारी की शिकायत पर अज्ञात चोर के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर चोर की पहचान और तलाश शुरू कर दी गई है। पुलिस आसपास के अन्य सीसीटीवी कैमरों की जांच कर रही है ताकि चोर का सुराग मिल सके।

11 एवं 25 जून को विद्युत उपभोक्ता शिकायत निवारण शिविर का होगा आयोजन

छतरपुर । म.प्र.विद्युत नियामक आयोग के निर्देशानुसार जिला छतरपुर के विद्युत उपभोक्ताओं की शिकायतों के निराकरण के लिए जिला स्तरीय विद्युत उपभोक्ता शिकायत निवारण शिविर का आयोजन सटई रोड पर स्थित अधीक्षण अभियंता (सं/सं) म.प्र.पू.क्षे.वि.वि.क.लि. कार्यालय छतरपुर में बुधवार 11 जून एवं 25 जून 2025 को प्रात- 11 बजे से 1 बजे तक आयोजित किया जाएगा। अधीक्षण अभियंता म.प्र. पूर्व क्षेत्र वि.वि.कं.लि. छतरपुर ने अपील की है कि विद्युत उपभोक्ता नियत दिनांक एवं समय पर उपस्थित होकर शिकायत निवारण शिविर में अपनी शिकायतों को दर्ज करवाकर शिकायतों का निराकरण करा सकते हैं।

ईद-उल-अजहा पर बड़ी ईदगाह में सामूहिक नमाज, मांगी गई अमन-चैन की दुआ

छतरपुर । ईद-उल-अजहा (बकरीद) के मुबारक मौके पर शनिवार को छतरपुर की बड़ी ईदगाह में सुबह 8 बजे सामूहिक नमाज अदा की गई। हजारों की संख्या में मुस्लिम समुदाय के लोगों ने नमाज पढ़कर मुल्क में अमन-चैन और भाईचारे की दुआ मांगी। नमाज के बाद लोगों ने एक-दूसरे को गले लगाकर ईद की मुबारकबाद दी। बड़ी ईदगाह में सुबह से ही मुस्लिम समाज के लोग एकत्र हुए। नमाज के बाद कुर्बानी की रस्म अदा की गई। मुस्लिम समाज के सदर जावेद खान, कांग्रेस के कार्यकारी जिलाध्यक्ष अनीस खान, इरशाद मोहम्मद सहित अन्य गणमान्य लोगों ने एक-दूसरे को बधाई दी। माहौल में भाईचारे और उत्साह का वातावरण रहा। लोगों ने नए कपड़े पहनकर और मिठाइयां बांटकर त्योहार की खुशियां साझा कीं। सीएसपी अमन मिश्रा ने बताया कि त्योहार को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए डेढ़ सौ पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया। ड्रोन और सीसीटीवी कैमरों से निगरानी की गई, और संवेदनशील स्थानों पर पुलिस बल मौजूद रहा। एसडीएम अखिल राठौर ने कहा कि प्रशासन ने नगर पालिका के साथ मिलकर सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित कीं। उन्होंने सभी नागरिकों को ईद की शुभकामनाएं दीं और शांति बनाए रखने की अपील की।

मंडला सीईओ जिला पंचायत ने किया प्रधानमंत्री जनमन आवास का निरीक्षण

जागरण, मंडला । सीईओ जिला पंचायत श्री श्रेयांश कूमट ने मवई विकासखंड के भ्रमण के दौरान ग्राम इंद्री स्थित बैगा कॉलोनी में प्रधानमंत्री जनमन आवास योजना के तहत निर्माणाधीन आवासों का निरीक्षण किया। उन्होंने पूर्ण हो चुके आवासों के साथ-साथ अपूर्ण आवासों की भी विस्तृत जानकारी ली और निर्माण कार्य की प्रगति का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान श्री कूमट ने निर्माण कार्य में तेजी लाने और गुणवत्तापूर्ण सामग्रियों का उपयोग सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शेष बचे आवास निर्माण कार्यों को निर्धारित समय-सीमा में पूरा किया जाए। इस अवसर पर सीईओ जिला पंचायत ने बैगा समुदाय के लोगों से आत्मीय चर्चा की। उन्होंने विशेष रूप से बैगा महिलाओं को स्वसहायता समूहों से जुड़ने और इन समूहों के माध्यम से मुर्गी पालन, बकरी पालन सहित अन्य प्रकार के व्यवसाय करने के लिए प्रेरित करें। इस दौरान सीईओ जनपद पंचायत मवई सहित संबंधित अधिकारीगण भी उपस्थित थे।

जल गंगा संवर्धन अभियान : दीपों से जगमगाई प्राचीन बावड़ी

जागरण, मंडला । कलेक्टर श्री सोमेश मिश्रा एवं सीईओ जिला पंचायत श्री श्रेयांश कुमट के मार्गदर्शन में जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत मध्यप्रदेश जन परिषद मंडला द्वारा महाराजपुर संगम घाट स्थित बावड़ी में बावड़ी उत्सव कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर परम पूज्य संत श्री भीमदेव जी आचार्य काशी विश्वनाथ वैदिक गुरुकुल एवं मां नर्मदा गौशाला जिलहरी घाट, गाजीपुर, परम पूज्य साध्वी मनीषा दीदी सिलपुरा आश्रम मंडला, श्री सी.एल. वर्मा संयुक्त कलेक्टर एवं राजेंद्र चौधरी जिला समन्वयक शामिल हुए। मां नर्मदा जी के चित्र पर माल्यार्पण कर दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम की रूपरेखा जिला समन्वयक श्री राजेंद्र चौधरी ने रखी। संत श्री भीमदेव जी आचार्य ने कहा कि बावड़ियाँ वर्षा के पानी को एकत्रित करने और भूजल स्तर को बनाए रखने के लिए बनाई जाती थीं। शुष्क क्षेत्रों में, वे जल उपलब्धता में मौसमी उतार-चढ़ाव से निपटने में मदद करते थे। इसी कड़ी में पूज्य साध्वी मनीषा दीदी ने कहा कि बावड़ियाँ सामाजिक मेलजोल के लिए एक जगह थीं, क्योंकि वे अपने आसपास के इलाकों की तुलना में ठंडी रहती थीं और लोगों को गर्मी से राहत मिलती थी। कार्यक्रम में महाराजपुर संगम घाट की प्राचीन बावड़ी को रंग रोगन, रंगोली, दीपों एवं लाईट से सजाया गया, साथ ही उपस्थित अतिथियों द्वारा पूजन अर्चन किया गया तत्पश्चात मां नर्मदा जी की आरती कर प्रसाद वितरण किया गया। इस दौरान विकासखंड समन्वयक संतोष कुमार झारिया, अनिल कुमार मेहरा, श्रीमती कीर्ति कुरील, श्रीमती सीता उईके, कार्यालय स्टॉप शशि भूषण, बसंत नागेश्वर, समस्त मेंटर्स, समस्त छात्र-छात्राओं, समस्त नवांकुर संस्थाओं के प्रतिनिधिगण, प्रस्फुटन समितियों के प्रतिनिधिगण एवं स्थानीय शहर वासियों की उपस्थिति रही।

बैनर, अन्य व्यय नाम पर लाखों रू. का भुगतान, नियम-निर्देशों की उड़ाई धज्जियां

जागरण, मंडला । मध्यप्रदेश में पंचायत स्तर पर पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने के तमाम प्रयासों के बावजूद जमीनी हकीकत कुछ और ही बयां कर रही है। जनपद पंचायत डिंडोरी अंतर्गत ग्राम पंचायत पौंड़ीमाल में भारी वित्तीय अनियमितता का मामला उजागर हुआ है। जानकारी के अनुसार यहां फर्जी बिलों के आधार पर लाखों रुपये का भुगतान कर शासन को भारी राजस्व हानि पहुंचाई जा रही है।

ये रहा पूरा मामला

दरअसल ग्राम पंचायत पौड़ीमाल में सरपंच, सचिव के द्वारा मिलीभगत 15वें वित्त की राशि का दुरुपयोग किया जा रहा है पौंड़ीमाल पंचायत की सरपंच विषमतिया बाई और सचिव जोहानलाल कोरबा द्वारा फ्लेक्स बैनर, स्वच्छता सामग्री और अन्य कार्यों के नाम पर 15वें वित्त आयोग की राशि से मनमानी भुगतान किया गया है। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि जिन फर्मों को भुगतान किया गया है, उनमें अवधिया फोटो ब्रिजेश नामक एक फर्म शामिल है, जो मूलतः सिर्फ फोटोकॉपी और ऑनलाइन सेवाएं देती है। इसके बावजूद इसी दुकान से फ्लेक्स बैनर, स्वच्छता कार्य और अन्य सामग्री की खरीदी दर्शाकर लाखों का बंदरबांट किया गया ।

5वें वित्त की राशि में भी गड़बड़ियां

बता दें कि ग्राम पंचायत सरपंच,सचिव का यह भ्रष्टाचार सिर्फ 15वां ही नहीं, 5वें वित्त आयोग की राशि का भी इसी तरह दुरुपयोग किया गया है। स्टेशनरी, किराना, सहित अन्य मदों में बिना वैध दस्तावेज़ों के भुगतान किया गया है। जिससे साफ होता है कि पंचायत के फंड को निजी लाभ के लिए उपयोग किया जा रहा है।

फर्जी बिलों की भरमार, नियमों की खुलेआम अनदेखी

ग्राम पंचायत पौड़ीमाल के जिम्मेदारों द्वारा पंचायत दर्पण में लगाए गए बिल इतने धुंधले हैं कि उन्हें पढ़ पाना तक संभव नहीं। साथ ही अधिकांश बिलों में जीएसटी नंबर तक नहीं है । जबकि शासन के स्पष्ट निर्देश हैं कि ?5000 से अधिक की किसी भी खरीदी के लिए वैध जीएसटी नंबर वाला बिल अनिवार्य है।

अधिकारियों की चुप्पी पर सवाल

सूत्रों की मानें तो इतनी बड़ी अनियमितताएं संबंधित अधिकारियों की जानकारी या सहमति के बिना संभव नहीं।

इनका कहना है

मैंने सरपंच के कहने पर राशि का भुगतान पीसीओ की उपस्थित में किया है, सरपंच ने द्वारा जहां—जहां कहा मैंने भुगतान किया है

जोहान लाल कोरबा, सचिव ग्राम पंचायत पौड़ीमाल जनपद पंचायत डिंडौरी

अनुकंपा नियुक्ति के लोकसेवकों के समस्त अभिलेखों का होगा सत्यापन

रीवा । जिले में स्कूल शिक्षा विभाग में फर्जी अनुकंपा नियुक्ति का खुलासा होने के बाद शिक्षा प्रशासन में हलचल मची है। फर्जी नियुक्ति का खुलासा दैनिक जागरण ने प्रमुखता से किया था, जिस पर जांच के बाद की गई नियुक्ति फर्जी पाई गई। फर्जी नियुक्ति मामले की पोल खुलते ही जिला शिक्षा अधिकारी ने समस्त प्राचार्यों को पत्र जारी कर 14 मार्च 2024 के बाद भृत्य संवर्ग में की गई अनुकंपा नियुक्ति के लोकसेवकों के समस्त अभिलेखों के सत्यापन बाबत आदेश प्रसारित किए हैं। उन्होंने निर्देशित किया कि फर्जी अनुकंपा नियुक्ति प्रकरण संज्ञान में आया है, जिसके विरुद्ध विधि सम्मत कार्यवाही की जा रही है। कार्यालय द्वारा 14 मार्च 24 से 31 मई 25 तक अधोहस्ताक्षरकर्ता द्वारा की गई समस्त अनुकंपा नियुक्ति की वैधता की जांच के लिए निर्णय लिया गया। आगामी 9 जून को अनुकंपा नियुक्ति प्राप्त अभ्यर्थियों को सूचित कर निर्देशित करें कि अपने समस्त मूल अभिलेखों के साथ कार्यालय में सुबह 11 बजे अनिवार्य रूप से उपस्थित हों, साथ ही पदस्थ संस्था के प्राचार्य भी आवश्यक अभिलेख के साथ उपस्थित होवें।

प्रख्यात हड्डी एवं जोड़ प्रत्यारोपण विशेषज्ञ डॉ शांतनु सिंह के द्वारा प्रतिदिन नियमित OPD रीवा में

रीवा । अहमदाबाद के प्रख्यात हड्डी व जोड़ रोग विशेषज्ञ डॉ शांतनु सिंह, MBBS, MS (ऑर्थोपेडिक्स) FIJR, OIJR (अहमदाबाद) फेलोशिप इन ज्वाइंट रिप्लेसमेंट, ज्वाइंट रिप्लेसमेंट ।कॉम्प्लेक्स ट्रॉमा । ऑर्थोस्कोपिक सर्जन, पूर्व सर्जन गवर्मेन्ट मेडिकल कॉलेज सागर, हड्डी एवं जोड़ प्रत्यारोपण विशेषज्ञ के द्वार *कामता मेडिकल*(कामता मल्टीस्पेशलिटी डे- केयर क्लीनिक/डायग्नोस्टिक × विज़न हार्ट सेंटर), ब्लॉक समदड़िया कॉम्प्लेक्स न्यू बस स्टैंड रीवा में, प्रतिदिन नियमित सुबह 10 से दोपहर 02 बजे तक एवं शाम 04 से 06 बजे तक हड्डी व जोड़ रोग से सम्बंधित समस्त फैक्चर एवं ट्रॉमा उपचार, घुटना एवं कुल्हा प्रत्यारोपण TKR, THR, ऑर्थोस्कोपी (दूरबीन द्वारा लिगामेंट की सर्जरी), डिजिटल एक्स-रे, प्लास्टर POP एवं स्पिलटिंग, घुटनो में दर्द/सूजन, कंधे का जकड़ना/दर्द होना, कमर व कूल्हों के जोड़ों का दर्द, साईटिका/ गठियावात, कंधे के मांस का कटना, घुटने का न मुड़ना, चलने में लड़खड़ाना, ज़मीन पर न बैठ पाना, गाऊट एवं रूमेटाइड ऑर्थराइटिस का उपचार, जोड़ो में इंजेक्शन द्वारा उपचार (इंटर-आर्टिकुलर इंजेक्शन), CTEV (क्लबफुट) जन्मजात टेढ़े मेढ़े पाँव का उपचार, रीढ़ की हड्डी से सम्बंधित समस्याएं, सामान्य एवं जटिल फैक्चर, आधुनिक तकनीक द्वारा जोड़ प्रत्यारोपण, बच्चों के हाथ व पैरों की विकृतिया, पुराने फैक्चरों का न जुड़ना, हड्डी में पस पड़ना आदि बीमारियों का परामर्श/ऑपरेशन द्वारा इलाज किया जाता है, डॉ शांतनु को दुरबीन विधि से सम्बंधित सभी प्रकार के आपरेशन में महारथ हासिल है, अधिक जानकारी हेतु कामता मेडिकल रीवा में संपर्क करें। advt

नशे की गिरफ्त से बचने किया प्रेरित

वेटरनरी कॉलेज में आयोजित हुआ विधिक जागरुकता शिविर

रीवा। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश राकेश मोहन प्रधान के मार्गदर्शन में एवं सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण समीर कुमार मिश्र के नेतृत्व में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा पशु चिकित्सा महाविद्यालय में विधिक जागरुकता शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में प्रतिभा शर्मा अनुविभागीय अधिकारी पुलिस ने पॉक्सो अधिनियम एवं सायबर कानूनों के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए कहा कि पॉक्सो अधिनियम में बालक-बालिकाओं की सुरक्षा हेतु कड़े प्रावधान किए गए हैं और इस संबंध में सब को जागरूक करने की आवश्यकता है ताकि बालक-बालिकाएं सुरक्षित रह सकें। जिला विधिक सहायता अधिकारी अभय कुमार मिश्रा ने नालसा नशा उन्मूलन योजना के बारे में जानकारी देते हुए नशे के दुष्परिणामों के बारे में छात्र-छात्राओं को अवगत कराया और उन्हें नशे की गिरफ्त मे न आने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम मे स्वागत उद्बोधन पशु चिकित्सा महाविद्यालय के प्रभारी डीन डॉ. नीतेश कुमार ने दिया और आभार डॉ. स्वतंत्र कुमार सिंह ने ज्ञापित किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. अर्पिता श्रीवास्तव ने किया।

सात दिवसीय समर कैंप का समापन

प्रतिभागियों को स्मृति चिन्ह भेंट कर किया प्रोत्साहित

जागरण, रीवा। केसरवानी वैश्य महिला सभा द्वारा केसरवानी कार्यालय शिल्पी प्लाजा बी ब्लॉक में 30 मई से 5 जून तक बच्चों की प्रतिभा निखारने सात दिवसीय निःशुल्क समर कैंप का आयोजन किया गया था जिसका गुरुवार को समापन किया गया। मुख्य अतिथि राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं पूर्व संरक्षिका डॉ. आरती, पूर्व संरक्षिका राजमती गुप्ता, अध्यक्ष वंदना गुप्ता, कोषाध्यक्ष रीना गुप्ता, उपाध्यक्ष एकता गुप्ता आदि उपस्थित रहे। समर कैंप में प्रतिभागिता निभाने वाले सभी बच्चों का मनोबल बढ़ाने के लिए उपहार देकर उन्हें प्रोत्साहित किया गया। अध्यक्ष वंदना गुप्ता ने बच्चों को संदेश दिया कि माता-पिता एवं गुरु की सच्चे भाव से सेवा करके समाज का मान बढ़ाएं। गुरु के रूप में संस्कार शिक्षा- भारती शर्मा, डॉ. आशय द्विवेदी, स्वस्थ बचपन शिक्षा- डॉ. मीनल पंसारी, कलर थेरेपी एक्यूप्रेशर ज्योति गुप्ता, योग शिक्षा कविता गुप्ता, प्रीति गुप्ता, कैलीग्राफी वंदना गुप्ता, चित्रकला अलंकृता गुप्ता एवं संस्कृति गुप्ता सभी प्रशिक्षिकाओं को प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। बबीता गुप्ता, सीमा गुप्ता, यामिनी गुप्ता, मंजू गुप्ता, शालू गुप्ता आदि सदस्यों ने कार्यक्रम को सफल बनाने सहयोग दिया।

उत्तर मध्य रेलवे

ई-निविदा सूचना संख्याः झाँसी-इन्जी0-एन-2025-96 **दिनांकः** 06.06.2025

ई-टेन्डरिंग निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से एवं उनके लिये मण्डल रेल प्रबन्धक/कार्य/झाँसी निम्नलिखित कार्य हेतु आनलाईन (ई-टेन्डरिगं) के माध्यम से खुली निविदा आमंत्रित करते हैं।

कार्य का नाम : झाँसी डिवीज़न :- प्रोवीजन / डेवलपमेंट ऑफ़ सिर्कुलेटिंग एरिया ऑफ़ सेकंड एंट्री एट डबरा स्टेशन।

अनुमानित लागत (रू): ₹ 7548309.70	**अमानत राशि (रू):** ₹ 151000.00
निविदा बन्द होने की तिथि: 30.06.2025 at 15:00 hrs.	
स्वीकृत पत्र जारी होने के समय से कार्य समापन/अवधि की तिथिः 08 माह	

● निविदा **दिनांक 30.06.2025** को **15.00 बजे** तक आन लाईन जमा कर सकेगें।
● पूर्ण विवरण एवं निविदा को प्रस्तुति करने के लिये भारतीय रेल के बेवसाईट www.ireps.gov.in पर देखें।

989/25(A)

North central railways | @CPRONCR | www.ncr.indianrailways.gov.in

संस्थापक ▸ गुरुदेव गुप्त

संपादकीय

फीकी पड़ी आईपीएल की सफलता की चमक

> रॉयल चैलेंजर्स बंगलुरु ने आईपीएल खिताब जीता। लेकिन इस जीत के जश्न की चमक तब फीकी पड़ गई जब चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर मची भगदड़ में ग्यारह लोगों की दुखद मृत्यु हो गई।

तुरत-फुरत क्रिकेट वाले दुनिया के सबसे बड़े वार्षिक उत्सव इंडियन प्रीमियर लीग के फाइनल मुकाबले में रॉयल चैलेंजर्स बंगलुरु ने 18वें संस्करण में आईपीएल खिताब जीत लिया। इस कामयाबी से आईपीएल से विदाई ले रहे विराट कोहली को टीम ने खास तोहफा ही दिया। लेकिन इस जीत के जश्न की चमक तब फीकी पड़ गई जब चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर मची भगदड़ में ग्यारह लोगों की दुखद मृत्यु हो गई। घटना ने एक बार फिर हमारे अवैज्ञानिक व लाठी भांजने वाले भीड़ प्रबंधन की ही पोल खोली है। इस जीत के जश्न में हिस्सा लेने आई भीड़ का एक लाख तक होने का अनुमान था। लेकिन लंबे अंतराल के बाद मिली जीत ने लोगों के उत्साह को इस स्तर तक पहुंचा दिया कि स्टेडियम के आसपास दो लाख से अधिक लोगों की भीड़ जमा हो गई। बहरहाल, आईपीएल का आयोजन व्यावसायिक क्रिकेट को नई ऊंचाइयां देने में जरूर सफल रहा है। फटाफट क्रिकेट के दुनिया के सबसे बड़े उत्सव में भारत के दो सर्वकालिक महान खिलाड़ियों विराट कोहली व एमएस धोनी की प्रतिष्ठा दांव पर लगी थी। अंततः विराट कोहली का आईपीएल खिताब जीतने का लंबा इंतजार इस जीत के साथ खत्म हुआ। लेकिन धोनी पांच बार की विजेता चेन्नई सुपरकिंग को जीत का खिताब दिलाने से चूक गए। एक तरह से आईपीएल क्रिकेट से कोहली की यह शानदार विदाई साबित हुई। दूसरी ओर एमएस धोनी को आईपीएल में पांच बार की कामयाबी के बावजूद इस बार खिताबी जीत न दिला पाने का मलाल जरूर रहेगा। वह बात अलग है कि फाइनल में श्रेयस की प्रतिभा को श्रेय न मिल सका। भारत के नये टेस्ट क्रिकेट कप्तान शुभमन गिल ने टूर्नामेंट के अंत में लड़खड़ाने से पहले गुजरात टाइटन्स का अच्छा नेतृत्व दिया। हार्दिक पांड्या ने मुंबई इंडियंस को तब तक मुकाबले में बनाए रखा जब तक कि वह साहसी पंजाब की टीम द्वारा बाहर नहीं हो गई। निस्संदेह, इस आईपीएल टूर्नामेंट में युवा ब्रिगेड ने पूरी ताकत झोंककर उम्मीदों को नया मुकाम दिलाया। अब चाहे वह अभिषेक शर्मा हों, प्रियांश आर्य, आयुष म्हात्रे, साई सुदर्शन, शशांक सिंह या ऑल-ऑफ-14 वैभव सूर्यवंशी हों। सीमा पर तनाव के बीच भारत व पाकिस्तान की क्रिकेट लीग चलती रही है, लेकिन लोकप्रियता की बाजी भारत ने मारी। बंगलुरु हादसे की दुखद घटना के बावजूद आईपीएल अपने मुकाम तक पहुंचने में किसी हद तक कामयाब रहा है। निश्चय ही आईपीएल एक ऐसा मंच बन गया है कि जिसमें आम घरों के प्रतिभावान खिलाड़ियों को अपनी तथा परिवार की आर्थिकी सुधारने का मौका मिलता है, वहीं चयनकर्ताओं को राष्ट्रीय टीम हेतु प्रतिभाएं तलाशने का एक उम्दा अवसर भी मिल जाता है।

वायुसेना में सचेत तथा प्रशिक्षित युवा काडर भर्ती करना जरूरी

सामरिक नीति

अनिल सहगल

> वायुसेनाध्यक्ष का कहना है कि वायुसेना में उच्चतम श्रेणी के युवा टैलेंट को आकर्षित करने के लिए आवश्यक है कि उनके काम करने की स्थिति, वेतन और सुविधाओं में जरूरी सुधार किये जाएं। आधुनिक उपकरणों और फाइटर्स को इस्तेमाल करने के लिए हमें शारीरिक और मानसिक रूप से संपन्न, सजग, सचेत तथा प्रशिक्षित युवा काडर की आवश्यकता है।

वायुसेनाध्यक्ष अमर प्रीत सिंह ने हाल ही में भारतीय उद्योग परिसंघ के सालाना बिजनेस सम्मेलन को संबोधित करते हुए रक्षा सौदों और रक्षा सामग्री के निर्माण की परियोजनाओं में देरी को लेकर जिस तरह दो-टूक बात कही, वह चौंकाती नहीं, क्योंकि वह सच कह रहे थे। वायुसेनाध्यक्ष अमर प्रीत सिंह की चिंताओं का कारण ऐसे ही कुछ अन्य मुद्दे हैं। इनमें एक सबसे बड़ा मुद्दा है वायुसेना में भर्ती, सेलेक्शन, मैनिंग, वेतन और बेस्ट टेलेंट का। वायुसेनाध्यक्ष का कहना है कि वायुसेना में उच्चतम श्रेणी के युवा टैलेंट को आकर्षित करने के लिए आवश्यक है कि उनके काम करने की स्थिति, वेतन और सुविधाओं में जरूरी सुधार किये जाएं। आधुनिक उपकरणों और फाइटर्स को इस्तेमाल करने के लिए हमें शारीरिक और मानसिक रूप से संपन्न, सजग, सचेत तथा प्रशिक्षित युवा काडर की आवश्यकता है। हमें भूलना नहीं चाहिए कि आज के उपकरण और फाइटर विमान अति विकसित कंप्यूटर एवं मशीनों से लैस हैं, जिनका प्रभावी संचालन केवल पूर्णतः प्रशिक्षित टीम ही कर सकती है। मौजूदा दौर में वायुसेना की युद्ध प्रणालियों में अकल्पनीय परिवर्तन हुआ है। स्थिति यह है कि आप फाइटर्स को प्रयुक्त किये बिना भी युद्ध की परियोजना बना सकते हैं। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान हमने देखा कि किस तरह हमारी मिसाइलों और ड्रोनों ने युद्ध के संचालन में योगदान दिया। तकनीकी और प्रशासनिक मैनपावर का साथ भी उतना ही आवश्यक है, जितना उड़ान भरने में सक्षम मैनपावर का।

उनके भाषण का बड़ा हिस्सा रक्षा परियोजनाओं में देरी पर केंद्रित रहा। भारत और पाकिस्तान के बीच हुए सैन्य संघर्ष के बाद अपनी पहली सार्वजनिक टिप्पणी में वायुसेनाध्यक्ष ने कहा, 'मेरी राय में एक भी परियोजना ऐसी नहीं है, जो समय पर पूरी हुई हो'। एयर चीफ मार्शल ने इस चलन की भी कड़ी आलोचना की कि कंपनियां डिलीवरी की ऐसी समयसीमा बता देती हैं, जिन पर परियोजना को पूरा करना संभव नहीं रहता। उन्होंने कहा, 'हम यह जानते हुए भी परियोजनाओं पर दस्तखत करते चले जाते हैं कि रक्षा सिस्टम जिस समय पर देने का वादा किया गया है, वह पूरा नहीं होगा। जबकि ऐसे मामलों में मामला प्राण जाये पर वचन न जाये का होना चाहिए।' बेशक उन्होंने परियोजनाओं का विशिष्ट विवरण नहीं दिया या उस अवधि का संदर्भ नहीं दिया कि परियोजनाओं में कब से हुई देरी भारतीय वायुसेना को प्रभावित कर रही है।

गौरतलब है कि एयर चीफ मार्शल अमर प्रीत सिंह ने इससे पहले फरवरी में भी बेंगलुरु में एक एयर शो के आयोजन में युद्धक विमानों की आपूर्ति में देरी पर नाराजगी जतायी थी। चूंकि वायुसेनाध्यक्ष ने एचएएल (हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड) के अधिकारियों से बातचीत के दौरान अपनी नाराजगी जतायी थी, इसलिए एचएएल पर सवाल उठने लगे थे कि यह स्वदेशी कंपनी वायुसेना की जरूरतों के हिसाब से काम नहीं कर पा रही। वायुसेनाध्यक्ष अमर प्रीत सिंह की चिंताओं का कारण ऐसे ही कुछ मुद्दें हैं। एक मुद्दा यह कि आज से साठ साल पहले बनायी गयी योजना तथा परिकल्पना के अनुसार हमारी वायुसेना में 42 स्क्वाड्रन तो होनी ही चाहिए, जबकि हमारे पास केवल 31 स्क्वाड्रन ही हैं। यह कमी सोचनीय है। इस मुद्दे पर पिछले चार दशकों में पहले भी कई बार चिंताएं दबे शब्दों में जतायी गयी हैं। चूंकि इस संबंध में न तो कोई हल ढूंढने की चेष्टा की गयी है और न ही कोई सकारात्मक कदम उठाया गया, इसलिए देश की सुरक्षा और अखंडता को बनाये रखने के लिए इस चिंता का शीघ्रातिशीघ्र निवारण होना आवश्यक है। खासतौर पर तब, जब भारत को एक ही समय में पाकिस्तान के अतिरिक्त चीन से भी लोहा लेना पड़ सकता है। हम सचेत हैं, क्योंकि बांग्लादेश भी अपना फन फैलाने की कोशिश कर रहा है। वायुसेना प्रमुख के इस विषय पर दिये गये बयान ने देश के शीर्ष नेतृत्व के साथ-साथ आम नागरिक को भी सोचने पर मजबूर कर दिया है।

बाहर से खरीदे गये युद्धक विमानों और उपकरणों के बजाय स्वदेश में बने सामान का वायुसेना में खुले दिल से स्वागत है। इसी नीति के तहत वायुसेना ने देश में निर्मित तेजस लड़ाकू जहाज की नियुक्ति 18 स्क्वाड्रनों में करने का निर्णय लिया है, ताकि मिग-21 जैसे वयोवृद्ध फाइटर्स को रिटायर किया जा सके। एचएएल को 123 तेजस मल्टीरोल फाइटर्स के ऑर्डर दिये जा चुके हैं और उनकी नियमित डिलीवरी का बेसब्री से इंतजार है। दुर्भाग्यवश, एचएएल निर्धारित समय-सीमा का पालन नहीं कर पायी है। कई बार समय-सीमा बढ़ाने के बाद भी डिलीवरी नहीं हो पायी, जो कि वायुसेनाध्यक्ष के कोप का कारण बन गया है। वायुसेनाध्यक्ष का मानना है कि हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स को प्रतिवर्ष लगभग 40 फाइटर एयरक्राफ्ट भारतीय वायुसेना को आपूर्ति करने का लक्ष्य रखना चाहिए। हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स ने इस लक्ष्य को मात्र 24 फाइटर एयरक्राफ्ट प्रतिवर्ष रखा है। पर वास्तविकता यह है कि वह इस स्वनिर्धारित लक्ष्य को पूरा करने में भी असमर्थता दिखा रही है। इससे वायुसेना की परेशानियां बढ़ गयी हैं। इस समय 123 तेजस फाइटर एयरक्राफ्ट की डिलीवरी हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स को करनी है। अगर यह डिलीवरी समय पर हो जाए, तो वायुसेना में कुल चार या पांच स्क्वाड्रन की वृद्धि ही हो पायेगी, जो वायुसेना के 42 स्क्वाड्रन के अपेक्षित लक्ष्य से काफी कम है। यह वायुसेना प्रमुख द्वारा उठाया गया दूसरा मुद्दा है। आधुनिक वायुसेना में पायलट और जहाज का युवा होना परम आवश्यक होता है। हमारी वायुसेना के जहाज वयोवृद्ध होते जा रहे हैं। नये और आधुनिक फाइटर्स की आपूर्ति शीघ्रातिशीघ्र करने का ध्येय राष्ट्र के लिए सर्वोपरि होना चाहिए। इसके साथ ही हमें फाइटर एयरक्राफ्ट की संख्या भी बढ़ानी होगी। हमें यह सदैव याद रखने की आवश्यकता है कि उचित संख्या में नवीनतम लड़ाकू जहाज से सुसज्जित वायुसेना ही प्रभावी रूप से देश की सीमाओं की सुरक्षा सुनिश्चित कर सकती है। हमारे आकाशीय क्षेत्र से शत्रु को दूर रखने का लक्ष्य तभी प्राप्त हो सकता है, जब इन लड़ाकू विमानों को कारगर तरीकों से प्रयोग में लाने में हमारे पायलट प्रभावी रूप से सक्षम हों। वायुसेनाध्यक्ष ने इस पर भी चिंता जतायी कि रक्षा क्षेत्र में शोध और विकास के लिए देश को सर्वोत्तम लोगों की सेवाएं नहीं मिल पा रहीं, क्योंकि कुशल लोग विदेश चले जाते हैं। फिर भी आज भारतीय वायुसेना को अपने नेतृत्व के लिए चिंता करने की आवश्यकता नहीं है। उसकी कमान एक आला दर्जे के कुशल पायलट के हाथों में है।

हिमालय की बर्फ खा रहा प्रदूषण जनित ब्लैक कार्बन

प्रदूषण संकट

सीमा जावेद

> शहरों में छाया वायु प्रदूषण सिर्फ हम लोगों के लिए ही जानलेवा नहीं साबित हो रहा, बल्कि यह हिमालय की ऊंची-ऊंची बर्फ से ढकी चोटियों पर पहुंचकर उसे पिघला रहा है। इसके चलते हिमालय की बर्फ तेजी से पिघल रही है और ग्लेशियर तेजी से पिघलकर पीछे सरक रहे हैं। मानवजनित प्रदूषण से उत्पन्न ब्लैक कार्बन बर्फ पर जमकर उसकी परावर्तक शक्ति को कम करता है, जिससे सूर्य की गर्मी बर्फ को जल्दी पिघला देती है।

शहरों की छाती पर तेजी से दौड़ रही गाड़ियों से निकले काले धुएं के लच्छों, मिलों और कारखानों की काला धुआं उगल रहीं चिमनियां, खेतों में जलाई जाने वाली पराली से उठती धुएं की काली चादर-यानी 'ब्लैक कार्बन' हवा के जरिये उड़कर, हमारे सिरमौर तक पहुंचकर उसे नष्ट कर रहा है। प्रदूषण रोकने की निर्णायक मानवीय कार्रवाई अब भी ग्रह के लुप्त होते बर्फ के विशालकाय पिंडों की रक्षा कर सकती है। विशेषकर पूर्वी और मध्य हिमालय में।

ब्लैक कार्बन उत्सर्जन को कम करने से हिमालय के ग्लेशियरों के पिघलने की गति धीमी हो सकती है। ठीक उसी तरह, जिस तरह ताजमहल को बचाने के लिए प्रदूषण पर लगाम कसी गई थी। जब ब्लैक कार्बन बर्फ पर जम जाता है, तो यह सूर्य के प्रकाश को अवशोषित करता है और सतह को गर्म करता है, जिससे यह तेजी से पिघलती है। ये बर्फ पर जमकर उसकी परावर्तक शक्ति को कम कर देता है, जिससे सूरज की गर्मी सीधे बर्फ में समा जाती है और वह तेजी से पिघलने लगती है। हिमालय की बर्फ इसके प्रति बहुत संवेदनशील है। विशेषज्ञों का कहना है कि जहां ब्लैक कार्बन ज्यादा जमा होता है, वहां बर्फ की मोटाई सबसे तेज गति से घट रही है। इससे नदियों के जलस्तर पर असर पड़ेगा-खासतौर पर भारत, नेपाल, भूटान और बांग्लादेश जैसे देशों में।

रिसर्च संस्था क्लाइमेट ट्रेंड्स की नई रिपोर्ट बताती है कि पिछले 20 वर्षों में हिमालयी इलाकों में बर्फ की सतह का तापमान औसतन चार डिग्री सेल्सियस बढ़ गया है। सन 2000 से 2019 तक ब्लैक कार्बन की मात्रा में तेजी से इजाफा हुआ, जिससे हिमालय की बर्फ लगातार सिकुड़ती गई। 2019 के बाद इसकी रफ्तार थोड़ी थमी जरूर है। रिपोर्ट में नासा के 23 साल के सैटेलाइट डाटा (2000-2023) का विश्लेषण किया गया है। इसके अनुसार, उच्च ब्लैक कार्बन जमाव वाले क्षेत्रों में बर्फ की सतह का तापमान अधिक और बर्फ की गहराई कम पाई गई है।

ब्लैक कार्बन उत्सर्जन को कम करने के कई तरीके हैं, जैसे हिमालय व उसके चारों ओर के पहाड़ी इलाकों में घरेलू उपयोग के लिए एलपीजी कनेक्शन सिलिंडर का व्यापक प्रसार, जिससे चूल्हे में लकड़ी जलाना बंद हो सके। डीजल और पेट्रोल वाहनों पर पूरी तरह हिमालय और उसके आसपास इलाकों में लगाम कस देना। ठीक वैसा ही जैसा ताजमहल को बचाने के लिए एमसी मेहता की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने आगरा में कदम उठाए थे। सुप्रीम कोर्ट ने तब ताजमहल के क्षेत्र में प्रदूषण को कम करने के लिए कई कदम उठाए, जैसे कि औद्योगिक गतिविधियों पर प्रतिबंध लगाना, वायु प्रदूषण को कम करने के लिए पेट्रोल एवं डीजल के इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगाया। बिजली आपूर्ति के लिए भी जेनरेटरों में डीजल दहन करने पर रोक लगा दी थी। ताजमहल के आसपास के क्षेत्र में पेड़ों की कटाई पर प्रतिबंध लगा दिया था और पौधारोपण करने पर जोर दिया था। आल्प्स में बर्च ग्लेशियर का ढहना इस बात की स्पष्ट याद दिलाता है कि हमारे ग्लेशियर कितनी तेजी से खत्म हो रहे हैं और जलवायु-परिवर्तन का असर हमारी जिंदगी और हमारे चारों तरफ कितना गहरा रहा है। नेपाल में हिंदू कुश हिमालय के ग्लेशियरों में से कभी बर्फ की एक विशाल नदी रही याला ग्लेशियर जलवायु परिवर्तन के कारण 1970 के दशक से अब तक 66 प्रतिशत तक सिकुड़ चुकी है और लगभग 800 मीटर पीछे चली गई है। वर्ल्ड रिसोर्सेज इंस्टीट्यूट (डब्ल्यूआरआई) द्वारा जारी किए गए एक्वाडक्ट वाटर रिस्क एटलस 2023 के अनुसार, दुनिया के 25 सबसे अधिक जल तनाव झेल रहे देशों में भारत 24वें स्थान पर है। रिपोर्ट के अनुसार, भारत उपलब्ध आपूर्ति का कम से कम 80 प्रतिशत पानी उपयोग कर रहा है। बढ़ते शहरीकरण से यह संकट और गहरा होता जा रहा है। अगर ब्लैक कार्बन पर अब भी लगाम नहीं लगी, तो पहाड़ों से लेकर मैदान तक, करोड़ों ग्रामीण परिवार पानी की भारी कमी से जूझ सकते हैं। ध्रुवीय क्षेत्रों के बाहर सबसे बड़े बर्फ भंडारों का घर, हिमालय में खतरनाक क्रायोस्फेरिक परिवर्तन हो रहे हैं, जो दक्षिण एशिया के लगभग दो अरब लोगों के लिए पानी का स्रोत है।

॥गीता॥

श्लोक : आयुषः क्षण एकोऽपि सर्वरत्नैर्न लभ्यते।
नीयते स वृथा येन प्रमादः सुमहानहो॥

भावार्थ : सभी कीमती रत्नों से कीमती जीवन है जिसका एक क्षण भी वापस नहीं पाया जा सकता है। इसलिए इसे फालतू के कार्यों में खर्च करना बहुत बड़ी गलती है।

जीवन दर्शन

मानना धार्मिक प्रक्रिया है, जबकि जानना आध्यात्मिक

'मानना' और 'जानना', इन दोनों बातों में उतना ही अंतर है जितना बंधन और मुक्ति में। मानना बंधन की प्रक्रिया है और जानना मुक्ति की। 'मानना' मान्यताओं पर आधारित होता है और 'जानना' ज्ञान पर। मानना धार्मिक प्रक्रिया है और जानना आध्यात्मिक।

जहां से ऊपर नहीं उठ पाते, उसको मानते हैं और जब उससे ऊपर उठ जाते हैं, तब उसको जानते हैं। जैसे हम भगवान को मानते हैं पर उसको जानते नहीं, गीता को मानते हैं लेकिन उसके ज्ञान को जानते नहीं। मानना स्थूल प्रक्रिया है और जानना सूक्ष्म। मानने से जब जानने में आते हैं तब जीवन जीने का नजरिया ही बदल जाता है। मानने से जानना एक टोटल ट्रांसफॉर्म की प्रक्रिया है। जानने वाले को कोई भी चिह्न बांध नहीं सकता, क्योंकि वह संसार को भी जानने वाला हो जाता है, दृष्टा या साक्षी की तरह वह कहीं भी नहीं फंसता। वह मानता कुछ भी नहीं बल्कि जानता सब कुछ है। जानना, चेतना की ऊंची अवस्था है, यह बोध की प्रक्रिया है, जहां माया और आत्मा का संपूर्ण बोध हो जाता है। चित्त की स्थिति के आधार पर मनुष्यों को उच्च, मध्यम और निम्न तीन वर्ग में बांट सकते हैं। उच्च वर्ग में वे आते हैं जो मानने से ऊपर उठकर जानने वाले हो चुके होते हैं फिर संसार का सब कुछ उनके लिए तुच्छ हो जाता है। मध्यम वर्ग में व्यक्ति, मनुष्यों द्वारा बनाई गई संस्था, जाति, धर्म, देश, संप्रदाय, भ्रष्टाचार, हिंसा, कानून, धन, पद-प्रतिष्ठा आदि को मानने लगते हैं। इस तरह हम 'मानने' वाले बन जाते हैं और जब मानने वाले होते हैं तब उस व्यवस्था को सुधारने लगते या उसमें आस्था रखने लगते हैं या आदर करने लगते हैं और इस प्रकार उसी में फंसे रहते हैं। लेकिन एक तीसरे प्रकार के लोग होते हैं जिनको समाज की सभी मान्यताएं, नियम, पद आदि समझ में नहीं आते, वे लोग अपने में ही उलझे रहते हैं। वे विचारधारा के आधार पर निम्न वर्ग में आते हैं।

डॉ. सुरक्षीत गोस्वामी

सूर्य मित्र कृषि फीडर योजना समिट में मिलेंगे निवेश के व्यापक अवसर

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के सौर ऊर्जीकरण अंतर्गत वर्ष 2030 तक 500 गीगावॉट के लक्ष्य को हासिल करने संबंधी स्वप्न को साकार करने में अपना योगदान देने के लिये मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मार्गदर्शन में राज्य सरकार निरंतर कार्य कर रही है। प्रदेश में निरंतर सौर ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिये एक के बाद एक संयंत्र लगाये जा रहे हैं। इनसे प्रदेश की ऊर्जा उत्पादन क्षमता में सौर ऊर्जा की भागीदारी निरंतर बढ़ती जा रही है।

कृषकों की ऊर्जा आवश्यकताओं, मुख्य रूप से सिंचाई आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए, उनके करीब सौर ऊर्जा का उत्पादन कर, आय के अवसर उपलब्ध करवाते हुए, नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रधानमंत्री किसान ऊर्जा सुरक्षा एवं उत्थान महाभियान (पीएम-कुसुम) योजना लागू की गयी है। पीएम-कुसुम योजना के घटक कुसुम-सी में ग्रिड संबंद्ध सिंचाई पम्पस् को ऊर्जीकृत करने के लिये कृषि फ़ीडर का सोलराइजेशन किया जाना है। योजना में सोलर संयंत्र स्थापना के लिये रु. 1.05 करोड़ प्रति मेगावाट केन्द्रीय सहायता राशि का प्रावधान है।

परियोजना के विकासकों एवं अन्य स्टेक होल्डर्स को निगम द्वारा इस निविदा, वित्तीय प्रबंधन, तकनीकी जानकारी देने के लिये सूर्य मित्र कृषि फीडर योजना समिट 10 जून को कुशाभाऊ ठाकरे इंटरनेशनल कन्वेंशन सेन्टर में आयोजित होगी।

सौर ऊर्जा का एक महत्वपूर्ण पक्ष उपयोग करने के स्थान (बिंदु) पर इसके उत्पादन के साथ उपयोग करना भी है। सौर ऊर्जा के व्यापक उपयोग के लिये इन परियोजनाओं को विकेंद्रीकृत रूप से स्थापित किया जा सकता है। सरकार कृषि को लाभ का धंधा बनाने के लिए किसानों के हित में सिंचाई के लिये ऊर्जा की 10 घंटे आपूर्ति सुनिश्चित करने के उद्देश्य से लगभग 8000 समर्पित कृषि फीडर स्थापित किए गए हैं। इनका निरंतर विस्तार प्रक्रियाधीन है।

प्रदेश में 33/11 किलो वोल्ट विद्युत उप केन्द्रों पर सौर ऊर्जा परियोजना की स्थापना के समग्र लाभ को दृष्टिगत रखते हुए कार्य किया जा रहा है। प्रदेश में पीएम-कुसुम योजना के घटक कुसुम-सी में प्रदत्त लक्ष्य तक सीमित न रखते हुए और योजना को तकनीकी रूप से अधिक उपयोगी बनाते हुए कृषि फ़ीडर सोलराइजेशन को विस्तार दिया जा रहा है। इसके विस्तारीकरण के लिये ही सूर्य-मित्र कृषि फीडर योजना क्रियान्वित की जा रही है।

सूर्य-मित्र कृषि फीडर योजना के प्रमुख उद्देश्य म.प्र. पॉवर मैनेजमेंट कंपनी लिमिटेड को कम दर पर विद्युत उपलब्ध कराना है। सीधे विद्युत खपत स्थल पर ऊर्जा प्रदाय कर पारेषण हानि को कम करना, कृषि लोड का दिन में प्रबंध करना, किसान को सिंचाई के लिये दिन में बिजली उपलब्ध कराना भी इसका उद्द्देश्य है ताकि कृषकों की जीवन शैली को बेहतर बनाया जा सके। इसका उद्देश्य 33/11 किलो वोल्ट विद्युत वितरण उप केन्द्रों पर स्थापित पॉवर ट्राँसफार्मर पर ओवर-लोडिंग के परिणाम स्वरूप लो-वोल्टेज एवं पॉवर कट की समस्या को कम करना भी है। इन परियोजनाओं की स्थापना से विद्युत उपकेन्द्रों के उन्नयन पर आने वाले वित्तीय भार से बचा जा सकेगा। साथ ही बिना किसी निवेश के ग्रिड स्टेबिलिटी प्रबंधन किया जा सकेगा।

सूर्य-मित्र कृषि फीडर योजना में 100 प्रतिशत क्षमता तक विद्युत् सब-स्टेशन की सौर परियोजनाओं की स्थापना की जा सकेगी। इन परियोजनाओं के विकासकों के चयन के लिये म.प्र. ऊर्जा विकास निगम द्वारा निविदा जारी की गयी है। इसमें शासन के साथ 25 वर्षों तक विद्युत क्रय अनुबंध किया जाएगा। निविदा में 1900 से अधिक सब-स्टेशन पर 14 हजार 500 मेगावाट क्षमता परियोजनाओं के चयन के लिये अवसर उपलब्ध हैं। परियोजनाओं की स्थापना में पीएम कुसुम योजनान्तर्गत अनुदान प्राप्त करने का विकल्प उपलब्ध होगा। परियोजनाओं को एग्रीकल्चर इन्फ्रास्ट्र. र फंड से 7 वर्षों तक 3 प्रतिशत्त ब्याज में छूट का प्रावधान भी किया गया है। वोकल फॉर लोकल के अंतर्गत स्थानीय उद्यमियों के लिए निवेश एवं रोजगार के अवसर उपलब्ध होंगे।

क्रांतिदीप अलूने

(लेखक जनसम्पर्क विभाग भोपाल में अधिकारी पद पर पदस्थ हैं।)

संक्षिप्त खबरें

आरक्षक भर्ती की सीबीआई से कराई जाए जांचः कटारे

विशेष संवाददाता, भोपाल। विधानसभा में उपनेता प्रतिपक्ष हेमंत कटारे ने आरक्षक भर्ती परीक्षा में हुए फर्जीवाड़े की जांच सीबीआई से कराने की मांग की है। इस संबंध में सीएम को कटारे ने पत्र लिखा है। उन्होंने पत्र में लिखा कि व्यापम की तर्ज पर एक बार फिर से मप्र पुलिस आरक्षक घोटाला में बड़ा फर्जीवाड़ा सामने आया है। जिसमें प्रदेश के 8 जिलों सहित छत्तीसगढ़ व बिहार राज्यों के 16 प्रकरणों में अपराध पंजीबद्ध कर 24 अरोपियों को गिरफ्तार कर विवेचना जारी है। इस पूरे मामले में परीक्षा सम्पन्न कराने वाली संस्था व उससे जुड़े अधिकारी कर्मचारी की संलिप्तता से इंकार नहीं किया जा सकता। ऐसे में इस मामले की जांच पुलिस के बजाय केन्द्रीय जांच एंजेसी से कराई जाए।

देशवासियों के लिए गौरव का क्षण : सीएम

विसं भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा दुनिया के सबसे ऊंचे चिनाब रेलवे ब्रिज और देश के पहले केबल-स्टेड रेलवे पुल का शुभारंभ देशवासियों के लिए गौरव का क्षण है। मुख्यमंत्री ने एक्स संदेश में कहा है कि जम्मू-कश्मीर में स्थापित चिनाब रेलवे अत्याधुनिक तकनीक, बेमिसाल इंजीनियरिंग और दृढ़ संकल्प को साकार करने का प्रतीक है। डॉ. यादव ने कहा कि चिनाब रेलवे ब्रिज और केबल-स्टेड रेलवे पुल अंजी ब्रिजका शुभारंभ सभी भारतीयों के लिए महत्वपूर्ण सौगात है ।

मेघालय सीएम से इंदौर के दंपत्ति मामले पर की चर्चा

विशेष संवाददाता, भोपाल। मध्यप्रदेश विधानसभा की शासकीय आश्वासन संबंधी समिति ने असम एवं मेघालय राज्य के दौरे के दौरान वहां की विधानसभाओं की संसदीय प्रक्रियाओं एवं आश्वासनों के निराकरण की प्रक्रिया का अध्ययन किया। विस अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर के निर्देश पर उत्तर-पूर्वी राज्यों की विधानसभा में आश्वासनों की स्थिति एवं निराकरण की प्रक्रिया का अध्ययन करने एवं समिति द्वारा आश्वासनों की पूर्ति कैसे कम से कम समय की जाए इस दिशा में अध्ययन करने के लिए आयोजित किया गया है। समिति ने अपने मेघालय प्रवास के दौरान वहां के मुख्यमंत्री कॉनराड संगमा से सौजन्य भेंट की और उनसे इंदौर के दंपत्ति राजा रघुवंशी की हत्या एवं उनकी पत्नी के लापता होने के विषय पर भी चर्चा की।

कोष एवं लेखा विभाग ने सभी विभागों से 15 दिन में कर्मचारियों का डेटा उपलब्ध कराने को कहा

चार माह से प्रदेश के 50 हजार कर्मचारियों का नहीं निकला वेतन, गड़बड़ी की आशंका

विशेष संवाददाता, भोपाल। मध्यप्रदेश के 50 हजार नियमित और अनियमित कर्मचारियों का पिछले 4 माह से वेतन आहरण नहीं हो रहा है। इस पर कोष एवं लेखा विभाग ने सभी विभागों से कहा कि 15 दिन में कर्मचारियों का डेटा उपलब्ध कराया जाए। हालांकि वित्त विभाग ने इस पर सफाई देते हुए कहा कि ये सभी सेवानिवृत्त कर्मचारी हैं, जिनके सेवानिवृत्त के उपरांत वेतन सूची से नाम हटाने की प्रक्रिया चल रही है। जानकारों की मानें तो कोष एवं लेखा विभाग के संज्ञान में अलग-अलग विभागों के तकरीबन 40 हजार रेगुलर और 10 हजार नॉन रेगुलर कर्मचारियों को पिछले 4 माह से वेतन आहरण नहीं होने की बात आई। इसके बाद विभाग ने सभी विभागों के कोषाधिकारियों को पत्र लिखकर वहां के संबंधित कर्मचारियों के बारे में जानकारी मांगी है। पत्र में साफ तौर पर कहा गया है कि आईएफएमआईएस में पंजीकृत कई नियमित और अनियमित कर्मचारियों की दिसम्बर 2024 के बाद से सैलरी ट्रेजरी से नहीं निकाली गई है। पत्र में वेतन आहरित नहीं होने वाले कर्मचारियों का डेटा भी संलग्न किया गया है। पत्र में विभाग के आयुक्त ने सभी कोषालय अधिकारियों से पूछा है कि आखिर इन कर्मचारियों का वेतन आहरित क्यों नहीं किया गया है। इसकी 15 दिन के भीतर स्पष्ट रूप से कारण सहित जानकारी उपलब्ध कराई जाए। पत्र में यह भी कहा गया कि यदि डेटा में संदिग्ध, काल्पनिक या फर्जी कर्मचारी चिन्हित होते हैं, तो संभागीय संयुक्त संचालक कोष एवं लेखा के माध्यम से तत्काल प्रतिवेदन मुख्यालय को भेजा जाए।

कहीं फर्जी कर्मचारी कोड तो नहीं बनाए गए

जानकारों का कहना है कि यह मामला इसलिए गंभीर है क्योंकि जिन कर्मचारियों के वेतन का आहरण नहीं किया गया है, लेकिन उनके एम्प्लॉयी कोड जनरेट किए गए हैं। इससे भविष्य में वेतन निकलने की आशंका है। इसी तरह सरकार को इस बात का भी संदेह है कि इतनी बड़ी संख्या में कर्मचारियों का वेतन न मिलना कहीं फर्जी कर्मचारी कोड बनाए जाने की वजह तो नहीं है। इसलिए सभी विभागों को पत्र लिखकर ऐसे कर्मचारियों की जानकारी मांगी गई है, जिससे यह पता चल सके कि फर्जी कर्मचारी कोड बनाए गए थे या नहीं। इधर अधिकारियों का कहना है कि संबंधित कर्मचारियों का वेतन नहीं निकाला गया,जबकि खातों में राशि जमा है। ऐसे में यह पत्र गड़बड़ी की संभावनाओं को खत्म करने के लिए लिखा गया है।

डाटा परीक्षण निरंतर प्रक्रिया

50 हजार कर्मचारियों का 4 माह से वेतन आहरण नहीं होने के मामले में कहा जा रहा है कि ये कर्मचारी सेवानिवृत्त हो चुके हैं, लेकिन उनके रिटायरमेंट की तारीख की प्रविष्टि नहीं हुई है। इस संबंध में आयुक्त एवं लेखा विभाग द्वारा कहा गया है कि राज्य शासन द्वारा रेगुलर और नॉन रेगुलर कर्मचारियों के डाटा का परीक्षण आईएफएमआईएस सॉफ्टवेयर के माध्यम से नियमित रूप से किया जा रहा है। यह एक निरंतर प्रक्रिया है। इस संबंध में विभाग ने सभी कोषालय, आहरण एवं संवितरण अधिकारियों को समय-समय पर पत्र लिखकर डाटा की पुष्टि के लिए निर्देश दिए गये हैं। विभाग के अंतगर्त अंतर्गत एक राज्य वित्तीय इंटेलिजेंस सेल (एसएफआईसी) संचालित है जो नियमित अंतराल पर कोषालय के डाटा का विश्लेषण करता है। इसमें कर्मचारियों के वेतन आहरण की मॉनिटरिंग भी की जाती है। इस सेल द्वारा ऐसे लगभग 50 हजार कर्मचारियों के कर्मचारी कोड के डेटा का विश्लेषण किया गया, जिनके पिछले चार महिनों से वेतन का आहरण कोषालय सॉफ्टवेयर से नहीं किया गया। इसलिए ऐसे कर्मचारियों के विवरण का सत्यापन कोषालय अधिकारियों के माध्यम से संबंधित डीडीओ से करवाये जाने के लिए आयुक्त कोष एवं लेखा द्वारा निर्देश जारी किये गये हैं।

थाने, चौकी और तहसील कार्यालय से होगी वीसी के जरिए आरोपियों की पेशी

मुख्य संवाददाता, भोपाल। मप्र शासन के गृह विभाग ने अधिसूचना जारी कर सभी पुलिस थानों, चौकियों और तहसील कार्यालयों से भी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग (वीसी) के जरिए आरोपियों की पेशी कराने का फैसला लिया है। राच्य सरकार ने यह अधिसूचना भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा 265 की उपधारा (3) के तहत जारी की है। राजपत्र में प्रकाशित नोटिफिकेशन के अनुसार, दाण्डिक न्याय प्रणाली के लिए राष्ट्रीय वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग ग्रिड न्यायश्रुति तैयार किया गया है। इसके तहत सभी पुलिस थानों, चौकियों और तहसील कार्यालयों को नेशनल इन्फॉर्मेटिक्स सेंटर (एनआीसी) ग्रिड से जोड़ा जाएगा, जिसके जरिए वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग की जा सकेगी। गृह विभाग की सचिव कृष्णावेणी देशावतु द्वारा जारी आदेश के अनुसार, अब हिरासत में लिए गए आरोपियों की पेशी के लिए पुलिस को एक नया विकल्प मिल गया है।

जेल और अस्पताल में पहले से सुविधा

वीसी से पेशी की सुविधा पहले से ही सरकारी अस्पतालों और जेलों में उपलब्ध है। सरकारी अस्पतालों में पदस्थ डॉक्टरों को आए दिन अदालत में गवाही के लिए पेश होना पड़ता था, जिससे उनका काफी समय बर्बाद होता था और इसका असर मरीजों के इलाज पर भी पड़ता था। इसी कारण अस्पतालों में यह सुविधा शुरू की गई थी। अब पुलिस चौकी, थानों और तहसील कार्यालयों में यह सुविधा शुरू होने के बाद, आरोपियों को बार-बार अदालत लाने-ले जाने और किसी मामले में पेशी के लिए पुलिस अफसरों को अदालत तक जाने की जरूरत नहीं होगी। कई बार पुलिस-प्रशासन के अफसरों को अदालत में पेश होने के लिए लंबी दूरी भी तय करनी पड़ती थी, जिसका असर कानून-व्यवस्था पर भी होता था।

सिंधिया बाराती घोड़े, जो सत्ता के आसपास नाचते हैंः पटवारी

विशेष संवाददाता, भोपाल। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने केन्द्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया और भाजपा में गए उनके समर्थकों को बारात में नाचने वाले और लंगड़ा घोड़ा बताया है। सिंधिया सत्ता के आसपास नाचते हैं। उन्होंने कहा कि यह दुर्भाग्य की बात है कि भाजपा के नेता बच्चियों के कपड़े देखते हैं। पत्रकारों से चर्चा करते हुए पटवारी ने कहा कि भाजपा को राहुल गांधी के बयान पर एतराज है, लेकिन ट्रम्प से भारत सरकार डर रही है। ट्रम्प ने 12 बार दोहराया कि उनके द्वारा सीजफायर कराया गया है। यदि राहुल गांधी के बयान को ओछेपन से जोड़ा जा रहा है तो ट्रम्प के बयान पर खमोशी क्यों है, क्या यह भारत माता का अपमान नहीं है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस वह दल है, जिसका एक-एक कार्यकर्ता भारत माता के मान के लिए अपना सिर कटाने को तैयार रहता है। एक सवाल पर पटवारी ने कहा कि

राहुल गांधी ने बारात के घोड़े उन नेताओं के लिए कहा जो हमेशा सत्ता की सवारी करना चाहते हैं। ऐसे लोग ही सिंधिया के साथ भाजपा में चले गए और जिन्हें लंगड़े घोड़े कहा गया। ये वे लोग हैं जिन्हें कांग्रेस ने सब कुछ दिया, लेकिन संघर्ष के समय पार्टी को छोड़ गए। पटवारी ने कहा कि हमने व्यापमं घोटाले का काला चेहरा देखा है, जिसमें आज तक एक भी आरोपी को सजा नहीं मिली। ये किस तरह का न्याय है?

राहुल गांधी लोगों को कर रहे हैं गुमराह : के. लक्ष्मण

जातिगत जनगणना को लेकर लगाए राहुल पर आरोप, कार्यशाला में भाजपा कार्यकर्ताओं को दिए गए लक्ष्य

विशेष संवाददाता, भोपाल। पिछड़ा वर्ग मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. के. लक्ष्मण ने कहा है कि जातिगत जनगणना को लेकर राहुल गांधी देशवासियों को गुमराह कर रहे हैं। उनके परिवार से तीन प्रधानमंत्री रहे हैं, लेकिन उन्होंने कांग्रेस के 60 साल के शासनकाल में कभी भी जातिगत जनगणना की बात नहीं कही। डॉ. लक्ष्मण शुक्रवार को प्रदेश भाजपा दफ्तर में पत्रकारों से चर्चा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस जो इतने सालों में नहीं कर सकी, वो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 11 सालों में कर दिखाया। अंग्रेजों के जमाने से देश में जातिगत जनगणना होती रही, लेकिन देश के स्वतंत्र होने पर पहले प्रधानमंत्री पं. नेहरू ने सेंट्रल सेंशस एक्ट के माध्यम से जातिगत जनगणना बंद कर दी और काका कालेलकर समिति की रिपोर्ट को ठंडे बस्ते में डाल दी। ओबीसी कमीशन नहीं बनाया। स्व. मोरारजी देसाई की सरकार ने मंडल कमीशन का गठन किया। स्व. वी.पी.सिंह की सरकार ने उसे लागू किया। उस समय कांग्रेस के नेता स्व. राजीव गांधी ने संसद में एक घंटे 40 मिनट का भाषण दिया और मंडल कमीशन का

विरोध किया। 1961 में पं. नेहरू ने राज्यों के मुख्यमंत्रियों को चिट्ठी लिखकर आरक्षण को आर्थिक आधार पर किए जाने की बात कही थी। मनमोहन सिंह की सरकार के समय भाजपा ने जातिगत जनगणना की मांग की थी। जातिगत जनगणना की बात से भाजपा कभी पीछे नहीं हटी। 2014 में मोदी सरकार बनने पर तत्कालीन गृह मंत्री राजनाथसिंह ने कहा था कि हम जातियों को जोड़कर जनगणना करेंगे, लेकिन कोविड संकट के कारण यह संभव नहीं हो सका।

कांग्रेस पिछड़ा वर्ग के लिए मंत्रालय नहीं बना सकीः शर्मा

इससे पहले भाजपा पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ की कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें प्रदेशाध्यक्ष वीडी शर्मा ने कहा कि 60 सालों तक शासन करने वाली कांग्रेस पिछड़ा वर्ग के लिए मंत्रालय नहीं बना सकी । कांग्रेस ने लगातार झूठ फैलाकर माहौल बिगाड़ने, लोगों को गुमराह करने और ज्ञान बांटने के अलावा कुछ नहीं किया। पिछड़ा वर्ग आयोग कहीं अधिकार संपन्न न हो जाए, इस डर से कांग्रेस ने आयोग को संवैधानिक दर्जा नहीं दिया। उन्होंने कहा कि हमें भाजपा सरकार के कामों, उपलब्धियों और कांग्रेस के नकारापन को घर-घर तक पहुंचाना है। प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने जातीय जनगणना कराने का अहम फैसला किया है। कांग्रेस सिर्फ इस पर राजनीति करती आ रही है और हो सकता है कि आने वाले समय में कुछ दल इसको लेकर और राजनीति करके लोगों को गुमराह करने की कोशिश करें।

पर्यटन के क्षेत्र में देश में मप्र तीसरे स्थान पर : मुख्यमंत्री

सीएम ने किया सांदीपनि विद्यालय भवनों का लोकार्पण

विशेष संवाददाता, भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रदेश में पर्यटन को बढ़ावा देने के प्रयास किए जा रहे हैं। पर्यटन के क्षेत्र में मध्यप्रदेश देश में तीसरे स्थान पर है। इसी दिशा में सरकार रतलाम के आलोट में क्षिप्रा-चंबल नदी संगम स्थल पर पर्यटन का विकास करेगी। सीएम शुक्रवार को रतलाम जिले के आलोट में सांदीपनि विद्यालय भवन के लोकार्पण कार्यक्रम के उपरांत उपस्थित जन समुदाय को संबोधित कर रहे थे। इस मौके पर कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत एवं केन्द्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान भी मौजूद रहे। सीएम ने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में प्रदेश सरकार अन्य क्षेत्रों में भी विकास के कार्य कर रही है। सिंचाई के लिए भी कई परियोजनाएं क्रियान्वित की गई हैं। प्रधानमंत्री दूरदर्शी विजन के तहत नदी जोड़ो अभियान की शुरूआत हुई है। राजस्थान एवं मध्यप्रदेश की बेहतरी के लिए पार्वती, चंबल, कालीसिंध नदी जोडों परियोजना स्वीकृत की गई है। इससे प्रदेश के कई गांव को पेयजय एवं सिंचाई के लिए जल मिल सकेगा। मध्यप्रदेश मे लगभग 55 लाख हैक्टेयर में सिंचाई हो रही है। किसानों को विद्युत के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने के लिए सोलर पम्प देने की योजना है। इससे किसानों को बिजली बिल से मुक्ति मिलेगी। डॉ.यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश में शासकीय विद्यालयों में अध्ययन करने वाले विद्यार्थी शिक्षा के क्षेत्र में नए कीर्तिमान स्थापित कर रहें है। प्रदेश शिक्षा के क्षेत्र मे उत्तरोतर प्रगति कर रहा है। शैक्षणिक सत्र 2025 में 10वी एवं 12वी बोर्ड परीक्षा के परिणामों में निजी स्कूलों के बजाए शासकीय

स्कूल के बच्चों ने ज्यादा अच्छा प्रर्दशन किया है। नीट, जेईई जैसी परीक्षाओं में भी सरकारी स्कूलों का प्रदर्शन उत्कृष्ट रहा है। उन्होंने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में कोई कमी नही छोडी जाएगी। कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने कहा कि नवोदय विद्यालय एवं केन्द्रीय विद्यालय और उत्कृष्ट विद्यालय पूरे देश में विद्यार्थियों का शैक्षणिक एवं नैतिक विकास कर रहे हैं। शिक्षा ही सामाजिक एवं आर्थिक विकास का आधार है। भारत में साक्षरता दर निरंतर बढ़ रही है, जिसमें नवोदय विद्यालय एवं केन्द्रीय विद्यालयों का महत्वपूर्ण योगदान है।

समाज को मजबूत बनाते हैं स्कूलः प्रधानः केन्द्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के आधार पर युवाओं को रोजगार मूलक शिक्षा देने में जवाहर नवोदय विद्यालय एवं केन्द्रीय विद्यालय महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। ग्रामीण पृष्ठभूमि के बच्चे नवोदय विद्यालयों में अध्ययन कर जेईई, नीट जैसी परीक्षाएं पास कर उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए महाविद्यालय में प्रवेश ले रहे हैं। लगभग 1 करोड़ 53 लाख बच्चे मध्यप्रदेश के विद्यालयों में अध्ययनरत हैं।

साढ़े तीन लाख विद्यार्थी देंगे दसवीं-बारहवीं की दूसरी परीक्षा

एजुकेशन रिपोर्टर, भोपाल। प्रदेश में स्कूल खुलने के साथ सेकंड एग्जाम में शामिल होने वाले दसवीं-बारहवीं के विद्यार्थियों के लिए विशेष कक्षाएं शुरू हो गई हैं जो 14 जून तक चलेंगी। माशिमं के सेकंड एग्जाम में करीब साढ़े तीन लाख विद्यार्थी शामिल हो रहे हैं। मप्र माध्यमिक शिक्षा मंडल की दसवीं-बारहवीं का परीक्षा परिणाम छह मई 2025 को घोषित किया गया था। बारहवीं में कुल सात लाख छह हजार 559 परीक्षार्थी शामिल हुए थे। इनमें 74.48 फीसदी नियमित और 26.48 फीसदी स्वाध्यायी परीक्षार्थी पास हुए हैं। दसवीं की परीक्षा में नौ लाख 53 हजार 347 परीक्षार्थी शामिल हुए। इसमें 76.22 फीसदी नियमित और 28.7 फीसदी स्वाध्यायी विद्यार्थी पास हुए हैं। माशिमं ने इस बार दसवीं-बारहवीं के विद्यार्थियों को सप्लीमेंट्री की पात्रता नहीं दी है। इसके साथ स्थान पर सेकंड एग्जाम आयोजित किया जा रहा है। सेकंड एग्जाम 17 जून से शुरू होंगे। सेकंड एग्जाम के लिए दसवीं-बारहवीं में करीब साढ़े तीन लाख विद्यार्थियों ने फार्म भरे हैं। दूसरी तरफ स्कूलों में शिक्षकों की छुट्टियां खत्म हो गई हैं। स्कूल खुलने के साथ सेकंड एग्जाम में शामिल होने वाले विद्यार्थियों की विशेष कक्षाएं शुरू हो चुकी हैं। इसके लिए लोक शिक्षण संचालनालय ने सभी जिला शिक्षा अधिकारियों को पत्र लिखा है। पत्र के जरिए सेकंड एग्जाम में शामिल होने वाले विद्यार्थियों के लिए विशेष कक्षाएं लगाने के निर्देश गए हैं।

विषम परिस्थितियों में दिया जाएगा अवकाश

नए सत्र में शिक्षकों को विशेष परिस्थतियों में अवकाश दिया जाएगा। यदि कोई गंभीर बीमार या अन्य समस्या है, तो प्राचार्य के अनुमोदन पर जिला शिक्षा अधिकारी अवकाश स्वीकृत करेंगे। जो महिला शिक्षिकाएं चाइल्ड केयर लीव पर हैं उन्हें भी स्कूलों में वापस बुलाया जाएगा। इसके अलावा टीचर दूसरी जगहों पर अटैच हैं या बीएलओ के रूप में कलेक्टर और तहसील कार्यालयों में बैठकर काम कर रहे हैं, उन्हें भी स्कूलों में बुलाया जा रहा है। लोक शिक्षण संचालनालय ने सेकंड एग्जाम में शामिल होने वाले विद्यार्थियों की पूरी तैयारियों के लिए जिला शिक्षा अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि शिक्षक बच्चों की कमजोरियों को पकड़ें। कक्षाओं में जितना पढ़ाया जाए। उसका दूसरे दिन रिवीजन भी कराया जाए।

समन्वय समिति की सहमति से पीएमसीओई भेजे जाएंगे प्रोफेसर

डिप्लायमेंट को स्थानांतरण में किया जाएगा तब्दील

एजुकेशन रिपोर्टर, भोपाल। उच्च शिक्षा विभाग आयुक्त निशांत बरबडे ने पांच माह से प्रदेश के 616 प्रोफेसरों को री-डिप्लायमेंट कर प्रधानमंत्री कालेज आफ एक्सीलेंस (पीएमसीओई) और स्वशासी कालेजों में पदस्थ किया है। स्थानांतरण पर रोक लगी होने के बाद भी समूचे प्रदेश से प्रोफेसरों को यहां से वहां कर दिया गया। अब उक्त प्रोफेसरों को स्थानांतरित करने कर प्रस्ताव तैयार कर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की समन्वय समिति में भेजा जा रहा है। यहां से स्वीकृति मिलने के बाद प्रोफेसरों को डिप्लायमेंट खत्म कर पदस्थ कर दिया जाएगा। ये वे प्रोफेसर हैं जिन्होंने वर्तमान में ट्रांसफर के लिए आवेदन भरे हैं। उच्च शिक्षा विभाग ने अब प्रोफेसरों को पीएमसीओई में पदस्थ करने के लिए डिप्लायमेंट को स्थानांतरण में तब्दील करने का प्रस्ताव तैयार किया है। मुख्यमंत्री की समन्वय समिति से स्वीकृति मिलने के बाद प्रोफसरों के डिप्लायमेंट को खत्म कर उनके पीएमसीओई में स्थानांतरण होने के आदेश जारी कर दिए जाएंगे।

1830 आवेदन मिले

समूचे राज्य से उच्च शिक्षा विभाग को स्थानांतरण के लिए अंतिम तिथि तक एक हजार 830 आवेदन मिले हैं। इसमें सबसे ज्यादा एक हजार 260 आवेदन प्रोफेसरों द्वारा किए गए हैं। इसके बाद 115 खेल अधिकारी और 114 ग्रंथपाल ने आवेदन किए हैं। कुछ असिस्टेंट रजिस्ट्रार ने आवेदन किए हैं। करीब 300 आवेदन कर्मचारियों ने स्थानांतरण के लिए हैं। विभाग आवेदनों की स्क्रूटनी करेगा। इसमें देखा जाएगा कि कौन से अधिकारी व कर्मचारी कितने समय से एक ही स्थान पर जमे हुए हैं। यहां तक उनके खिलाफ कोई शिकायत दर्ज तो नहीं कराई गई। उच्च शिक्षा संचालनालय ने आवेदनों की स्क्रूटनी कर मंत्री इंदर सिंह परमार के पास भेज दी है। अब अंतिम सूची तैयार की जा रही है। मंत्री परमार का अनुमोदन मिलते ही विभाग प्रोफेसरों के स्थानांतरण के आदेश जारी करेगा।

> पीएमसीओई में भेजे गए प्रोफेसर को स्थानांतरण नीति से अलग रखा गया है। प्रोफेसरों को सीएम समन्वय समिति से अनुमति मिलने के बाद पीएमसीओई में भेजा जाएगा।
>
> ■ अनुपम राजन,
> एसीएस उच्च शिक्षा विभाग

नाबालिग के गर्भपात में देरी के लिए कौन दोषी

जागरण, जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट ने राज्य सरकार से पूछा है क 14 साल की दुष्कर्म पीड़िता के साढ़े सात माह के गर्भपात में देरी किसकी लापरवाही से हुई है। जस्टिस दीपक खोत की अवकाशकालीन बेंच ने राज्य सरकार को इस संबंध में रिपोर्ट पेश करने के निर्देश दिए गए। हाईकोर्ट की 20 फरवरी 2025 को बनाई गई गाइडलाइन के तहत अगर कोई नाबालिग रेप पीड़िता 24 हफ्ते (करीब 6 महीने) से ज्यादा गर्भवती हो, तो गर्भपात के लिए हाईकोर्ट से मार्गदर्शन लेना होगा। यह आदेश सभी जिम्मेदार विभागों को दिया गया था। बालाघाट जिला निवासी बच्ची के गर्भपात की अनुमति के लिए जिला कोर्ट ने हाईकोर्ट को पत्र लिखा था। हाईकोर्ट को यह पत्र 26 मई को मिला, लेकिन सिविल सर्जन की रिपोर्ट में यह साफ नहीं है कि दुष्कर्म की रिपोर्ट थाने में कब दर्ज हुई। यह भी साफ नहीं है कि 20 फरवरी के आदेशों का सही पालन हुआ या नहीं।

झाड़ियों में छिपी बाधिन ने महिला पर लगाई छलांग

जागरण, उमरिया। झाड़ियों के पीछे छुपकर बैठी बाधिन ने बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व के पास एक महिला पर छलांग लगा दी। शौच के लिए गई महिला के गले और गाल पर घाव होने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, बुरहानपुर में पेड़ों से गोंद निकालने गए युवक का शव जंगल में मिला है। यह जंगल महाराष्ट्र के मेलघाट टाइगर रिजर्व से लगा हुआ है। बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व के मानपुर बफर जोन में शुक्रवार सुबह राखी गांव की निवासी गल्ली बाई यादव (40) शौच के लिए भीतरी नाला के पास गई थी। इसी दौरान झाड़ियों में छिपी बाघिन ने हमला कर दिया। महिला के गाल और गले पर बाघिन के पंजे के निशान मिले हैं। महिला की मौके पर ही मौत हो गई। शव मिलने के बाद गांव में मातम के बीच लोगों में दहशत फैल गई है। घटना के बाद टाइगर रिजर्व प्रबंधन ने निगरानी बढ़ा दी है। टीम को आसपास बाघिन के पगमार्ग भी मिले हैं। हालांकि विभाग का दावा है कि बाघिन ने शिकार के इरादे से हमला नहीं किया है, वह महिला के ऊपर से छलांग लगाकर गुजरी है, जिससे उसकी मौत हुई है। उसके शरीर का हिस्सा डैमेज नहीं है। यह क्षेत्र बफर जोन की सीमा पर है। इलाके में बाघिन की मूवमेंट बना रहता है।

अब हाथियों पर बैठकर सर्च कर रही टीम, दहशत में ग्रामीण

वन्यप्राणी के हमले में युवक की मौत : वहीं, बुरहानपुर में मेलघाट टाइगर रिजर्व से सटे जंगल में एक युवक का शव मिला है। इस युवक की मौत किसी वन्यप्राणी के हमले से हुई है। युवक के गर्दन पर घाव मिले हैं। बताया जाता है कि बुरहानपुर वन मंडल की बोदरली रेंज के चाकबारा मगरडोह गांव में रहने वाला लटटु सुरपाल शुक्रवार सुबह साथियों के साथ जंगल में गोंद इकट्ठा करने गया था। इस दौरान वह अपने साथियों से बिछड़ गया।

चार लाख के पार हुए कॉलेजों में प्रवेश लेने के लिए पंजीयन

आज सत्यापन का अंतिम दिन

एजुकेशन रिपोर्टर, भोपाल। उच्च शिक्षा विभाग ने निजी कॉलेजों को मान्यता देने का सिलसिला अभी थम नहीं रहा है। इससे उन्हें संबंधित विवि से संबद्धता भी मिलने लगी है। अब वे विभाग की आनलाइन काउंसलिंग से जुडने भी लगे हैं। वर्तमान में प्रदेश के एक हजार 34 निजी, सरकारी और अल्पसंख्यक कालेज और 775 एनसीटीई कोर्स को संचालित करने वाले कालेजों में प्रवेश लेने के लिए पंजीयन कराने का शुक्रवार अंतिम दिन था। प्रथम राउंड की काउंसलिंग में करीब चार लाख 15 हजार विद्यार्थियों ने पंजीयन करा लिए हैं। वहीं तीन लाख 44 हजार विद्यार्थियों का सत्यापन कर लिया है। सत्यापन कराने का अंतिम दिन शनिवार है। इससे सत्यापित विद्यार्थियों का आंकडा और ऊपर जा सकता है। क्योंकि अभी तक 80 हजार विद्यार्थी सत्यापन वे वंचित हैं। विभाग 12 जून को सीटों का आवंटन करेगा। विद्यार्थी 13 से 18 जून तक फीस जमा कर प्रवेश ले पाएंगे। बिना फीस के विद्यार्थियों के प्रवेश मान्य नहीं होंगे।

60 फीसदी ने खुद किया पंजीयन

काउंसलिंग के दौरान करीब 60 फीसदी विद्यार्थियों ने मोबाइल एप और अपने लैपटॉप से पंजीयन किए हैं। इससे विद्यार्थियों को कियोस्क के पास तक जाने की जरुरत नहीं पड रही है। इससे वे कियोस्क से अवैध वसूली से भी बच रहे हैं।

कॉलेजों की स्थिति

अनुदान प्राप्त कालेज	58
निजी कालेज	414
सरकारी कालेज	563
यूजी पंजीयन	2,23,605
पीजी पंजीयन	86,400
सत्याापन	2,28,000

एनसीटीई कॉलेजों की स्थिति

कालेज	775
बीएड पंजीयन	1,05,600
सत्यापन	77,100

एनसीटीई कोर्स में 92 हजार पंजीयन

विभाग ने एनसीटीई के कोर्स जैसे बीएड, बीपीएड, एमएड, एमपीएड, बीएडएमएड, आईटीईपी, बीएलएड, अंशकालीन बीएड और राच्य शिक्षा केंद्र का बीएड में प्रवेश लेने के लिए विद्यार्थी प्रथम चरण में शुक्रवार तक पंजीयन और शनिवार तक कर सकेंगे। अभी तक एनसीटीई कोर्स में एक लाख पांच हजार विद्यार्थियों का पंजीयन कर चुके हैं। इसमें 88 हजार का सत्यापन हो सका है। विभाग नौ जून को मेरिट जारी करेगा। विभाग 12 जून को प्रवेश आवंटित करेगा। 13 से 18 जून तक मूल दस्तावेज, टीसी माईग्रेशन का भौतिक सत्यापन के लिए उपस्थित होकर लिंग इनिशिएट कराएंगे। विद्यार्थी 14 से 19 जून तक प्रवेश ले पाएंगे।

एमपी आनलाइन ने बंद किया पोर्टल, अटकी एनओसी

भोपाल। एमपी आनलाइन ने उच्च शिक्षा विभाग का एनओएसी का पोर्टल बंद कर दिया। इससे करीब 50 कालेजों की एनओसी अटक गयी है। एनओसी अटकने से विभाग मैनुयली वर्क करने पर उतर आया है। अब वह मैनुयली एनओसी तैयार कर जारी करेगा। वहीं विभाग ने एमपीआनलाइन से पोर्टल चालू करने के लिए कहा है, ताकि कालेजों की एनओसी जारी हो सके। एमपी आनलाइन पोर्टल शुरू कराने के लिए विभाग से अनुबंध करने को कहा रहा है, जिसके लिए विभाग तैयार नहीं हैं। उच्च शिक्षा विभाग का एमपी आनलाइन से अनुबंध गत माह खत्म हो गया है। इसके लिए बाद भी एमपी आनलाइन विभाग के एनओसी पोर्टल की सेवाएं दे रहा था। एक माह से लगातार एमपीआनलाइन के अधिकारी आयुक्त निशांत बरबड़े से अनुबंधन कर सर्विस को नियमित बनाए रखने के लिए कह रहे थे। आयुक्त बरबड़े ने अनुबंध को तवज्जो नहीं दी तब एमपीआनलाइन ने शुक्रवार की सुबह विभाग के एनओसी पोर्टल को बंद कर दिया। जैसे ही पोर्टल बंद किया। वैसे ही प्रदेशभर में खलबली मच गई। क्योंकि शुक्रवार को 80 कालेजों की एनओसी और निरंतरता जारी होना थी। करीब पचास कालेजों की एनओसी पोर्टल पर अपलोड होना थी, जो पोर्टल बंद होने के कारण नहीं हो सकी। एनओसी अपलोड नहीं होने पर कालेज संचालकों ने विभागीय अधिकारियों को फोन लगाना शुरू कर दिया। इससे अधिकारियों में भी हायतौब मच गई। आयुक्त बरबडे ने एमपी आनलाइन से एक सप्ताह मौहल मांगी है। विभाग एक सप्ताह में एमपी आनलाइन से अनुबंध कर लेगा।

संक्षिप्त समाचार

पीएम को सरेंडर करने की आदत: राहुल गांधी

नालंदा। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने शुक्रवार को एक बार फिर पीएम नरेंद्र मोदी पर हमला बोला। उन्होंने यहां राजगीर में कहा, मोदी को सरेंडर करने की आदत है। ट्रंप ने सार्वजनिक तौर पर 11 बार बोला कि मैंने मोदी को सरेंडर करवाया। पीएम कुछ नहीं बोल पाए। वो क्यों नहीं बोले कि ट्रंप झूठ बोल रहे हैं। वे इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर में अति पिछड़ा समाज को संबोधित कर रहे थे। 30 मिनट के भाषण में उन्होंने कहा, मोदी जी हर भाषण में कहते थे कि मैं ओबीसी हूं। जातीय जनगणना की बात के बाद कहते हैं कि भारत में जाति नहीं है। अगर जाति नहीं है, तो आप कैसे ओबीसी हो गए। राहुल गांधी ने कहा, बिहार की नई डेफिनेशन क्राइम कैपिटल ऑफ इंडिया है, कहां से कहां पहुंच गए आप। पहले नालंदा में पूरी दुनिया से लोग आते थे, आज यहां से पूरी दुनिया में जाते हैं।

सेना के हेलिकॉप्टर की इमरजेंसी लैंडिंग

सहारनपुर। उप्र के सहारनपुर में सेना के अपाचे हेलिकॉप्टर की इमरजेंसी लैंडिंग करवानी पड़ी। शुक्रवार शाम तकरीबन 4 बजे पायलट ने यमुना नदी किनारे जोधेबांस गांव के बाहर मैदान में लैंडिंग कराई। कुछ देर में सेना और पुलिस के जवानों ने इलाके को घेर लिया। हेलिकॉप्टर में सवार दोनों पायलट सुरक्षित हैं। आधे घंटे बाद सहारनपुर के सरसावा एयरपोर्ट से मदद के लिए दूसरा हेलिकॉप्टर आया। करीब एक घंटे की मरम्मत के बाद तकनीकी खामी को दूर किया फिर हेलिकॉप्टर ने उड़ान भरी। आसपास के गांवों से लोग हेलिकॉप्टर देखने पहुंचे थे। अपाचे अटैक हेलिकॉप्टर भारतीय सेना का एक लड़ाकू विमान है, जिसे विशेष ऑपरेशनों और दुश्मन के ठिकानों पर सटीक हमलों के लिए इस्तेमाल किया जाता है।

रोक के बावजूद गाजा के लिए निकलीं ग्रेटा थनबर्ग

तेल अवीव। स्वीडिश पर्यावरण कार्यकर्ता ग्रेटा थनबर्ग जहाज से गाजा की यात्रा पर निकली हैं। वे अपने साथ गाजा के लोगों के लिए दवा, अनाज, बच्चों के लिए दूध, डाइपर और वाटर प्यूरीफायर ले जा रही हैं। इसमें उनके साथ 11 और लोग हैं जो 'मैडलीन' नाम के एक जहाज पर सवार हैं। थनबर्ग टीम के साथ इटली के सिसली द्वीप से 1 जून को रवाना हुई थी। अगर कोई रुकावट नहीं हुई तो 2000 किमी की दूरी तय कर मैडलीन जहाज 7 जून यानी कि ईद के दिन गाजा पहुंच जाएगा। इस यात्रा का मकसद सिर्फ मदद पहुंचाना ही नहीं, बल्कि इजराइल द्वारा गाजा पर लगाए गए प्रतिबंधों के खिलाफ शांतिपूर्ण विरोध जताना भी है। इस बीच इजराइल ने ग्रेटा थनबर्ग की इस यात्रा को लेकर कड़ा रुख अपनाया है। इजराइली सेना ने कहा कि वे जरूरत पड़ने पर जरूरी कदम उठाएंगे। हालांकि, ग्रेटा और उनके साथी इस अभियान को पूरी तरह शांतिपूर्ण और मानवीय बता रहे हैं।

राहत सामग्री लेकर जहाज से ईद पर पहुंचेंगी

सिंधु जल संधि निलंबन से घुटनों पर पाकिस्तान, फिर लिखा पत्र

एक के बाद भारत को भेजे चार लेटर, ऑपरेशन सिंदूर के बाद लिखा तीन पत्र

नई दिल्ली, जेएनएन। सिंधु जल संधि को लेकर पाकिस्तान की मुश्किलें कम होने के बजाय बढ़ती जा रही हैं। पहलगाम आतंकी हमले के बाद से भारत ने सिंधु जल संधि को निलंबित कर रखा है। इसके बाद पाकिस्तान लगातार भारत से गुहार लगा रहा है। पाकिस्तान ने भारत को चार पत्र लिखकर इस फैसले पर फिर से विचार करने का आग्रह किया है। दूसरी तरफ भारत ने जल संधि को निलंबित करने के फैसले के पीछे सीमा पार आतंकवाद को कारण बताया है। साथ ही, जल परियोजनाओं को लेकर भी कुछ तकनीकी आपत्तियां हैं। इस पूरे मामले से दोनों देशों के बीच रिश्तों में और खटास आ गई है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार पाकिस्तान ने भारत को चार पत्र भेजे हैं। यह पत्र पाकिस्तान के जल मंत्रालय के सचिव सैयद अली मुर्तजा की तरफ से भेजे गए हैं। इनमें से तीन पत्र ऑपरेशन सिंदूर के बाद भेजे जा चुके हैं। पहला पत्र मई की शुरुआत में 'ऑपरेशन सिंदूर' शुरू होने से पहले भेजा गया था। इसके बाद मुर्तजा ने तीन और पत्र भेजे हैं। सूत्रों के हवाले से कहा गया है कि सभी पत्र जल शक्ति मंत्रालय के माध्यम से विदेश मंत्रालय को भेजे गए हैं।

भारत की रणनीति?

पहलगाम हमले के बाद पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा था कि व्यापार और आतंकवाद, पानी और खून, गोलियां और बातचीत एक साथ नहीं चल सकते। सिंधु जल संधि को निलंबित करने से भारत को कई फायदे हुए हैं। भारत ने सिंधु नदी प्रणाली से जुड़ी रणनीतिक जल बुनियादी ढांचा परियोजनाओं पर काम तेज कर दिया है। एक महत्वपूर्ण परियोजना 130 किलोमीटर लंबी नहर है। यह नहर ब्यास नदी को गंगा नहर से जोड़ेगी। इसे यमुना नदी तक बढ़ाने का भी प्रस्ताव है। 200 किमी की इस परियोजना में 12 किमी लंबी सुरंग भी है। इससे यमुना का पानी गंगासागर तक पहुंच सकेगा। दिल्ली, हरियाणा, पंजाब और राजस्थान जैसे राज्यों को इस परियोजना से लाभ होगा। सरकार का कहना है कि काम तेजी से चल रहा है और दो से तीन साल में पूरा होने की उम्मीद है। एक विस्तृत परियोजना रिपोर्ट भी तैयार की जा रही है।

क्यों घुटनों पर आया पाक

संधि के निलंबन से पाकिस्तान घुटनों पर आ चुका है। संधि के निलंबन से पाकिस्तान पर बुरा असर पड़ सकता है। इससे पाकिस्तान की रबी फसलें प्रभावित हो सकती हैं। खेती के अलावा, पानी की कमी से लोगों का जीवन भी प्रभावित हो सकता है। पाकिस्तान ने इस मामले में विश्व बैंक से मध्यस्थता करने का अनुरोध किया है। हालांकि, विश्व बैंक ने भारत के आंतरिक मामले में हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया है। भारत ने टीडब्ल्यूटी को 21वीं सदी की जरूरतों के हिसाब से बदलने की बात कही है। भारत का कहना है कि 1950, 1960 के दशक में बनी यह संधि अब पुरानी हो चुकी है, क्योंकि अब पानी के बहाव में बदलाव आया है। ग्लेशियर पिघल रहे हैं, जनसंख्या बढ़ रही है और पानी और ऊर्जा का सही तरीके से इस्तेमाल करना जरूरी है। भारत संधि को आधुनिक बनाने की बात कर रहा है, लेकिन पाक विरोध कर रहा। भारतीय अधिकारियों का कहना है कि पाकिस्तान का यह रवैया संधि के नियमों के खिलाफ है। पहलगाम हमले के बाद भारत ने कई कूटनीतिक, रणनीतिक कदम उठाए हैं, इनमें टीडब्ल्यूटी में भागीदारी को निलंबित करना भी शामिल है।

अंतरिम सरकार के सलाहकार यूनुस का राष्ट्र के नाम संबोधन में ऐलान

बांग्लादेश में अप्रैल 2026 में चुनाव

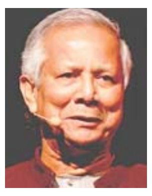

ढाका, जेएनएन। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस ने देश में अगले राष्ट्रीय चुनाव की घोषणा कर दी है। उन्होंने शुक्रवार को कहा कि देश का अगला राष्ट्रीय चुनाव अप्रैल 2026 के पहले पखवाड़े (1 से 15 अप्रैल के बीच) में होगा। ईद-उल-अजहा की पूर्व संध्या पर राष्ट्र के नाम प्रसारित संबोधन में यूनुस ने कहा, चुनाव आयोग जल्द ही एक विस्तृत रोडमैप जारी करेगा। उन्होंने कहा, अंतरिम सरकार ने तीन मुख्य उद्देश्यों के साथ पदभार संभाला था। सुधार, न्याय, चुनाव। युनूस ने कहा, सरकार ने सभी दलों से परामर्श किया है, ताकि सुनिश्चित किया जा सके कि आगामी चुनाव देश के इतिहास में सबसे स्वतंत्र, निष्पक्ष, प्रतिस्पर्धी और स्वीकार्य हो। उन्होंने कहा कि लक्ष्य एक ऐसी प्रक्रिया बनाना है, जो शहीदों की आत्माओं को संतुष्ट करे और राष्ट्र द्वारा ईमानदारी और निष्पक्षता के लिए याद किया जाए। उनकी घोषणा से चुनाव के समय को लेकर महीनों से चल रही अटकलों व राजनीतिक खींचतान का अंत हो गया है। यूनुस ने पहले सुझाव दिया था कि सुधारों की गति के आधार पर दिसंबर 2025 और जून 2026 के बीच कभी चुनाव हो सकते हैं।

इसलिए चुनाव में देरी

खालिदा जिया की बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) और उसके सहयोगी दलों ने दिसंबर 2025 तक चुनाव कराने पर जोर दे रहे थे, जबकि नवगठित नेशनल सिटिजन पार्टी ने सुधारों के पूरा होने के बाद ही चुनाव कराने की मांग की थी। हालांकि, यूनुस ने कहा कि उनका ध्यान चुनावों से पहले सुधारों को क्रमबद्ध करने पर है। उन्होंने कहा, आने वाले महीने न्याय और सुधार के ढांचे को अंतिम रूप देने के लिए महत्वपूर्ण होंगे, जिन पर व्यापक राजनीतिक सहमति बन सके।

ट्रंप को झटका, विदेशी छात्रों पर प्रतिबंध पर रोक

न्यूयार्क। अमेरिका की एक संघीय कोर्ट से राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को झटका लगा है। कोर्ट ने ट्रंप के उस आदेश पर अस्थायी रोक लगा दी है, जिसमें उन्होंने हार्वर्ड विश्वविद्यालय में विदेशी छात्रों के प्रवेश पर प्रतिबंध लगाया था। मैसाचुसेट्स स्थित न्यायाधीश एलिसन बरोज ने यह आदेश विश्वविद्यालय द्वारा ट्रंप के आदेश को कानूनी चुनौती देने के बाद दिया है। याचिका में हार्वर्ड ने व्हाइट हाउस की मांगों को अस्वीकार करने के लिए 'अवैध प्रतिशोध' कहा है। सुनवाई के बाद कोर्ट ने आदेश में कहा, अगर यह घोषणा (ट्रंप का आदेश) प्रभावी हो गई, तो अमेरिका के सबसे पुराने विश्वविद्यालय को 'तत्काल और अपूरणीय क्षति' का सामना करना पड़ेगा।

तेजी से बढ़ रहे कोविड केस 20 दिन में 5364, 55 मौतें

एक दिन में 500 नए केस, ओडिशा के स्कूलों में मास्क अनिवार्य

नई दिल्ली, जेएनएन। देश में कोरोना वायरस के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक, पिछले 20 दिन में केसों की संख्या में 58 गुना की बढ़ोतरी हुई है। 16 मई को देशभर में कोविड के 93 एक्टिव केस थे, जिनकी संख्या अब 5364 पहुंच गई है। कोरोना 29 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में फैल गया है। बीते 24 घंटे में 500 नए मामले सामने आए हैं। केरल में सबसे ज्यादा 1679 मामले हैं। इसके बाद गुजरात में 615, पश्चिम बंगाल में 596, दिल्ली में 592 और महाराष्ट्र में 548 एक्टिव केस हैं। कोरोना के नए वैरिएंट्स से जनवरी से अब तक 55 मौतें हो चुकी हैं। इनमें से 53 की मौत 15 दिनों में हुई हैं। गुरुवार को दिल्ली में कोविड से दो और मौतें दर्ज की गईं। इनमें एक पांच महीने का बच्चा भी शामिल है। वहीं, केरल में 2, कर्नाटक और पंजाब में 1-1 मौत हुई है। महाराष्ट्र में सबसे ज्यादा 17 मरीजों ने जान गंवाई है। ओडिशा में गर्मी की छुट्टियों के बाद स्कूल कोविड गाइडलाइन के तहत खोले गए हैं। शिक्षा

मंत्री नित्यानंद गोंड ने बताया कि जिन बच्चों को सर्दी, खांसी या बुखार जैसे हल्के लक्षण हैं, उन्हें स्कूल में मास्क पहनना अनिवार्य है। गंभीर लक्षण वाले बच्चों को घर पर ही रहकर आइसोलेट होने की सलाह दी गई है।

कोरोना को लेकर राज्यों में मॉकड्रिल

केंद्र सरकार गुरुवार को देशभर के राज्यों के चुनिंदा अस्पतालों में मॉक ड्रिल हुई। इस दौरान इन अस्पतालों में ऑक्सीजन सप्लाई, जरूरी दवाओं की स्थिति और वेंटिलेटर की व्यवस्थाओं को परखा गया। इससे बनी रिपोर्ट में कोरोना की चौथी लहर आने की स्थिति में अस्पतालों की तैयारियों पर रेटिंग दी जाएगी।

नागार्जुन के छोटे बेटे अखिल ने गुपचुप रचाई शादी

मुंबई, जेएनएन। साउथ सुपरस्टार नागार्जुन के दूसरे बेटे और टॉलीवुड एक्टर अखिल अक्किनेनी शादी के बंधन में बंध गए। उन्होंने लॉन्ग टाइम गर्लफ्रेंड जैनब रावजी के साथ ट्रेडिशनल तेलुगु स्टाइल में सात फेरे लिए। दोनों की शादी नागार्जुन के हैदराबाद स्थित घर जुबली हिल्स में सीक्रेट तरीके से हुई। इस दौरान सिर्फ परिवार के सदस्य और करीबी दोस्त मौजूद थे। भाई नागा चैतन्य और भाभी शोभिता धुलिपाला भी फंक्शन का हिस्सा बने। शादी के लिए अखिल और जैनब ने ट्रेडिशनल तेलुगु वेडिंग आउटफिट पहना था। जैनब पेस्टल आइवरी सिल्क साड़ी और गोल्डन ब्लाउज में बेहद खूबसूरत लग रही थीं और उन्होंने इसके साथ ट्रेडिशनल गोल्ड जूलरी पहनी थी। वहीं, अखिल ने सिंपल आइवरी कुर्ता और धोती में नजर आए। अखिल-जैनब की शादी में एक्टर चिरंजीवी, राम चरण, डायरेक्टर एसएस राजामौली जैसे दिग्गज शामिल हुए। इंटीमेट वेडिंग के बाद अक्किनेनी फैमिली 8 जून को ग्रैंड रिसेप्शन पार्टी होस्ट करने वाली है। ये पार्टी अन्नपूर्णा स्टूडियो में रखी जाएगी, जिसमें फिल्म और पॉलिटिक्स के बड़े नाम नजर आ सकते हैं।

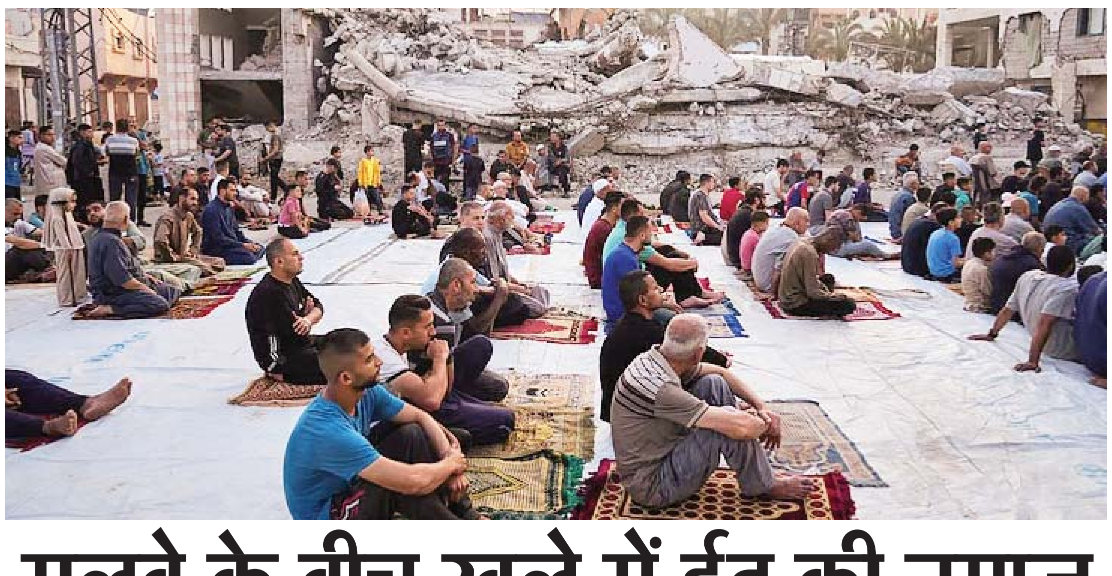

मलबे के बीच खुले में ईद की नमाज

डेर अल-बलाह। युद्ध से तबाह गाजा पट्टी में फिलिस्तीनियों ने शुक्रवार की सुबह नष्ट हुई मस्जिदों और घरों के बाहर नमाज अदा कर इस्लाम के सबसे महत्वपूर्ण त्योहारों में से एक ईद की शुरुआत की। लोगों को उम्मीद है कि इजरायल के साथ युद्ध जल्द ही समाप्त हो जाएगा। गाजा के अधिकांश हिस्से में मलबे के कारण, पुरुषों और बच्चों को पारंपरिक ईद-उल-अजहा की नमाज खुले आसमान के नीचे अदा करनी पड़ी और खाद्य आपूर्ति कम होने से परिवारों को तीन दिवसीय दावत के लिए जो कुछ भी जुटा पा रहे थे, उसी से काम चलाना पड़ रहा था। दक्षिणी शहर खान यूनिस में नमाज में शामिल होने के बाद कामेल इमरान ने कहा, फिलिस्तीनी लोगों के खिलाफ अन्यायपूर्ण युद्ध के कारण यह सबसे खराब दावत है। कोई भोजन नहीं है, कोई आटा नहीं है, कोई आश्रय नहीं है, कोई मस्जिद नहीं है, कोई घर नहीं है, कोई गद्दे नहीं हैं। स्थितियां बहुत, बहुत कठोर हैं। यह दूसरा साल है जब गाजा में मुसलमान पारंपरिक तीर्थयात्रा करने के लिए सऊदी अरब की यात्रा करने में सक्षम नहीं थे। युद्ध 7 अक्टूबर, 2023 को शुरू हुआ, जब हमास के नेतृत्व वाले आतंकवादियों ने इजरायल पर अचानक हमला किया, जिसमें लगभग 1,200 लोग मारे गए, जिनमें से ज्यादातर नागरिक थे और 251 बंधकों का अपहरण कर लिया गया। वे अभी भी 56 बंधकों को बंधक बनाए हुए हैं, जिनमें से लगभग एक तिहाई के जीवित होने का अनुमान है, जबकि बाकी लोगों को युद्धविराम समझौतों या अन्य सौदों के तहत रिहा कर दिया गया था।

पाक से भारत के टकराव में चीन को नजरअंदाज करना असंभव : थरूर

वाशिंगटन, जेएनएन। कांग्रेस नेता शशि थरूर ने कहा है कि पाकिस्तान के साथ भारत के हालिया टकराव में चीन एक बिल्कुल नजरअंदाज करने योग्य कारक है, उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि पिछले कुछ महीनों में दिल्ली और बीजिंग के बीच संबंधों में आई नरमी संघर्ष से पहले अच्छी प्रगति करती दिख रही थी। अमेरिका में बहुदलीय संसदीय दल का नेतृत्व कर रहे थरूर ने कहा, मैं अपनी बात को कम नहीं आंकने जा रहा हूं, लेकिन हम जानते हैं कि पाकिस्तान में चीन का बहुत बड़ा हित है। भारतीय दूतावास में थिंक टैंक के प्रतिनिधियों से बातचीत में उनकी टिप्पणी आई। थरूर ने कहा, बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव के तहत सबसे बड़ी एकल परियोजना चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान के 81 प्रतिशत रक्षा उपकरण चीन से आते हैं। रक्षा यहां गलत शब्द हो सकता है। कई मायनों में आक्रमण। पाकिस्तान के साथ हमारे टकराव में चीन को नजरअंदाज करना बिल्कुल असंभव कारक है।

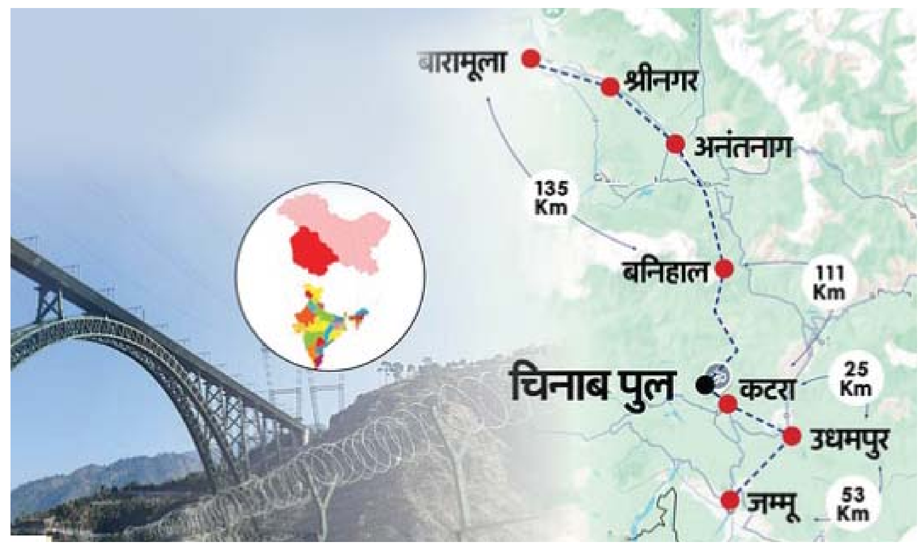

बहुप्रतीक्षित उधमपुर-श्रीनगर-बारामूला रेल लिंक का लोकार्पण

30 साल का सपना साकार

श्रीनगर, जेएनएन। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को बहुप्रतीक्षित उधमपुर-बारामूला रेल लिंक (यूएसबीआरएल) का लोकार्पण किया। कश्मीर घाटी को देश के बाकी हिस्सों से जोड़ने वाली 272 किलोमीटर लंबी यह रेल लाइन 30 साल की मेहनत, छह प्रधानमंत्रियों के नेतृत्व और असाधारण इंजीनियरिंग का प्रतीक है। इस परियोजना को हिमालय की दुर्गम भौगोलिक चुनौतियों को पार करते हुए पूरा किया गया, जिसमें विश्व का सबसे ऊंचा रेलवे पुल, चिनाब ब्रिज और भारत की सबसे लंबी रेल परिवहन सुरंग (टी-49) शामिल है। यह परियोजना न सिर्फ रेलवे कनेक्टिविटी, बल्कि भारत की दृढ़ता और तकनीकी कौशल का भी प्रतीक है।

30 साल, 6 प्रधानमंत्री

- **1983:** तत्कालीन पीएम इंदिरा गांधी ने जम्मू -उधमपुर रेल लाइन की आधारशिला रखी।
- **मार्च 1995:** पीवी नरसिम्हा राव सरकार ने यूएसबीआरएल परियोजना को मंजूरी दी, जिसका उद्देश्य घाटी को रेल नेटवर्क से जोड़ना था। इसकी अनुमानित लागत उस समय 2,500 करोड़ रुपए थी।
- **मार्च 2002 :** अटल बिहारी वाजपेयी सरकार ने इसे राष्ट्रीय परियोजना घोषित किया, जिससे इसे विशेष वित्तीय और प्रशासनिक सहायता मिली।
- **13 अप्रैल, 2005 :** डॉ.मनमोहन सिंह ने जम्मू-उधमपुर खंड (53 किमी) का उद्घाटन किया, जो पहला चरण था।
- **11 अक्टूबर, 2008:** डॉ. मनमोहन सिंह ने मजहोम-अनंतनाग खंड (66 किमी) का उद्घाटन किया, जिसने घाटी में रेल सेवाओं की शुरुआत की।
- **14 फरवरी, 2009 :** मजहोम-बारामूला खंड (31 किमी) का उद्घाटन डॉ. मनमोहन सिंह द्वारा किया गया।
- **29 अक्टूबर, 2009:** अनंतनाग-काजीगुंडखंड (18 किमी) का उद्घाटन।
- **26 जून, 2013:** काजीगुंड-बनिहाल खंड 11 किमी (इसमें पीर पंजाल सुरंग शामिल है) का उद्घाटन डॉ. मनमोहन सिंह ने किया।
- **4 जुलाई, 2014:** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उधमपुर-कटरा खंड (25 किमी) का उद्घाटन किया, जो वैष्णो देवी तीर्थयात्रियों के लिए महत्वपूर्ण था।
- **20 फरवरी, 2024:** पीएम नरेंद्र मोदी ने बनिहाल-संगलदान खंड (48.1 किमी) का उद्घाटन किया, जिसमें भारत की सबसे लंबी सुरंग टी-50 (12.77 किमी) है।
- **6 जून, 2025:** पीएम नरेंद्र मोदी ने कटरा-संगलदान खंड (64 किमी) का उद्घाटन किया, जिसके साथ ही यूएसबीआरएल परियोजना पूर्ण हुई। कटरा से श्रीनगर तक दो वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनों को हरी झंडी दिखाई।

भारतीय परियोजना में मील का पत्थर इंजीनियरिंग का चमत्कार

इंजीनियरिंग का चमत्कार

इस परियोजना को भारत की सबसे चुनौतीपूर्ण रेल परियोजनाओं में से एक माना जाता है।

चिनाब ब्रिज : यह विश्व का सबसे ऊंचा रेलवे आर्क ब्रिज है, जो चिनाब नदी से 359 मीटर ऊपर है और 1.3 किमी लंबा है। यह 260 किमी/घंटा की हवा और उच्च तीव्रता के भूकंपों का सामना करने के लिए डिजाइन किया गया है।

सुरंगें: परियोजना में 38 सुरंगें हैं, जिनकी कुल लंबाई 119 किमी है। टी-49 सुरंग (12.75 किमी) भारत की सबसे लंबी रेल परिवहन सुरंग है।

पुल : 927 पुल, जिनकी कुल लंबाई 13 किमी है, जिसमें अंजी खंड ब्रिज, भारत का पहला केबल-स्टेड रेलवे ब्रिज शामिल है।

लागत: परियोजना की कुल लागत 41,000 करोड़ रुपए तक पहुंची, जो 1995 में अनुमानित 2,500 करोड़ थी।

30 साल की चुनौतियां और जीत

परियोजना को पूरा करने में भौगोलिक, भूवैज्ञानिक और सामाजिक चुनौतियों का सामना करना पड़ा। हिमालय की नई और अस्थिर चट्टानों, भूकंपीय जोखिमों, भूस्खलन और भारी जल रिसाव ने निर्माण को जटिल बनाया। इसके बावजूद भारतीय रेलवे के इंजीनियरों ने अभूतपूर्व तकनीकी नवाचारों के साथ इन बाधाओं को पार कर सफलता हासिल की। परियोजना में करीब 1,000 पुल और 119 किमी सुरंगों का निर्माण अपने आप में एक इंजीनियरिंग चमत्कार है।०००

मैं भगोड़ा नहीं, जेटली को बताकर आया था लंदन

बैंक फ्रॉड केस के आरोपी विजय माल्या ने इंटरव्यू में किया दावा

नई दिल्ली, जेएनएन। शराब कारोबारी विजय माल्या फिर चर्चा में हैं। उन्होंने यूट्यूबर को दिए इंटरव्यू में कई बड़े दावे किए हैं। उन्होंने कहा, जब मैं भारत छोड़ रहा था तब मैंने वित्त मंत्री (तत्कालीन) अरुण जेटली को बताया कि मैं लंदन जा रहा हूं। मुझे जेनेवा में एक मीटिंग में शामिल होना है। मैं वापस आऊंगा। कृपया बैंकों से कहें कि वे मेरे साथ बैठकर सेटलमेंट कर लें। माल्या ने कहा कि उन्होंने यह दावा कभी नहीं किया कि उन्होंने अरुण जेटली के साथ बैठकर मुलाकात की है। ये बातें उन्होंने संसद में चलते-फिरते हुई मुलाकात में कही थीं। इससे पहले साल 2018 में भी माल्या भारत छोड़ने से पहले अरुण जेटली से मिलने का दावा कर चुके हैं। हालांकि, उस वक्त अरुण जेटली ने उनके दावे को खारिज कर दिया था और कहा था कि माल्या ने उन्हें कुछ नहीं बताया। माल्या ने यह दावा भी किया कि 6203 करोड़ रुपए के कर्ज की जगह मेरी संपत्ति बेचकर बैंकों ने 14,131.6 करोड़ रुपए रिकवर कर लिया है। इसके बाद भी मुझे आर्थिक अपराधी कहा जाता है।

निष्पक्ष सुनवाई हो तो भारत लौटने को तैयार

माल्या ने कहा, मैं कानूनी लड़ाई लड़ रहा हूं। निष्पक्ष सुनवाई मिले, तो भारत लौटने के लिए तैयार हूं। निष्पक्ष सुनवाई के बाद भी अगर जेल हो जाती है, तो इसे अपनी किस्मत मानूंगा। उन्होंने कहा-मैं चाहता हूं कि मुझे 1.75 लाख करोड़ का मार्केट कैप बनाने वाले मेहनती बिजनेसमैन के रूप में याद किया जाए, न कि चोर के रूप में। भारत में बिजनेस फेल होना फ्रॉड मान लिया जाता है।

भोपाल के नदीम गोट फार्म ने किया सौदा, 174 और 161 किलो है वजन

18 व 16 लाख में मुंबई के व्यापारी ने खरीदे बकरे

कार्यालय संवाददाता, भोपाल। ईद उल अजहा (बकरीद) पर कुर्बानी के लिए भोपाल के दो बकरों का सौदा लाखों रुपए में हुआ। यह पहली बार है जब इतनी कीमत पर बकरों की बिक्री हुई है।

जानकारी अनुसार शहर के नदीम गोट फार्म के दो बकरे क्रमशः 18 और 16 लाख रुपए में बिके हैं। गोट फार्म के संचालक नदीम ने बताया कि हमने दो बकरे मुंबई के एक व्यापारी को बेचे हैं। इनमें एक बकरे की कीमत 18 और दूसरे की 16 लाख रुपए है। जो बकरा 18 लाख रुपए में बिका है, उसका नाम किंग ऑफ वर्ल्ड रखा था, इसका वजन 174 किलो ग्राम है। जबकि दूसरे बकरे का नाम कोहेनूर है, इसका वजन 161 किलो ग्राम है। यह दोनों बकरे मुंबई के व्यापारी उवेज काजी ने खरीदे हैं।

किंग ऑफ वर्ल्ड - कीमत 18 लाख

स्पेशल डाइट और स्वास्थ्य का ख्याल

गोट फार्म के संचालक के अनुसार इन दोनों बकरों की उम्र 2 साल से अधिक है। शुरूआत से ही इन्हें विशेष प्रकार की डाइट दी गई है। इसमें काजू बादाम से लेकर मिठाई और स्पेशल चना शामिल है। बकरों को कोई बीमारी न हो इसका भी ध्यान रखा जाता है। फार्म के अंदर इनके लिए स्पेशल केबिन बनाया गया है, जिसमें कूलर लगाया गया है।

ग्राम कुंवरपुर में तलैया में डूबने से दो चचेरे भाइयों की दर्दनाक मौत, गांव में पसरा मातम

पवई। पवई जनपद के ग्राम कुंवरपुर में शनिवार को एक दिल दहला देने वाली घटना ने पूरे गांव को गमगीन कर दिया। गांव के दो मासूम चचेरे भाई—गोलू (पुत्र हीरा वंशकार, उम्र 5 वर्ष) एवं दीपक (पुत्र छोटू वंशकार, उम्र 8 वर्ष)—खेलते-खेलते गांव के पास स्थित एक तलैया (छोटे तालाब) में जा पहुँचे, जहाँ वे पानी में डूब गए। यह हादसा दोपहर लगभग 12 बजे हुआ, जब दोनों बालक घर के पास खेल रहे थे। खेलते-खेलते वे तलैया की ओर चले गए और पानी में फिसलकर डूब गए। काफी देर तक घर न लौटने पर परिजनों ने उनकी तलाश शुरू की। तलैया के किनारे कपड़े दिखाई देने पर ग्रामीणों को शक हुआ और बच्चों की तलाश शुरू की गई। दोनों को बाहर निकाल कर पवई सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहाँ डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

चचेरे भाइयों की असामयिक मौत से टूटा परिवार

हृदय विदारक यह घटना उस समय घटी जब दोनों बच्चों के पिता—हीरा वंशकार (गोलू के पिता) और छोटू वंशकार (दीपक के पिता)—खजुराहो में एक शादी समारोह में बैंड बजाने के लिए गए हुए थे। बच्चों की मौत की खबर मिलते ही वे तुरंत गांव लौटे। घटना से पूरा परिवार टूट गया है और गांव में गहरा शोक छा गया है।

समाजसेवी पहुंचे सांत्वना देने

घटना की जानकारी मिलते ही पवई विधानसभा क्षेत्र के समाजसेवी एवं भाजपा नेता डॉ. अमित खरे शव विच्छेदन गृह पहुँचे और शोक संतप्त परिवारों से मुलाकात की। उन्होंने परिजनों को सांत्वना दी और तत्काल राहत स्वरूप 16,000 की आर्थिक सहायता प्रदान की। साथ ही भविष्य में हर संभव सहयोग का भरोसा भी दिया।

शेफाली का कैंपस सिलेक्शन

पन्ना। देवेंद्रनगर देवेंद्रनगर की गौरवशाली संस्था सरस्वती शिशु मंदिर से जुड़े रहे संस्थापक सदस्य एवं आजीवन उपाध्यक्ष स्वर्गीय ब्रजकिशोर अग्रवाल की नातिन शेफाली अग्रवाल का चयन देश की प्रतिष्ठित बहुराष्ट्रीय कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज में मैनेजमेंट ट्रेनी के पद पर एक आकर्षक पैकेज के साथ हुआ है।

विट्स कॉलेज, सतना की एमबीए (फाइनल ईयर) की छात्रा शेफाली की इस उपलब्धि ने न केवल उनके परिवार को गौरवान्वित किया है, बल्कि शिक्षा के क्षेत्र में देवेंद्रनगर का नाम भी रोशन किया है। चयन प्रक्रिया में उनके रिज़्यूमे, एटीट्यूड, कम्युनिकेशन स्किल्स एवं मैनेजमेंट स्किल्स को प्रमुखता से आंका गया। इससे पूर्व शेफाली को हॉक एजुकेशन एवं ग्लोबल चार्जिंग सॉल्यूशन्स जैसी संस्थाओं से भी ऑफर प्राप्त हुए थे। उनके दो शोधपत्र अंतरराष्ट्रीय जर्नल्स में प्रकाशित हो चुके हैं।

शेफाली के पिता श्री कृष्ण कुमार अग्रवाल, जो एक व्यवसायी हैं, ने बताया- हमें शेफाली की जन्म से ही क्षमताओं पर विश्वास था। वह प्रारंभ से ही आत्मविश्वासी और परिश्रमी रही है। आज उसकी मेहनत रंग लाई है।

वे सतना की समाजसेवी संस्था 'सेवा संकल्प' से भी सक्रिय रूप से जुड़े हैं, जो जिला चिकित्सालय में ?5 में मरीजों व उनके परिजनों को भोजन उपलब्ध कराने का सेवा कार्य अनेक वर्षों से निरंतर कर रही है।

शेफाली की माता श्रीमती अनीता अग्रवाल, एक कुशल गृहिणी, ने कहा शेफाली के मस्तिष्क में शुरू से ही कुछ बड़ा करने की लगन थी। उसने दिन-रात मेहनत की और आज उसका सपना पूरा हुआ है।

इस उल्लेखनीय सफलता पर पत्रकार विकास परिषद, मध्यप्रदेश वैश्य महासम्मेलन, जीरो क्लब, सेवा संकल्प संस्था के समस्त सदस्यों, एवं सरस्वती शिशु मंदिर देवेंद्रनगर की संपूर्ण कार्यकारिणी व स्टाफ ने शेफाली को हार्दिक बधाई देते हुए उसके उज्ज्वल भविष्य की मंगलकामनाएँ प्रेषित की हैं।

वहीं, विट्स कॉलेज के चेयरमैन सुनील सेनानी, डॉ. प्रीति हिंदुस्तानी, अखिल प्रताप सिंह, निवेदिता मिश्रा, प्रो. संकल्प शुक्ला, डॉ. स्नेहा सिंह, प्रो. शुभम मिश्रा, विभूति प्रसाद सिंह एवं प्रदीप शुक्ला ने भी शेफाली की उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त की है।

विश्व पर्यावरण दिवस पर वृक्षारोपण कार्यक्रम

टीकमगढ़। विश्व पर्यावरण दिवस 5 जून 2025 के अवसर पर श्रेया मानव कल्याण एवं ग्रामीण विकास समिति कारी के द्वारा गोपालपुरा में बृक्षारोपण कार्यक्रम एवं गोष्ठी का आयोजन किया गया इस अवसर पर अंजीर, आम,अमरूद, मीठी नीम,, नींबू, बेल, आंवला आदि फलदार पौधों का रोपण किया गया कार्यक्रम के दौरान समिति पदाधिकारी अजय जैन ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण में अहम है-पौधरोपण पेड़ केवल आक्सीजन ही नही देते बल्कि तापमान को नियंत्रित करता है , जलस्तर बनाये रखता है , जैव विविधता को सुरक्षित करता है और मिट्टी की गुणवत्ता सुधरता है। यदि प्रत्येक परिवार साल में पर्यावरण संरक्षण हेतु अपने जीवन में कम से कम एक पौधे का रोपण जरूर करना चाहिए। कार्यक्रम में अतिथि डॉ विजय जैन (जनरल सर्जन) ने पर्यावरण के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा हर परिवार एक छोटा ब्रम्हामांड है! यदि हम अपने परिवार को पर्यावरण के प्रति जागरूक और जिम्मेदार बना सके तो पृथ्वी पर सुखद परिवर्तन लाया जा सकता है। धीरे धीरे समाज,एबम राज्य ,देश, अन्ततः पूरी दुनिया मे महसूस होगा। कार्यक्रम में किशोरी, गोरेलाल विश्वकर्मा,बृद्धाश्रम कुंडेश्वर के अधीक्षक कुलदीप विश्वकर्मा , बालाराम घोष, पप्पू यादव,थान सिंह घोष, लल्लू घोष, मुन्नी रैकबार,श्रीराम रैकबार, शिवम रॉय, भंता कुशवाहा, पन्ना कुशवाहा, राजा ,धनीराम , सहित अनेक ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

सियार के हमले में घायल ग्रामीणों की वन विभाग ने की मदद

पन्ना। कल 06/06/25 को शाम के समय दक्षिण पन्ना वनमण्डल अंतर्गत शाहनगर वनपरिक्षेत्र एवं तहसील में जुगरवारा ग्राम में कुछ ग्रामीणों पर वन्यप्राणी (संभवतः सियार) ने हमला कर दिया। वन्यप्राणी के हमले में 3 महिलाएं और 2 बच्चे घायल हो गए। सूचना प्राप्त होने के तुरंत बाद वन विभाग की स्थानीय टीम मौके पर पहुंची।

घायलों को नजदीकी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र भेजा गया। वन परिक्षेत्र अधिकारी रैपुरा श्री राजित द्विवेदी (जिनके पास वर्तमान में वनपरिक्षेत्र शाहनगर का भी अतिरिक्त प्रभार है) अविलंब शाहनगर के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचे। घायलों का वन अमले की निगरानी में ईलाज करवाया गया, रेबीज़ का इंजेक्शन लगवाया गया, साथ ही

वनपरिक्षेत्र अधिकारी द्वारा तात्कालिक सहायता राशि भी प्रदाय की गई। घायलों से पूछताछ के दौरान वन्यप्राणी की सियार के तौर पर पुष्टि की गई। जानकारी मिलने के उपरांत, उपवनमण्डल अधिकारी कल्दा श्री नितिन निगम भी मौका स्थल पर पहुंच चुके हैं। वन विभाग दक्षिण पन्ना वनमण्डल के अधिकारी स्थिति पर सतत नज़र बनाए हुए हैं।

सियार के हमलों से बचाव के उपाय

रात में अकेले बाहर न जाएँ सियार आमतौर पर रात में सक्रिय होते हैं। अकेले या बिना लाइट के बाहर न निकलें।

लाइट और अलाव का उपयोग करें गांव के आसपास रोशनी रखें और सियारों को दूर रखने के लिए अलाव जलाएँ। पशुओं को सुरक्षित बाँधें

मवेशियों को रात में मजबूत बाड़े या शेड में रखें, खुले में न छोड़ें। खाद्य अपशिष्ट दूर फेंकें घर या गांव के पास मांस, हड्डी या खाद्य कचरा न फेंके, यह सियारों को आकर्षित करता है। बच्चों का ध्यान रखें बच्चों को अकेले बाहर न जाने दें, खासकर सुबह-सुबह या शाम के समय। झाड़ियों की सफाई रखें गांव के आसपास की झाड़ियों को साफ रखें, जिससे सियारों को छिपने की जगह न मिले। शोर मचाना या सायरन का उपयोग सियारों की मौजूदगी पर ढोल, पटाखा या सायरन बजाने से वे भाग जाते हैं। वन विभाग को सूचित करें यदि सियार बार-बार दिखाई दें या हमला करें, तो स्थानीय वन विभाग को तुरंत सूचना दें।

हर्षोल्लास पूर्वक मनाई गई ईद उल अजहा

ईदगाह मैं सैकडो मुस्लिम भाइयों ने अदा की ईद उल अजहा की नमाज

टीकमगढ़। ईद उल अजहा का पर्व टीकमगढ़ में बड़े ही हर्षोल्लास और धूमधाम से मनाया गया। सुबह 7.30 बजे सैकड़ो मुस्लिम भाइयों ने सिविल लाइन स्थित ईदगाह पर एकत्रित हुये और ईद की नमाज अदा की ।ईद की नमाज मुफ़्ती शहंशाह साहब द्वारा पढ़ाई गई ।सर्व प्रथम मुफ्ती साहब द्वारा मुस्लिम भाइयों को नमाज का तरीका बताया गया ।फिर इमाम द्वारा खुतबा पढ़ाया गया ।फिर नमाज अदा की गई ।साथ ही मुल्क और शहर मैं अमन-चैन की दुआ मांगी गई। टीकमगढ़ शहर की अन्य मस्जिदों में ईद की नमाज 8ः00 बजे पढ़ाई गई ईद को लेकर प्रशासनिक व्यवस्था भी चुस्त-दुरुस्त रही। लोगों ने नमाज अदा की तथा मुस्लिम भाइयो द्वारा एक दूसरे को गले लगा कर ईद की मुबारकबाद दी। मुफ्ती साहब ने बताया कि यह जिल्हिज्जा मुबारक का महीना हैं ।इस महीने अल्लाह की राह मैं कुर्वान करने का महीना हैं। इस पावन महीने मै हम सबको बुराई,ग़ीबत, और नफरत कुर्वान करना चाहिए। ईद पर सुबह से ही ईदगाह में रौनक दिखी। बच्चों में खासा उत्साह देखने को मिला। ईदगाह परिसर के बाहर मेला का नजारा दिख रहा था।

जूनियर नेशनल सॉफ्टबॉल 43वीं चैंपियनशिप चंडीगढ़ में प्रतिभा लोधी को स्वर्ण एवं विक्की सेन, ऋषि साहू, संकल्प झा को रजत पदक

टीकमगढ़। जिला सॉफ्टबॉल संघ सचिव पी प्रसन्ना कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि 43वीं जूनियर नेशनल सॉफ्टबॉल चैंपियनशिप चंडीगढ़ में 29 से 2 जून 2025 तक आयोजित हुए इस प्रतियोगिता मध्यप्रदेश को बालक एवं बालिक वर्ग में दोहरी सफलता मिली। बालिका वर्ग में मध्यप्रदेश को स्वर्ण पदक प्राप्त हुआ एवं बालक वर्ग में मध्य प्रदर्शन को रजत पदक प्राप्त हुआ बालिका वर्ग में टीकमगढ़ मध्यप्रदेश की टीम में जिले की प्रतिभा लोधी का चयन हुआ था। वहीं दूसरी ओर बालक वर्ग में जिले 3 बालक (विक्की सेन,संकल्प झा,ऋषि साहू) का चयन हुआ था।

बालिका वर्ग में मध्यप्रदेश ने हरियाणा को 3-0 से हराया और बालक वर्ग में मध्यप्रदेश को रजत पदक से संतोष करना पड़ा। सभी खिलाड़ी भारतीय खेल प्राधिकरण ट्रेनिंग सेंटर

टीकमगढ़ के खिलाड़ी हैं और साई सॉफ्टबॉल कोच देवेश चंदेल के मार्गदर्शन में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं।

इस अवसर पर कलेक्टर विवेक श्रोत्रिय, पुलिस अधीक्षक टीकमगढ़ मनोहर सिंह मंडलोई, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सीताराम ससत्या, एसडीएम टीकमगढ़ लोकेंद्र सिंह सरल, देवेश चंदेल केंद्र प्रभारी साई सेंटर टीकमगढ़, मो.अब्दुल तारीक, प्रियंक खरे, प्रिंस सेन, प्रिंस परमार, रिजवान खान, अमन दुबे, अंकित राय, आदर्श जैन, रूपेश रायकवार, सौरभ प्रजापति, यशवंत सिंह और वैदेही नायक ने खिलाड़ियों को बधाई दी एवं उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

कलेक्टर ने किया क्योंटी नहर का निरीक्षण

जागरण खबर का असर

मुख्य नहर के किनारे रतहरा-कोष्टा में होगा पौधारोपण, बनेगा पाथ-वे व साइकिल ट्रैक स्थल निरीक्षण कर दिये आवश्यक निर्देश

जागरण, रीवा। बाणसागर से शहर के रतहरा क्षेत्र से होकर क्योटी निकाली गई मुख्य नहर की दुर्दशा के संबंध में विगत 4 जून को दैनिक जागरण ने 'नहरों की नहीं हुई मरम्मत, सफाई भी नहीं' शीर्षक से समाचार का प्रकाशन कर प्रशासन कर अवगत कराया था। जिस पर शुक्रवार को कलेक्टर प्रतिभा पाल ने रतहरा नहर का अधिकारियों के साथ निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने कहा कि रीवा तेजी से बढ़ता हुआ शहर है, यहां अधोसंरचना विकास कार्यों के साथ ही पर्यटकों व शहर वासियों के लिये सुकून बिताने के उद्देश्य से विभिन्न पर्यटन स्थल पार्क विकसित किये जा रहे हैं। इसी क्रम में क्योटी मुख्य नहर के किनारे रतहरा-कोष्टा में पौधारोपण किया जायेगा साथ ही पाथवे व साइकिल ट्रैक भी बनेगा। जहां शहरवासी सुबह शाम, टहल सकेंगे व सुरम्य वातावरण में सुकून के पल बिता सकेंगे। कलेक्टर प्रतिभा पाल ने रतहरा नहर के किनारे 3 किमी क्षेत्र में बनाये जाने वाले स्थल का निरीक्षण किया तथा अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि शासकीय भूमि से अतिक्रमण हटाकर नहर के किनारे आरसीसी सड़क का निर्माण कराएं तथा सड़क के किनारे सघन पौधारोपण कराकर पाथ-वे व साइकिल ट्रैक का निर्माण करायें।

बदलेगा कांग्रेस संगठन का ढांचा, 'पी-पी-पी मॉडल' होगा प्रभावी?

बहुसंख्यक जनसंख्या वाली जाति को कांग्रेस सौंपेगी जिले की बागडोर!

भोपाल में हुई मैराथन बैठक में किया गया मंथन

कम जनसंख्या वाले टी-बी-एम होंगे बाहर?

जागरण, रीवा। लगातार पराजय का स्वाद चख चुकी कांग्रेस अब नए फार्मूले पर काम करेगी। जाति जनगणना को लेकर देशव्यापी अभियान चलाने वाली कांग्रेस अब अपने संगठन में भी यह फार्मूला अपनाएगी, जिसकी मांग वह भाजपा सरकार से कर रही है। यानी जिसकी जितनी हिस्सेदारी, उसकी उतनी भागीदारी होगी। यानी कि जिस जाति जनसंख्या अधिक होगी, कांग्रेस उसे ही बागडोर सौंपेगी। यहां बताना आवश्यक है कि कम जनसंख्या वाले ठाकुर-बनिया-मुसलमान जो अभी तक कांग्रेस संगठन के महत्वपूर्ण पदों में पदों पर कुंडली मार कर बैठते थे, उन्हें अब बाहर का रास्ता देखना होगा। रीवा की बात करें तो यहां सिर्फ पीपीपी(पंडित-पटेल पॉलिटिक्स) मॉडल काम करेगा। क्योंकि यही दो जातियां हैं जो बहुसंख्यक हैं। एक जानकारी के मुताबिक लगभग 35 प्रतिशत ब्राह्मण और तकरीबन इतनी ही पिछड़ा वर्ग की भी जनसंख्या है, जिसमें लगभग 28 प्रतिशत पटेल हैं। इसलिए यही दो जातियां हैं जिनको कांग्रेस जिले की बागडोर सौंप सकती है। पिछले साढ़े तीन दशक में नजर डालें तो ज्यादा समय पंडित के हाथ में ही कांग्रेस के जिला संगठन की बागडोर रही है। पिछड़ा वर्ग को जिले की कमान नहीं मिल पायी है। जिस तरह से भोपाल में हुई मैराथन बैठक में राहुल गांधी ने संकेत दिये हैं, उससे प्रतीत होता है कि चुनाव के पहले कांग्रेस जिला संगठन की कमान पटेल वर्ग को सौंपी जा सकती है। दरअसल हार पर हार झेल चुकी कांग्रेस अब पुरानी गलती दोहराने के मूड में नहीं है। साढ़े तीन साल बाद होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर अभी से तैयारी में जुट गई है। पिछले दो दशक से प्रदेश में मिल रही लगातार पराजय से सबक लेते हुए कांग्रेस संगठनात्मक ढांचे पर विशेष फोकस कर रही है। हर बार हार के कारणों के मंथन में एक ही बात सामने आती रही है कि कांग्रेस का संगठनात्मक ढांचा अप्रभावी और कमजोर था, जिस वजह से कांग्रेस चुनाव में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पायी। कांग्रेस अब इस कलंक को धोने के मूड में है। आगामी लोकसभा व विधानसभा चुनाव को देखते हुए कांग्रेस अब नए फार्मूले पर काम करेगी। ऐसा हम नहीं कहते हैं। अभी हाल में भोपाल में हुई कांग्रेस की महामंथन बैठक में निर्णय लिया गया है। यदि इस पर अमल होता है तो कांग्रेस एक नए स्वरूप में दिखेगी।

35 साल में 8 अध्यक्ष बने जिसमें 5 बार पंडित

1990 के दशक से अब तक कांग्रेस के जिला अध्यक्षों पर नजर डालें तो 8 जिला अध्यक्ष बने हैं। यानी 35 साल में पांच ब्राह्मण अध्यक्ष बने। एक बार क्षत्रिय व दो बार हरिजन को जिला अध्यक्ष बनाया गया। अमूमन जिला कांग्रेस संगठन का कार्यकाल दो वर्ष को होता है लेकिन यहां समय में वृद्धि की जाती रही। बता दें कि कांग्रेस जिला अध्यक्ष पद पर 1990 में राकेश रतन सिंह पांच साल रहे, फिर मंजूलता तिवारी यह 8 साल रहीं। इसके बाद भाजपा छोड़ कर कांग्रेस आए अर्जुन सिंह चौहान को कमान दी गई। इसके बाद सुंदरलाल तिवारी, बिंद्रा प्रसाद, त्रियुगी नारायण शुक्ल भगत और उनके बाद इंजी. राजेंद्र शर्मा को जिम्मेदारी सौंपी गई है। इंजी. राजेंद्र शर्मा अभी भी संगठन का कुशल संचालन कर रहे हैं।

पुल को भी नहीं छोड़ रहे अतिक्रमणकारी

रतहरा नहर के पुल पर लगी दुकानें, कचरा फेंक रहे नहर में

जागरण, रीवा। शहर में जगह-जगह अतिक्रमण किया हुआ है। जिन्हें हटाने के बाद भी दूसरे दिन फिर से अतिक्रमण करने वाले वहीं नजर आते हैं। जिससे अतिक्रमाकों के हौसले बढ़ते जा रहे हैं और वे शहर के प्रमुख चौराहे, सड़क, सार्वजनिक स्थल के साथ ही पुल को भी नहीं बख्श रहे। अतिक्रमणकारी पुल पर दुकानें लगा रहे हैं, जिसका उदाहरण रतहरा क्षेत्र में स्थित बाणसागर तालाब से निकाली गई नहर के पुल पर देखा जा सकता है। यहां आधा दर्जन से अधिक दुकानें लगी हैं, गुमटियां रखकर स्थाई रूप से बरसाती भी बांध रखी है।

सड़क हुई संकरी, दुर्घटना का अंदेशा : आसपास के लोगों से पूछने पर उन्होंने नाम प्रकाशित न करने की शर्त पर बताया कि ये अतिक्रमण आज से नहीं लंबे समय से यहां किया हुआ है। दुकानदार इनकी दुकानों से निकलने वाले जूठे स्पिोजल, बची खाद्य सामग्री नहर में ही फेंक देते हैं, जिससे यहां खड़ा रहना भी मुश्किल है। खाद्य सामग्री सड़ने के बाद बदबू मारती है जिसकी दुर्गंध आसपास की दुकानों तक आती है। कुछ लोगों ने इनकी शुरुआत में शिकायत की थी, लेकिन निगम अमले ने इन्हें नहीं हटाया, आए दिन नगर निगम का अतिक्रमण हटाओ उड़नदस्ता वाहन यहां से निकलता है, लेकिन उसमें बैठे जिम्मेदारों की नजर यहां किए गए अतिक्रमण पर नहीं पड़ती। पुल के एक हिस्से में अतिक्रमण कर लिए जाने से सड़क भी संकरी हो गई है, जिससे हमेशा दुर्घटना का अंदेशा बना रहता है।

सासन पावर लिमिटेड में पर्यावरण विभाग की अगुवाई में 3500 पौधों का रोपण

सासन पावर लिमिटेड में 52 वॉं विश्व पर्यावरण दिवस/सप्ताह

जागरण, बैढ़न

सासन पावर लिमिटेड में 52 वॉं विश्व पर्यावरण दिवस/सप्ताह काफी उल्लासपूर्ण तरीके से मनाया गया। पर्यावरण सप्ताह 30 मई से 5 जून तक अनेक गतिविधियों के साथ हर वर्ग के कर्मचारियों के महत्वपूर्ण भागीदारियों के साथ मनाया गया। पर्यावरण विभाग की अगुवाई में पौधारोपण 3500 पौधों, सासन पावर के कर्मचारी उनके परिवारजन एवं कामगार कर्मचारी के परिवारजन के सहभागिता से विभिन्न प्रतियोगिताओं चित्रकला, अपशिष्ट से सर्वश्रेष्ठ, नारा, कविता, निबंध, प्रश्नोत्तरी, जागरण एवं जागृति के प्रसार का आयोजन सम्पन्न हुआ। प्लास्टिक प्रदूषण और मानव स्वास्थ्य पर हानिकारक प्रभाव के ऊपर चलचित्र प्रदर्शन का आयोजन प्लाट परिसर में किया गया, जिसे सभी कामगार भाईयों ने अपने जीवन में अनुसरण करने का संकल्प लिया। इस दौरान सासन पावर टाउनशिप में 1 जून को 3.7 किमी का प्रभात फेरी आयोजन किया गया था जिसको मप्र प्रदूषण बोर्ड के क्षेत्रीय अधिकारी संजीव मेहरा ने हरी झंडी दिखाई और अपनी सक्रिय सहभागिता दिखाई। सासन पावर टाउनशिप के बाहर स्वच्छता पखवाड़ा अभियान तथा लुम्बिनी गार्डन में स्थित सुगंधित वाटिका का उद्घाटन करते हुए पौधों का वृक्षारोपण किया। तदोपरांत माया सरोवर के समीप नवग्रह वाटिका का उद्घाटन करते हुए शास्त्र के अनुसार नौ ग्रहों का विधि पूर्वक पूजा अर्चना के साथ मदार- सूर्य ग्रह, पीपल- बृहस्पति, शमी- शनि ग्रह, अपामार्ग-बुध ग्रह, दूव-राहू ग्रह, फ्लास- सोम, खैर-मंगल ग्रह, गूलर- शुक्र ग्रह, कुश-केतु ग्रह पौधे का रोपण किया। जिसमें सासन पावर लिमिटेड के पर्यावरण, सुरक्षा और बागवानी विभाग प्रमुख जितेन्द्र प्रसाद एवं अन्य विभाग प्रमुख कम्पनी के प्लांट एवं कोल माइंस के कर्मचारी एवं गृहणी और बच्चों एवं तियरा ग्रामवासी के अगुवाई में सम्पन्न हुआ। 2 जून को नौगढ स्थित मप्र प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के मुख्य कार्यलय के क्षेत्रीय अधिकारी द्वारा जन जागरण एवं जागृति के प्रसार कार्यक्रम का आयोजन किया गया था जिसमें सासन पावर लिमिटेड द्वारा संचालित डीएवी पब्लिक स्कूल के कक्षा 10वी एवं 12वी के बच्चों के द्वारा चित्रकला एवं भाषण प्रतियोगिता में भाग लेकर अपने-अपने विचार प्रकट किए। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर सात दिनों के अंतराल में 3500 पौधों से ज्यादा का सामूहिक वृक्षारोपण किया गया तथा पौधारोपण करने वाले जनसमूह से पर्यावरण संरक्षण तथा वृक्षारोपण को शपथ दिलाई गई । इस दौरान टाउनशिप के बच्चों ने पर्यावरण पर एक सुन्दर नाटिका की प्रस्तुतति की जिसका मूल केन्द्र पर्यावरण की सुरक्षा, वृक्षों का रोपड़ और उनके फायदे पर था । 5 जून को टाउनशिप स्थित ओडीटोरियम में समीप सतरंगी लेडीज क्लब की सदस्यगण द्वारा 50 पौधों का वृक्षारोपण किया गया है। जिसमें सभी ने खुद को प्रकृति से जोड़ने का संकल्प लिया। विश्व पर्यावरण दिवस के इस अवसर पर सासन पावर के सीइओ सचिन मोहापात्रा ने एक महान पहल की शुरूआत की जिससमें मैत्री हिल्स पर आने वाली महिला आगन्तुकों से वृक्षारोपण कराया गया और उन्हें सम्मानित भी किया गया। ऐसे 130 वृक्षारोपण इन महिला आगन्तुकों ने किया। 5 जून को विश्व पर्यावरण जागरूकता सप्ताह का समापन का आयोजन किया गया जिसमें संजीव मेहरा क्षेत्रीय अधिकारी मप्र प्रदूषण बोर्ड उपस्थित होकर सासन पावर लिमिटेड तथा समापन समारोह का मान बढ़ाया। प्रमुख निशांत गुप्ता ने पर्यावरण शपथ दिलाए जिसमें सभी ने पर्यावरणय संरक्षण के प्रति संकल्प लिया। इस अवसर पर सासन पावर लिमिटेड के सीईओ सचिन मोहापात्रा तथा स्टेशन डायरेक्टर सुब्रतो घोष ने सभी कर्मचारियों को विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में पर्यावरण के महत्व को बताया। पर्यावरण, सुरक्षा और बागवानी विभाग प्रमुख जितेन्द्र प्रसाद ने प्लास्टिक प्रदूषण का मानव स्वास्थ्य पर हानिकारक प्रभावों के बारे में बताते हुए लोगों को प्लास्टिक प्रदूषण के खिलाफ स्वप्रेरित होने के लिए आवाहन किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में अभिषेक गोस्वामी, जितेन्द्र यादव, मो. सईद, बृजेश सिंह, योगेन्द्र सिंह, जसपाल भट्टी, राज नारायण शाहू एवं अशोक कुमार पटेल का अहम योगदान रहा।

होतीलाल व अनिल घांसी का रास्ता रोक कर की मारपीट

जागरण, सरई। थाना अंतर्गत ग्राम गजराबहरा निवासी सुदीप साहू पिता समुंदर साहू व आशीष साहू पिता सुरेंद्र साहू के ऊपर घसियान टोला में लगे सरकारी हैंड पंप को चोरी कर लेने का आरोप है। इस हैंडपंप की चोरी 31 मई को रात के लगभग 11 -12 बजे हुआ है। हैंडपंप चोरी करते समय होतीलाल घांसी पिता छकौडी लाल घांसी उम्र लगभग 42 वर्ष ने देख लिया है। देखने के बाद मना करने पर चोरों ने अश्लील गालियां देते हुए मारने के लिए दौड़ाया जिससे फरियादी होतीलाल घासी भागकर अपने घर के अंदर हो गया सुबह होते ही फरियादी होतीलाल ने अपने घर के अंदर हो गया सुबह होते ही फरियादी होतीलाल आसपास के सभी लोगों को हैंडपंप चोरी वाला घटना बताया तत्पश्चात उसी दिन यानि 1 जून को 4. 00 दिन घांसी परिवार के लोग वैवाहिक कार्यक्रम में बाजा बजाने जा रहे थे। उसी दरमियान सुदीप व आशीष साहू ने फरियादी होतीलाल व अनिल घासी को बीच रास्ते में रोक कर गाली गलौच व मारपीट करने लगे। तब हम लोगों ने किसी तरह अपना जान बचाकर राजीव साकेत निवासी गजरा बहरा के घर की ओर भागे फिर भी आशीष व सुदीप का जी नहीं भरा तो उन्होंने पीछे.पीछे राजीव साकेत के घर के पास पहुंचकर आसपास के लोगों के सामने फिर से अश्लील गालियां देते हुए अनिल घांसी को लात .घूसे से मारने लगे। जिससे उनके शरीर में आंतरिक चोट आई है और पूरे शरीर में दर्द बना हुआ है इसके बाद एकत्रित लोगों ने बीच बचाव किया और मुझे सुदीपए आशीष के चंगुल से छुड़ाया फिर भी आरोपियों को संतुष्टि नहीं हुई तो फरियादियों को जाति सूचक गालियां तुम घंसिया हो नीच जाति के हो। उसी स तरह रहो ज्यादा होशियार बनने की कोशिश मत करो नहीं तो मारकर फेंक देंगे तुम्हारा पता भी नहीं चलेगा इन सब पूरी घटना क्रम के बाद घांसी लोग जो अनुसूचित जाति की श्रेणी में आते हैं। वे सभी काफी आहत व दुखी हैं जिन्हें तरह.तरह की डर सता रही है। वहीं जाति सूचक गालियां देने से सभी घासी परिवार मानसिक रूप से प्रताड़ित व व्यथित हैं। जिसकी शिकायत फरियादियों ने सरई थाना में आकर की है और पुलिस से कार्यवाही की मांग की है।

आरटीआई को मजाक बनाया नगर निगम सिंगरौली ने : राजेश सोनी

जागरण, बैढ़न। आम आदमी पार्टी सिंगरौली के पूर्व जिलाध्यक्ष एवं शोसल एक्टिविस्ट राजेश सोनी ने जारी बयान में बताया कि उनके द्वारा नगर निगम सिंगरौली में जगह.जगह पर सड़को की खुदाई करके आधा अधूरा काम छोड़े जाने को लेकर 24 फरवरी को आरटीआई के तहत जानकारी मांगी थी लेकिन नगर पालिक निगम के द्वारा जानकारी उपलब्ध नही कराया गया जिसके खिलाफ में 31 मार्च को पुनः अपील किया गया अपील के बाद नगर निगम से अलग.अलग तारीख़ में सुनवाई हेतु सूचना प्राप्त हुआ था सूचना मिलने के बाद मैं नियत तिथि एवं समय पर नगर निगम कार्यालय पहुँचा था जहाँ पर कोई भी अधिकारी नही मिलते थे आगे राजेश सोनी ने बताया कि इस तरह का रवैया नगर निगम सिंगरौली के ओर से कई बार किया जा चुका सूचना अधिकार अधिनियम के तहत जानकारी देने में नगर निगम के अधिकारियों एवं कर्मचारियों का सांस फूलने लगता है आगे उन्होंने कहा कि मेरे द्वारा पुनः नगर निगम आयुक्त के नाम से स्मरण पत्र लिखा गया है अब देखना है कि नगर निगम आयुक्त संसद द्वारा पारित कानून सूचना अधिकार अधिनियम को मजाक मनाने वाले अधिकारी एवं कर्मचारियों के ऊपर क्या कार्यवाही करते हैं।

एनसीएल ने 1.22 लाख पौधारोपण हेतु रेणुकूट वन प्रभाग के साथ किया एमओयू

जागरण सिंगरौली। भारत सरकार की मिनीरत्न कंपनी नॉर्दर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड एनसीएल ने 1.22 लाख पौधे लगाने हेतु रेनूकूट वन प्रभाग उत्तर प्रदेश के साथ एमओयू किया। इस एमओयू के तहत एनसीएल की उत्तर प्रदेश स्थित परियोजनाओं बीना खड़िया कृष्णशिला और दूधीचुआ उ. प्र. स्थित क्षेत्र के खदान क्षेत्र में अधिभार पर 49 हेक्टेयर क्षेत्र में स्थानीय प्रजातियों के पौधे लगाए जाएंगे एवं 4 साल तक उनकी देखभाल की जाएगी। इस दौरान एमओयू पर रेनूकूट वन प्रभाग की ओर से डीएफ़ओ रेनूकूट डा.भानेंद्र सिंह तथा एनसीएल की ओर से महाप्रबंधक पर्यावरण/वन राकेश कुमार ने हस्ताक्षर किए इस अवसर पर एनसीएल के उप प्रबंधक पर्यावरण डी. के.सैनी एवं क्षेत्रीय वन अधिकारी रेनूकूट संजय कुमार शर्मा भी उपस्थित रहे। गौरतलब है कि गौरतलब है कि एनसीएल ने हरित आवरण को बढ़ावा देने हेतु वर्ष 25-.26 में 500 हेक्टेयर भूमि पर लगभग 6 लाख पौधारोपण का लक्ष्य निर्धारित किया है। एनसीएल ने स्थापना से लेकर अभी तक 2.82 करोड़ पौधे लगाए हैं एवं पर्यावरण संरक्षण हेतु डंप पुनर्स्थापना पारिस्थितिकी तंत्र की बहाली इको पार्क का निर्माण जैसे अनेक कार्य कर रही है।

श्रृंगार-ए-सिंगरौली में गूंजा पर्यावरण का संदेश एनटीपीसी विंध्याचल ने निभाई अग्रणी

जागरण, विन्ध्यनगर। विश्व पर्यावरण दिवस पर सिंगरौली ने पर्यावरण प्रेम की अनूठी मिसाल पेश की। श्रृंगार-ए-सिंगरौली नामक रंगारंग आयोजन में जहां एक ओर सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने लोगों का मन मोह लियाए वहीं दूसरी ओर पर्यावरण संरक्षण का गंभीर संदेश भी समाज के हर वर्ग तक पहुंचा। यह खास आयोजन रेडियो ऊर्जा एफ एम 89.6 द्वारा किया गया जिसका मुख्य आयोजक एनटीपीसी विंध्याचल था। इस वर्ष का थीम था, सिंगरौली की आवाज़ पर्यावरण पे कुछ खास। कार्यक्रम का आयोजन नवजीवन बिहार मे स्थित सामुदायिक भवन में हुआ जिसे आम नागरिकों विशेषज्ञों और अधिकारियों की सहभागिता ने और भी खास बना दिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एनटीपीसी विंध्याचल के मुख्य महाप्रबंधक चिकित्सा डॉ.बी.सी. चतुर्वेदी रहे जिन्होंने अपने वक्तव्य में पर्यावरणीय चेतना और सामूहिक प्रयासों की महत्ता पर बल दिया। प्रस्तुत किए गए नुक्कड़ नाटक चित्र प्रदर्शनी और एक बाग हर घर जैसे नवाचारों ने हर दर्शक को प्रभावित किया। पैनल चर्चा में पर्यावरण क्षेत्र से जुड़े विशेषज्ञों ने भाग लिया। वीएसआर स्टेशनों के पर्यावरण पेशेवरों ने स्थायी विकास के अनुभव साझा किए। एनटीपीसी विंध्याचल सिंगरौली और रिहंद से आए प्रतिनिधियों ने अपने अनुभव साझा करते हुए स्थानीय स्तर पर टिकाऊ विकास की संभावनाओं पर चर्चा की। इस अवसर पर एनटीपीसी विंध्याचल से राहुल वर्मा अपर महाप्रबंधक एयूडी शंकर सुब्रमणियम उप प्रबंधक मानव संसाधन और दिनेश कुमार मीना कनिष्ठ अभियंता ईएमजी उपस्थित रहे। वहीं एनटीपीसी सिंगरौली से नीरज यादव अपर महाप्रबंधक ईएमजी और श्रीमती दीपिका सिंह वरिष्ठ प्रबंधक ईएमजी मौजूद रहीं। एनटीपीसी रिहंद से राजीव कुमार मित्तल अपर महाप्रबंधक ईएमजी अमित धीमान उप महाप्रबंधक ईएमजी और रघवेंद्र नारायण उप महाप्रबंधक ईएमजी ने सहभागिता की।

राष्ट्र एवं मीडिया पर परिचर्चा एवं शिखर विविध आलेख पुस्तक का विमोचन

पीआरएसआई वाराणसी चैप्टर एवं बनारस रेल कारखाना द्वारा परिचर्चा एवं पुस्तक विमोचन संपन्न

जागरण, सिंगरौली। पब्लिक रिलेशन सोसाइटी ऑफ इंडिया वाराणसी चैप्टर एवं जनसंपर्क विभाग बनारस रेल कारखाना के संयुक्त तत्वावधान में बरेका के सम्मेलन कक्ष में राष्ट्र एवं मीडिया विषय पर परिचर्चा एवं डॉ मिथिलेश कुमार श्रीवास्तव शिखर् के सत्रहवीं पुस्तक शिखर विविध आलेख का विमोचन मुख्य अतिथि प्रो राम मोहन पाठक पूर्व कुलपति दक्षिण भारत हिंदी प्रचार सभा विशिष्ट अतिथि अंतरराष्ट्रीय हास्य कवि चकाचौंध ज्ञानपुरी एवं अतिथियों द्वारा संपन्न हुआ। सर्वप्रथम कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे पीआरएसआई के चेयरमैन अनिल जजोदिया ने सभागार में उपस्थित सभी अतिथियों का स्वागत एवं अभिनंदन किया। अतिथि.परिचय के दौरान सभी अतिथियों को अंगवस्त्रम से सम्मानित किया गया। पुस्तक विमोचन से पूर्व गाजियाबाद से पुस्तक के लेखक एवं साहित्यकार डॉ मिथिलेश कुमार श्रीवास्तव शिखर ने पुस्तक की रूपरेखा का परिचय देते हुए बताया कि हिंदी श्री पब्लिकेशन द्वारा प्रकाशित मेरी इस सत्रहवीं पुस्तक में विविध आयाम के कुल सत्रह आलेख समाहित हैं एवं पहला आलेख राष्ट्र एवं मीडिया है। मुख्य अतिथि प्रो राम मोहन पाठक के राष्ट्र एवं मीडिया विषय पर परिचर्चा से सभी सदस्य लाभान्वित हुए। उन्होंने आज के संदर्भ में राष्ट्रए मीडिया एवं लोक पर चर्चा करते हुए लोकतंत्र में लोक भावना को परिभाषित किया। बतौर विशिष्ट अतिथि हास्य कवि चकाचौंध ज्ञानपुरी ने व्यंग्य करते हुए कहा कि पहले समाचार छपता था फिर बिकता है अब समाचार बिकता है फिर छपता है। बरेका के जनसंपर्क अधिकारी राजेश कुमार विमोचित पुस्तक के आलेख के कुछ अंश जो मीडिया के आदर्श होने चाहिए पढ़कर सुनाए। पीआरएसआई के चेयरमैन अनिल जजोदिया ने परिचर्चा के दौरान बताया कि इस पुस्तक में वर्णित राष्ट्र और मीडिया आलेख काफी बड़ा अठारह पेज का है। इसी क्रम में पीआरएसआई के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष नरेंद्र मेहता प्रो अनुराग दवे पूर्व विभागाध्यक्ष पत्रकारिता एवं जनसंचार बीएचयू डॉ आनंद कुमार श्रीवास्तव विभागाध्यक्ष, मनोविज्ञान नागरिक पीजी कॉलेज जंघई राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित शिक्षक ओम प्रकाश त्रिपाठी सोन साहित्य संगम सोनभद्र के संयोजक राकेश शरण मिश्र गुरु चंद्र प्रकाश सिंह फाउंडर निदेशक आन्या ग्रीन एनर्जी डॉ ममता पांडेय प्रवक्ता धीरेन्द्र महिला पीजी कॉलेज डी एस एल श्रीवास्तव पूर्व उप प्रबंधक एनटीपीसी पीआरएसआई के महेश सेठ क्रिएटिव मीडिया के डायरेक्टर भरत गुप्ता समाज सेवी रूपेश नागवंशी आदि प्रबुद्ध लोगों ने अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम का संयोजन पीआरएसआई के सचिव प्रदीप कुमार उपाध्याय संचालन काशी विद्यापीठ के पत्रकारिता एवं

सासन पावर लिमिटेड द्वारा विस्थापित परिवारों को किया गया मच्छरदानी का वितरण

जागरण बैढ़न। सासन पावर लिमिटेड के मुख्य कार्यपालन अधिकारी सचिन मोहापात्रा एवं स्टेशन डायरेक्टर सुब्रतों घोष के दिशा-निर्देशन में सी.एस.आर. विभाग ने सामाजिक उत्तरदायित्व एवं नैगमिक कार्यक्रम के अन्तर्गत मलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम के तहत विस्थापित कालोनी सूर्यविहार एवं अनुसूचित जनजाति बस्ती तियरा में मच्छरदानी का विवरण किया गया है। मलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम के अन्तर्गत प्रत्येक वर्ष जरूरतमंद ग्रामीणों को सासन पावर लिमिटेड द्वारा प्रत्येक वर्ष नियमित रूप से मच्छरदानी वितरण किया जाता रहा है। इस कार्यक्रम के अन्तर्गत विस्थापित कालोनी सूर्य विहार के लगभग 150 परिवार एवं तियरा बैगा बस्ती के 60 से अधिक परिवार लाभान्वित हुए। मुख्य अतिथि के रूप में सासन पावर लिमिटेड के सुरक्षा विभाग के प्रमुख परवीन्दर सिंह और अग्मि शमक विभाग से प्रवीण सिंह शामिल रहे। इसके अतिरिक्त सासन पावर लिमिटेड के सी.एस.आर. विभाग से अशीष कुमार गुप्ता, मिथिलेश शाह, आर.डी. दुबे, श्यामसुन्दर बसोर शामिल रहे। रिलायंस सासन पावर की सीएसआर टीम द्वारा आश्वस्त किया गया कि रिलायंस सासन पावर समुदाय के जरूरतमंद लोगों के कल्याण एवं स्वास्थ्य संबंधित कार्यक्रमों को समाज उत्थान के लिए लगातार जारी रखेगी।

सांदीपनि विद्यालय में उन्नयन के कार्यों को प्राथमिकता से करें पूर्णः उप मुख्यमंत्री

रीवा। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने मंत्रालय भोपाल में रीवा जिले में सांदीपनि विद्यालय और अन्य विद्यालयों के उन्नयन एवं निर्माण कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने पी.के. गर्ल्स हायर सेकेंडरी स्कूल, रीवा को सांदीपनि विद्यालय के रूप में विकसित किए जाने के लिए किए जा रहे कार्यों की विशेष चर्चा की। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने निर्देश दिए कि ऑडिटोरियम, खेल सुविधाएँ, फर्नीचर और अन्य निर्माण कार्य निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण किए जाएं ताकि आगामी शैक्षणिक सत्र से सेवाओं का संचालन सुनिश्चित किया जा सके। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि किसी भी प्रकार की तकनीकी अड़चनों को त्वरित रूप से उच्चाधिकारियों के संज्ञान में लाकर प्राथमिकता के आधार पर निराकृत किया जाए। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने रीवा शहर के समीपवर्ती क्षेत्रों में स्थित विद्यालयों के प्रस्तावित उन्नयन कार्यों की प्रगति की भी समीक्षा की और निर्देशित किया कि सभी आवश्यक औपचारिकताओं को शीघ्रता से पूर्ण कर प्रस्तावों को सक्षम स्तर पर अनुमोदन के लिए भेजा जाए।

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर एनसीएल की परियोजना एवं इकाइयों में आयोजित हुए विभिन्न कार्यक्रम

जागरण, सिंगरौली। एनसीएल में विश्व पर्यावरण दिवस 25 उत्साहपूर्वक मनाया गया। इसी कड़ी में एनसीएल की निगाही परियोजना में केंद्रीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान क्षेत्रीय अधिकारी मध्य प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड सिंगरौली संजीव मेहरा बतौर मुख्य अतिथि एवं परियोजना से वरिष्ठ अधिकारीगण श्रमिक संघ प्रतिनिधि और अन्य अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान संजीव मेहरा ने पर्यावरण का संरक्षण को सभी का नैतिक कर्तव्य बताया। उन्होनें एनसीएल की पर्यावरण अनुकूल नवाचारी पहलों एवं हरित कोयला प्रेषण हेतु एफ़एमसी परियोजनाओं की सराहना की। इसके अतिरिक्त उन्होनें उपस्थित सभी से सिंगल यूज प्लास्टिक के उपयोग को कम कर प्लास्टिक प्रदूषण की रोकथाम में योगदान देने हेतु आह्वान भी किया। कार्यक्रम के दौरान संजीव मेहरा एवं अन्य द्वारा एक पेड़ माँ के नाम मुहिम के तहत वृक्षारोपण भी किया गया। इस अवसर पर उपस्थित सभी ने पर्यावरण संरक्षण की शपथ ली। तत्पश्चात कार्यक्रम के दौरान अध्यक्ष कोल इंडिया लिमिटेड एवं सी. एम.डी. एन.सी.एल. के पर्यावरण दिवस पर जारी सन्देशों का भी वाचन भी किया गया इस वर्ष निगाही परियोजना ने वेस्ट टू वैल्थ की अवधारणा को साकार करते हुए 3500 पुरानी ट्यूबलाइटों का पुनर्चक्रण कर उनसे रोड डेलीनेटर रिफ्लेक्टर तैयार किए जो खदान क्षेत्र में सुरक्षा को सुदृढ़ करने में सहायक हैं। कार्यक्रम के अंत में पर्यावरण दिवस 25 के अंतर्गत आयोजित वेस्ट टू वंडर् प्रतियोगिता चित्रकारी प्रतियोगिता भाषण प्रतियोगिता इत्यादि के विजेता प्रतिभागियों को पुरुस्कार देकर सम्मानित भी किया गया।

पर्यावरण संरक्षण जागरूकता रैली का हुआ आयोजन

विश्व पर्यावरण दिवस 25 के उपलक्ष्य में एनसीएल की सभी परियोजनाओं एवं इकाइयों ने पर्यावरण संरक्षण जागरूकता रैली का आयोजन किया। इसी क्रम में एनसीएल की दूधीचुआ कृष्णशिला निगाही बीना अमलोरी एवं एनएससी परियोजनाओं में पर्यावरण संरक्षण जागरूकता रैलियों का आयोजन किया गया। इन रैलियों के माध्यम से स्थानीय लोगों को प्लास्टिक प्रदूषण के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक किया गया और सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग न करने के लिए प्रेरित किया गया।

cbc 46101/13/0012/2526
भारत सरकार
विकसित भारत का अमृत काल
सेवा, सुशासन, गरीब कल्याण के
11 साल

दशकों का इंतजार हुआ खत्म, सपनों को मिली उड़ान
सैनिक स्कूल और नेशनल डिफेंस एकेडमी के
दरवाजे बेटियों के लिए खुले
पहली बार आर्म्ड फोर्सेज में स्थायी कमीशन मिला

नोवाक जोकोविच को हराकर सिनर पहली बार फ्रेंच ओपन के फाइनल में

खिताबी मुकाबले में गत चैंपियन अल्काराज से भिड़ेंगे विश्व नंबर एक यानिक

पेरिस, जेएनएन। दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी यानिक सिनर ने नोवाक जोकोविच को सीधे सेटों में 6-4, 7-5, 7-6 (3) से हराकर फ्रेंच ओपन टेनिस टूर्नामेंट के पुरुष एकल के फाइनल में जगह बनाई, जहां उनका सामना गत चैंपियन कार्लोस अल्काराज से होगा। सिनर ने पहली बार फ्रेंच ओपन के फाइनल में प्रवेश किया है, लेकिन अपने इस सफर में उन्होंने एक भी सेट नहीं गंवाया है। अल्काराज ने हालांकि उनके खिलाफ पिछले चार मुकाबले जीते हैं और कुल मिलाकर 7-4 से आगे हैं। सिनर अपना चौथा जबकि अल्काराज अपना पांचवा ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने की कोशिश करेंगे। जोकोविच पुरुषों के रिकॉर्ड 24 बार ग्रैंड स्लैम चैंपियन हैं, लेकिन वे कोर्ट फिलिप चैटियर पर सिनर के सटीक और तेज फोरहैंड का मुकाबला नहीं कर सके। इससे पहले अल्काराज ने जब लोरेंजो मुसेट्टी के खिलाफ 4-6 7-6(3) 6-0 2-0 से बढ़त बनाई थी, तब इटली का आठवीं वरीयता प्राप्त खिलाड़ी पैर की चोट के कारण मैच से हट गया था।

■ 1968 में शुरू हुए ओपन युग में फ्रेंच ओपन के फाइनल में पहुंचने वाले सिनर इटली के दूसरे पुरुष खिलाड़ी बन गए हैं। उनसे पहले 1976 के चैंपियन एड्रियानो पनाटा फाइनल में पहुंचे थे।

यह मेरा आखिरी मैच हो सकता है : जोकोविच

जोकोविच इस बात को लेकर अनिश्चित हैं कि वह दोबारा फ्रेंच ओपन में खेल पाएंगे या नहीं। जोकोविच ने मैच हारने के बाद अपना बैग नीचे रखा और दर्शकों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि मेरा मतलब है कि यह मेरा यहां खेला गया आखिरी मैच हो सकता था, इसलिए मुझे नहीं पता। इसलिए मैं आखिर में थोड़ा अधिक भावुक था। अगर यह फ्रेंच ओपन में मेरे करियर का आखिरी मैच था, तो दर्शकों ने जिस तरह से मेरा समर्थन किया उसे देखते हुए यह अद्भुत था। जोकोविच ने मैच हारने के बाद अपना हाथ चूमा, फिर उसे मिट्टी पर रख दिया, मानो फ्रेंच ओपन को अलविदा कह रहे हों, जहां वह तीन बार चैंपियन रहे थे। उन्होंने अपना बैग ऊपर खींचा, स्टैंड की तरफ देखा और फिर बाहर चले गए। उन्होंने कहा, क्या मैं आगे खेलना चाहता हूं, हां, मैं चाहता हूं। लेकिन क्या मैं 12 महीने बाद यहां खेल पाऊंगा।

फ्रेंच ओपन की नई चैंपियन 'गॉफ'

फ्रेंच ओपन : अमेरिकी खिलाड़ी कोको ने वर्ल्ड नंबर एक सबालेंका को हराकर जीत पहली बार खिताब

जेएनएन, पेरिस

अमेरिका की कोको गॉफ ने एक सेट से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए शीर्ष रैंकिंग वाली आर्यन सबालेंका को 6-7, 6-2, 6-4 से हराकर पहली बार फ्रेंच ओपन महिला एकल खिताब जीत लिया। दूसरी रैंकिंग वाली गॉफ इससे पहले 2023 अमेरिकी ओपन जीत चुकी हैं। रोलां गैरो पर 2013 के बाद पहली बार दुनिया की पहले और दूसरे नंबर की खिलाड़ी के बीच फाइनल खेला गया। 12 साल पहले सेरेना विलियम्स ने मारिया शारापोवा को हराकर खिताब जीता था। पिछले 30 साल में यह दूसरी बार है, जब खिताबी भिड़ंत शीर्ष दो खिलाड़ियों के बीच हुई है। रोलां गैरां के फिलिप चैटरियर कोर्ट पर खेले गए खिताबी मैच में 21 साल की गॉफ ने बेलारूस की सबालेंका को 2 घंटे और 38 मिनट तक चले मुकाबले में शिकस्त दी। गॉफ ने पहला सेट 6-7 से गंवा दिया था, लेकिन इसके बाद उन्होंने जोरदार वापसी की। दूसरे सेट में गॉफ ने सबालेंका को 6-2 से हराया। आखिरी सेट में सबालेंका ने गॉफ को चुनौती देने की कोशिश की, लेकिन गॉफ आखिरी सेट को 6-4 से जीतकर फ्रेंच ओपन चैंपियन बनीं। गॉफ 2022 में भी फ्रेंच ओपन के फाइनल में पहुंची थीं। इस दौरान उन्हें इगा स्वियातेक ने मात दी थी। यह गॉफ के करियर का दूसरा ग्रैंड स्लैम खिताब है। इससे पहले उन्होंने 2023 में यूएस ओपन खिताब जीता था। सबालेंका और गॉफ के बीच पिछली भिड़ंत मई में मैड्रिड ओपन में हुई थी, जिसमें सबालेंका जीतने में सफल रही थीं। सबालेंका ने अक्टूबर में स्वियातेक को पछाड़कर नंबर एक के सिंहासन पर कब्जा किया था। उन्होंने इस सीजन में तीन खिताब जीते हैं। उनकी तीन ग्रैंडस्लैम जीत सभी हार्डकोर्ट पर हैं जिसमें 2023 और 2024 का ऑस्ट्रेलियाई ओपन तथा 2024 का यूएस ओपन शामिल है।

■ 12 साल बाद महिला एकल रैंकिंग में शीर्ष दो खिलाड़ियों के बीच पहली भिड़ंत हैं। 2013 में नंबर-1 सेरेना विलियम्स ने मारिया शारपोवा को हराकर खिताब जीता था।

■ 21: साल की गॉफ ने 2015 में सेरेना विलियम्स के बाद सिंगल्स खिताब जीतने वाली पहली अमेरिकी महिला बन गई हैं। इसके साथ ही 2002 में अपने देश की खिलाड़ी के बाद ये उपलब्धि हासिल करने वाली संयुक्त राच्य अमेरिका की सबसे कम उम्र की खिलाड़ी बनीं।

मैदान से हटकर

अय्यर को पति मान चुकी रोज, कहा- मैं उनके बच्चों की मां हूं

आईपीएल-2025 में पंजाब किंग्स भले ही आरसीबी से हारकर चैंपियन नहीं बन पाई, लेकिन कप्तान श्रेयस अय्यर की दीवानगी प्रशंसकों के सिर चढ़ कर बोल रही है। इसका ताजा उदाहरण है फिल्म अभिनेत्री एडिन रोज का बयान, जो उन्होंने एक इंटरव्यू में दिया। उन्होंने कहा कि वह मन ही मन इस खिलाड़ी को अपना पति मान चुकी हैं और खुद को उनके बच्चों की मां मानती हैं। बिग बॉस 18 फेम रोज ने एक इंटरव्यू में अपने पसंदीदा क्रिकेटर पर बात की। उन्होंने बताया कि वह अय्यर को बहुत पसंद करती हैं। वह ऑन द स्पॉट उनसे शादी करना चाहती हैं। रोज ने यह भी कहा कि वह मन ही मन खुद को उनके बच्चों की मां मानती हैं। इस दौरान एडिन रोज ने श्रेयस की चार खूबियां भी गिनाईं। उन्होंने कहा कि अय्यर लंबे हैं। इसके अलावा डार्क और हैंडसम हैं। उनकी बियर्ड (दाढ़ी) भी अच्छी है। वह भारत का प्रतिनिधित्व भी करते हैं और देश के लिए खेलते हैं। वह मेरे पिता की तरह दक्षिण भारत से आते हैं। मैं मानती हूं कि मैं उनके बच्चों की मां हूं। मेरे हिसाब से मैं उनसे शादी कर चुकी हैं। श्रेयस के नेतृत्व में भले ही पंजाब नहीं जीत पाई, लेकिन 2014 के बाद टीम पहली बार फाइनल में प्रवेश करने में कामयाब रही। वह तीन अलग-अलग टीमों के साथ आईपीएल फाइनल में पहुंचने वाले पहले कप्तान हैं। **(जेएनएन)**

5 मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए इंग्लैंड पहुंची टीम इंडिया, डब्ल्यूटीसी के नए चक्र की करेगी शुरुआत

इंग्लैंड के खिलाफ पहला टेस्ट मैच 20 जून से

लंदन, जेएनएन। भारतीय क्रिकेट टीम इंग्लैंड के खिलाफ इस महीने के आखिर में शुरू होने वाली पांच मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए ब्रिटेन पहुंच गई है। यह सीरीज 2025-27 आईसीसी विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप चक्र का हिस्सा है। भारतीय टीम शुक्रवार की रात को मुंबई से ब्रिटेन के लिए रवाना हुई थी। नवनियुक्त कप्तान शुभमन गिल भारतीय टीम की अगुआई करेंगे, जो रोहित शर्मा और विराट कोहली जैसे दिग्गजों के हाल ही में संन्यास लेने के बाद एक नए युग की शुरुआत होगी। कई भारतीय खिलाड़ी भारत-ए टीम के हिस्से के रूप में पहले ही इंग्लैंड पहुंच चुके हैं। भारत-ए अभी इंग्लैंड लायंस के खिलाफ तीन मैचों की अनधिकृत टेस्ट सीरीज में भाग ले रही है। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) द्वारा एक्स पर पोस्ट किए गए एक वीडियो में पहली बार टेस्ट टीम में शामिल किए गए साई सुदर्शन ने कहा, भारतीय क्रिकेट टीम का हिस्सा बनकर अच्छा लग रहा है, विशेषकर टेस्ट सीरीज के लिए। ब्रिटेन में आपका स्वागत है। पहला टेस्ट 20 जून से लीड्स में खेला जाएगा। इसके बाद बर्मिंघम (2-6 जुलाई), लॉर्ड्स (10-14 जुलाई), मैनचेस्टर (23-27 जुलाई) और ओवल (4-8 अगस्त) में मैच खेले जाएंगे।

भारत ए के खिलाफ इंग्लैंड लायंस के तीन विकेट पर 192 रन

नॉर्थम्पटन, जेएनएन। भारत-ए के 348 रन के जवाब में इंग्लैंड लायंस ने चार दिवसीय अनधिकृत टेस्ट के दूसरे दिन शनिवार को 46 ओवर में तीन विकेट पर 192 रन बना लिए। जोर्डन कॉक्स 31 रन बनाकर खेल रहे हैं, जबकि जेम्स रियू ने अभी खाता नहीं खोला है। खराब रोशनी के कारण दूसरे दिन का खेल जल्दी समाप्त करना पड़ा और आखिरी सत्र में 13 ओवर ही फेंके जा सके। इंग्लैंड लायंस अभी भी 156 रन पीछे है । एमिलियो गे ने मेजबान टीम के लिए 117 गेंद में सात चौकों की मदद से 71 रन बनाए । उन्हें दिन के आखिरी ओवर में तनुष कोटियान ने पगबाधा आउट किया । लंच से पहले अंशुल कम्बोज ने भारत को पहली सफलता दिलाते हुए बेन मैकिनी (12) को विकेटकीपर ध्रुव जुरेल के हाथों लपकवाया । इससे पहले मैकिनी को आठवें ओवर में प्वाइंट पर जीवनदान मिला था । लंच के बाद तुषार देशपांडे ने टॉम हैंस को आउट करके दूसरे विकेट की 94 रन की साझेदारी को तोड़ा । विकेट के पीछे जुरेल ने ही उनका कैच लपका । हैंस ने 88 गेंद में नौ चौकों की मदद से 54 रन बनाए । इससे पहले भारत ए ने सात विकेट पर 319 रन से आगे खेलते हुए अपने स्कोर में 29 रन और जोड़े । तनुष कोटियान 37 गेंद में 15 रन बनाकर और कम्बोज दो रन पर आउट हो गए । जोशुआ टंग ने दोनों को आउट किया।

ताइवान ओपन में भारत को छह स्वर्ण, ज्योति याराजी ने 100 मी. में चैंपियन

ताइपे सिटी, जेएनएन। एशियाई चैंपियन ज्योति याराजी ताइवान एथलेटिक्स ओपन में शनिवार को महिलाओं की सौ मीटर बाधा दौड़ में अव्वल रही और भारत के छह एथलीटों को स्वर्ण पदक मिला। राष्ट्रीय रिकॉर्डधारी याराजी ने 12.99 सेकंड का समय निकाला। जापान की असुका तेराडा (13.04 सेकंड) और चिसातो कियोयामा (13.10 सेकंड) को क्रमशः रजत और कांस्य पदक मिला। याराजी ने 29 मई को दक्षिण कोरिया में एशियाई चैंपियनशिप में भी स्वर्ण पदक जीता था, जिसमें उन्होंने 12.96 सेकंड का समय निकाला था। राष्ट्रीय रिकॉर्डधारी तेजस सिरसे ने पुरुषों की 110 मीटर बाधा दौड़ में 13.52 सेकंड का समय निकालकर स्वर्ण जीता। भारत की चार गुणा 100 मीटर रिले टीम (गुरिंदरवीर सिंह, अनिमेष कुजूर, मणिकांता होबलीधर और अमलान बोरगोहेन) ने 38.75 सेकंड का समय निकालकर स्वर्ण पदक जीता। वे अपने ही 38.69 सेकंड के राष्ट्रीय रिकॉर्ड से सेकंड के 600वें हिस्से से चूक गए। वे हालांकि टोक्यो विश्व चैंपियनशिप के क्वालिफाइंग मार्क से भी चूक गए। सितंबर में होने वाली विश्व चैंपियनशिप के लिए 14 देश क्वालिफाई कर चुके हैं और अब दो ही स्थान उपलब्ध हैं।

प्रो लीग यूरोप चरण : बढ़त के बावजूद नीदरलैंड से हारी भारतीय हॉकी टीम

एम्सटेलवीन, जेएनएन। एक गोल से बढ़त बनाने के बावजूद भारतीय पुरुष हॉकी टीम एफआईएच प्रो लीग के यूरोप चरण के पहले मैच में शनिवार को ओलंपिक चैम्पियन नीदरलैंड के हाथों 2-1 से हार गई। कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने 19वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर पर दागकर भारत को बढत दिला दी थी, लेकिन नीदरलैंड के लिए थीज वैन डैम ने दो फील्ड गोल (25वां और 58वां मिनट) करके भारत के जीत के मंसूबों पर पानी फेर दिया। भुवनेश्वर में खेले गए प्रो लीग के घरेलू चरण में आठ मैचों में 15 अंक हासिल करके भारत तीसरे स्थान पर है। बेल्जियम और नीदरलैंड में अगले साल होने वाले विश्व कप में सीधे जगह बनाने के लिए भारतीय टीम की नजरें यूरोपीय चरण में अधिकतम अंक जुटाने पर लगी हैं, लेकिन आगाज जीत के साथ नहीं हो सका। भारतीय टीम ने शानदार शुरुआत की और अच्छे पास देकर गेंद पर नियंत्रण बनाए रखा। पहले आठ मिनट में दोनों टीमों ने रक्षात्मक हॉकी दिखाई। भारत को इसके बाद गोल करने का सुनहरा मौका मिला जब डच सर्कल के भीतर दिलप्रीत सिंह को गेंद मिली, लेकिन उसे गोलकीपर ने बचा लिया। भारत को अब नौ जून को फिर नीदरलैंड से खेलना है। 11 और 12 जून को अर्जेंटीना से, 14 और 15 जून को ऑस्ट्रेलिया और 21 और 22 जून को एंटवर्प में बेल्जियम से खेलना है।

वर्ल्ड चैंपियन गुकेश तीसरे स्थान पर कार्लसन 7वीं बार नॉर्वे शतरंज चैंपियन

स्टावेंजर (नॉर्वे), जेएनएन। विश्व चैंपियन डी गुकेश अंतिम दौर में अमेरिकी ग्रैंडमास्टर फैबियानो कारूआना से हारने के कारण नॉर्वे शतरंज टूर्नामेंट में तीसरे स्थान पर रहे, जबकि पांच बार के विश्व चैंपियन मैग्नस कार्लसन ने रिकॉर्ड सातवां खिताब जीता। गुकेश ने 2018 के नॉर्वे शतरंज चैंपियन कारूआना के खिलाफ समय समाप्त होने के कारण एक बड़ी गलती की इसके बाद उन्हें एहसास हुआ कि मौका उनके हाथ से निकल गया है। गत विजेता कार्लसन ने 10वें राउंड में भारत के अर्जुन एरिगैसी के खिलाफ मुख्य बाजी ड्रॉ कराकर अपने अंकों की संख्या 16 पर पहुंचाई और इस तरह से खिताब अपने नाम पक्का किया। कारूआना 15.5 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर रहे। गुकेश 14.5 अंकों के साथ तीसरे, जबकि एरिगैसी 13 अंकों के साथ पांचवें स्थान पर रहे।

बटलर शतक से चूके, इंग्लैंड ने पहले टी-20 में विंडीज को 21 रन से हराया

चेस्टर ली स्ट्रीट (इंग्लैंड), जेएनएन। इंग्लैंड ने टी-20 सीरीज के पहले मुकाबले में वेस्टइंडीज को 21 रन से हराकर तीन मैचों की सीरीज में 1-0 से बढ़त बना ली है। दूसरा टी-20 रविवार को ब्रिस्टल में खेला जाएगा। इंग्लैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए छह विकेट पर 188 रन बनाए। इसके जवाब में वेस्टइंडीज नौ विकेट पर 167 रन ही बना सकी। आईपीएल में शानदार प्रदर्शन करने वाले इंग्लैंड के पूर्व कप्तान जोस बटलर ने अपनी अच्छी फॉर्म बरकरार रखी तथा 59 गेंद पर 96 रन बनाए। उनके अलावा सलामी बल्लेबाज जेमी स्मिथ ने 38 और जैकब बैथेल ने नाबाद 23 रन का योगदान दिया। इसके बाद बाएं हाथ के स्पिनर लियाम डॉसन का जादू चला, जिन्हें इंग्लैंड ने 35 साल की उम्र में लगभग तीन साल बाहर रहने के बाद टीम में शामिल किया था। उन्होंने 2016 से 2022 तक 11 टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैच में छह विकेट लिए थे, लेकिन इस मैच में चार ओवर में 20 रन देकर चार विकेट लिए और अपने करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। प्लेयर ऑफ द मैच डॉसन ने शीर्ष छह बल्लेबाजों में से चार जॉनसन चार्ल्स (18), शेरफेन रदरफोर्ड (2), रोस्टन चेस (24) और रोवमैन पॉवेल (13) को आउट किया।

प्लेयर ऑफ द मैच : डॉसन

अनय जैन के दोहरे प्रदर्शन से मयंक अकादमी ने रेलवे यूथ को हराया

भोपाल, खेप्र। मयंक चतुर्वेदी क्रिकेट अकादमी ने पहले जीएस पठानिया मेमोरियल क्रिकेट टूर्नामेंट में रेलवे यूथ को चार विकेट से हराकर अगले दौर में प्रवेश किया। रविवार को एनसीसीसी और क्रिककिंग्डम के बीच मैच खेला जाएगा। जवाहर लाल नेहरू स्कूल में पहले बल्लेबाजी करने उतरी रेलवे यूथ क्रिकेट अकादमी 44.3 ओवर में 170 रन पर सिमट गई। मोहित (52) ने अर्धशतक जड़ा। ग्रंथ ने 41 रन बनाए। मयंक अकादमी के अनय जैन ने 4 विकेट झटके। निश्चय और वेद पाठक को दो-दो सफलता मिली। जवाब में मयंक अकादमी ने 40.1 ओवर में 6 विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया। कनव ने 43, निश्चय ने 41 और अनय जैन ने 40 रन का योगदान दिया। रेलवे यूथ के अर्नव ने 4 विकेट हासिल किए। अनय को प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार भोपाल डिविजन क्रिकेट एसोसिएशन के उपाध्यक्ष डॉ. सुशील सिंह ठाकुर और रेलवे यूथ के हेड कोच और वरिष्ठ क्रिकेटर नंदजीत सिंह ने प्रदान किया।

सौम्या और अंशुलका ने दिलाई अरेरा क्रिकेट अकादमी को जीत

भोपाल, खेप्र। अरेरा अकादमी की गर्ल्स टीम ने शनिवार को अरेरा प्रीमियर क्रिकेट लीग में एनसीसीसी को तीन विकेट से शिकस्त दी। ओल्ड कैंपियन मैदान पर एनसीसीसी ने निर्धारित 50 ओवर में सभी विकेट गंवाकर 162 रन बनाए। टीम की हंसिका किरार ने 37, प्रतिष्ठा सेन ने 21 और काव्या पटेल ने 20 रन का योगदान दिया। अरेरा अकादमी की सौम्या तिवारी ने 3 विकेट झटके। श्रेया दीक्षित, शानवी मंडलोई, प्रीति प्रजापति और राशि सोनी को एक-एक सफलता मिली। जवाब में अरेरा ने सात विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया। अंशुलिका सिंह ने नाबाद 52 रन की अर्धशतकीय पारी खेली। अंजली राजपूत ने 26 नाबाद रन बनाए। मान्या भाटी ने 32 व सौम्या ने 19 रन को योगदान दिया। एनसीसीसी की काजल चौरसिया, इशिता और गामिनी ने 1-1 विकेट लिया। सौम्या और अंशुलिका को संयुक्त प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

डिमोन वॉरियर्स को हराकर लुकमैन फुटबॉल क्लब सेमीफाइनल में

भोपाल, खेप्र। लुकमैन फुटबॉल क्लब ने शनिवार को भोपाल समर कैंप फुटबॉल प्रतियोगिता अंडर-15 में खेले गए मुकाबले में डिमोन वॉरियर्स को 3-1 से पराजित कर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। रविवार को प्रतियोगिता का कोई मुकाबला नहीं खेला जाएगा। टीटी नगर स्टेडियम में खेली जा रही प्रतियोगिता में लुकमैन फुटबॉल क्लब ने डिमोन वॉरियर्स क्लब को 3-1 से परास्त किया। इस रोमांचक मुकाबले में लुकमैन की तरफ से आराध्या, सारांश और आदर्श ने एक-एक गोल दागा, जबकि डिमोन वॉरियर्स के लिए अथर्व ने एकमात्र गोल दागा।

बिरसिंहपुर में दो पक्षों में पथराव पुरानी रंजिश के चलते हुआ विवाद

जागरण, सतना

बिरसिंहपुर कस्बे में शनिवार सुबह दो पक्षों के बीच पुरानी रंजिश को लेकर विवाद हो गया। विवाद के दौरान एक युवक पर लाठी से हमला किया गया। इसके बाद दोनों पक्षों में पथराव हुआ। एक पक्ष ने दूसरे पक्ष की दो बाइक को तोड़-फोड़ दिया और आग लगा दी। घटना का वीडियो भी सामने आया है। घायल शिवांक तिवारी को पहले सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां से जिला अस्पताल और फिर हालत गंभीर होने पर रीवा के संजय गांधी अस्पताल रेफर कर दिया गया। पुलिस के मुताबिक शिवांक तिवारी और उसके दोस्तों का इलाके के कुछ मुस्लिम युवकों से लंबे समय से विवाद चल रहा था।

मंदिर के पास हुआ हमला

शनिवार सुबह हनुमान मंदिर के पास जब शिवांक अकेला मिला तो दूसरे पक्ष ने उस पर लाठी से हमला कर दिया। इसके बाद दोनों पक्षों के बीच गाली-गलौच और पथराव शुरू हो गया। एक पक्ष के भाग जाने के बाद दूसरे पक्ष ने दो बाइकों में तोड़फोड़ की और उनमें आग लगा दी।

मौके पर पुलिस बल तैनात

घटना की सूचना मिलते ही चित्रकूट एसडीओपी सभापुर थाना प्रभारी धारकुंडी थाना प्रभारी सहित भारी संख्या में पुलिस बल मौके पर तैनात किया गया। सभापुर पुलिस वीडियो के आधार पर आरोपियों की में जुटी है।

बदनाम करने की सोची समझी प्रायोजित साजिश : सुरेंद्र सिंह

सतना। चित्रकूट विधायक सुरेन्द्र सिंह गहरवार ने कहा कि कांग्रेस के वरिष्ट नेता मुकेश नायक झूंठे मनगढ़ंत संकीर्णता से भरे लगाए गए आरोपी बे बुनियाद हैं। पत्रकारों से मुखातिब होते हुए श्री गहरवार ने कहा कि सुरेन्द्र सिंह गहरवार कोई ठेकेदारी नही करते जिनने इस काम का ठेका लिया हो वो बताये कि कहाँ गमन हुआ। दूसरी बात जब राशि ही 18 कामों की नही निकली तो गवन कहाँ से हो गया। तीसरी बात यह कि काम विभाग द्वारा विभागीय टेंडर एसओ आर रेट से किया जाता है उस अनुसार जितने का काम हुआ होगा उतने का भुगतान होगा काम की गुणवत्ता और मात्रा में कहीं कोई समझौता होता नही वह स्वभाव में नही है। प्रदेश की पंचायती राज व्यवस्था भी इसी विभाग के नीति नियम से चलती है कहीं यदि कमी है तो वसूली की जाय।

बन्दरबाट का सवाल ही नही उठता। झूंठी मनगढंत कपोल कल्पित अफवाही बातें कहानी बनाकर कही गई हैं, जिन 18 कामों के वर्क आर्डर ही नही जारी हुये तो भ्रष्टाचार कहाँ से हो गया जब काम होंगे तब जॉच करायें या स्वंय जॉच कर लेंगें काम तो होनें दें। पूरे क्षेत्र में पानी का हाहाकार मचा है कुरी और पटना बॉध के अलावा कहीं एक बूंद पानी नही है इसलिये पानी का काम किया जा रहा है और करूंगा इसमें परेशान ना हों पहले काम को होनें दें मुझे श्रेय नही सिर्फ काम के परिणाम चाहिये। उन्होंने कहा कि मैं और मेरा परिवार विधायक निधि के भरोसे जीवत नही है ना स्वंय भी कोई ठेकेदारी करते। मैनें कभी सोंचा भी नही था कि कोई ऐसी बात मेरे द्वारा हो जो किसी को ठेस पहुंचाये। इस दौरान भाजपा जिला अध्यक्ष भगवती प्रसाद पाण्डेय जिला मीडिया प्रभारी श्याम लाल गुप्ता मंडल अध्यक्ष प्रमोद दुबेदी मनीष त्रिपाठी कामता यादव रमेश धुर्वे उपस्थित रहे।

पौष्टिक आहार से कोई वंचित न रहे, अन्न का एक भी दाना व्यर्थ न जाए : मुख्यमंत्री

जागरण सतना। मुख्यमंत्री डॉ यादव ने विश्व खाद्य सुरक्षा दिवस पर खाद्य सुरक्षा में सहयोग के लिए किया आहवान मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि खाद्य पदार्थ हमारे लिए प्रकृति का अनमोल उपहार हैं, जिसका सदुपयोग सभी का दायित्व है। अन्न की बर्बादी रोकना सामाजिक व नैतिक जिम्मेदारी है। मुख्यमंत्री डॉ यादव ने विश्व खाद्य सुरक्षा दिवस के अवसर पर प्रदेशवासियों से खाद्य सुरक्षा में सहयोग के लिए संकल्प लेने का आहवान किया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आज का दिन इस बात के लिए जागरूक करता है कि अन्न का एक भी दाना व्यर्थ न जाए और पौष्टिक आहार से कोई भी वंचित न रहे।

शासकीय आईटीआई में एक दिवसीय प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन 12 को

जागरण सतना। कौशल विकास संचालनालय के तत्वाधान में तथा शासकीय आईटीआई के प्राचार्य के सहयोग से शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान सतना में एक दिवसीय प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन 12 जून को प्रातः 10 बजे से किया जायेगा। जिसमें कंपनी मायलॉन लेबोराट्रीज लिमिटेड पीथमपुर धार में शैक्षणिक योग्यता 10वीं फिटर, टर्नर मशीनिष्ट इलेक्ट्रीशियन वेल्डर मोटर मैकेनिक व्हीकल इलेक्ट्रानिक्स मैकेनिक, डीजल मैकेनिक ट्रैक्टर इंजीनियरिंग ट्रेड में शासकीय आईटीआई में एनसीवीटी एससीवीटी वर्ष 2024-25 में 60 प्रतिशत के साथ प्रथम प्रयास में उत्तीर्ण अंतिम वर्ष में प्रशिक्षणरत पुरूष अभ्यर्थी शामिल हो सकते है। आवेदक की न्यूनतम आयु 18 वर्ष एवं अधिक आयु 25 वर्ष निर्धारित है। प्लेसमेंट ड्राइव में आवेदक अपने समस्त मूल प्रमाण पत्रों एवं बायोडाटा सहित निर्धारित स्थान पर उपस्थित होकर रोजगार के अवसर प्राप्त कर सकते हैं।

9 जून तक जमा होंगे आवेदन

सतना। कार्यालय जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग जिला मैहर के अंतर्गत आधार आपरेटर हेतु आवेदन पत्र जमा करने की अंतिम तिथि 09 जून 2025 है। उक्त जानकारी मैहर डीपीओ मैहर राजेन्द्र बांगरे द्वारा दी गई है।

जब एक शिक्षक पर्यावरण की पाठशाला बन गया

सतना। पर्यावरण संरक्षण की चुनौतियां आज वैश्विक चिंता एवं परेशानी का विषय बन चुकी है। ऐसे समय में स्थानीय स्तर पर किए गए सकारात्मक प्रयास ही स्थाई समाधान की दिशा में ठोस कदम सिद्ध हो सकते हैं जिले के ईको क्लब के मास्टर ट्रेनर ब्रजनंदन तिवारी का पर्यावरण संरक्षण के संकल्प एवं प्रकृति के प्रति प्रेम ने न बल्कि एक विद्यालय के कोने कोने को हरा भरा बनाया बल्कि पूरे जिले में हरियाली के दूत के रूप में जाने जाते हैं। ब्रजनंदन तिवारी अक्टूबर 2018 में शासकीय उत्कृष्ट उच्च मा विद्यालय व्यंकट क्रमांक 1 में पदस्थ हुए और जॉइनिंग के दिन से ही इन्होंने विद्यालय परिसर में स्तिथ वेंकट वाटिका में पौध रोपण कर विद्यालय को हरा भरा बनाने का संकल्प लिया और वर्ष 2019 में पर्यावरण से संबंधित कार्यों में रुचि लेने के कारण इनका प्राचार्य गोपाल शरण सिंह चौहान ने इको क्लब प्रभारी एवं राष्ट्रीय सेवा योजना का प्रभारी बनाया उसके बाद उनके संकल्प और समर्पण के कारण विद्यालय का हर कोना हरा भरा हो गया। इनके प्रयास से विद्यालय परिसर बच्चों के लिए शिक्षा का केंद्र ही नहीं बल्कि प्रकृति की प्रयोगशाला बन गई। इनके नवाचार से पर्यावरण संबंधी विभिन्न प्रतियोगिताओं के कारण बच्चों का पर्यावरण के प्रति झुकाव हुआ। इनकी सक्रियता के चलते इन्हें जिले के विद्यालय में पर्यावरण संबंधी गतिविधियों को संचालित करने के लिए जिला मास्टर ट्रेनर पर्यावरण नियोजन एवं समन्वय संस्था भोपाल द्वारा नियुक्त किया गया। उनकी प्रेरणा से छात्रों ने अपने जन्मदिन पर न बल्कि वृक्षारोपण किया तथा रोपित पौधों को गोद लेकर उनके सुरक्षा की जवाबदारी भी ली।

भारतीय एमेच्योर बॉक्सिंग महासंघ के निर्विरोध अध्यक्ष बने राकेश मिश्रा

सतना। दिल्ली में भारतीय एमेच्योर बॉक्सिंग महासंघ की आम सभा का आयोजन किया गया। जिसमें 27 राज्यों के मुक्केबाजी संघ 6 केन्द्र शासित प्रदेशों के मुक्केबाजी संघ व 5 खेल बोर्ड के पदाधिकारियों ने भाग लिया। चुनाव अधिकारी डॉ अनुपम गोयल पूर्व अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश के द्वारा वर्ष 2025-29 तक के लिए राष्ट्रीय खेल विकास संहिता 2011 भारत सरकार, भारतीय ओलंपिक संघ एवं भारतीय एमेच्योर बॉक्सिंग महासंघ का संविधान के अनुसार चुनाव निष्पक्ष रूप से सम्पन्न कराया गया। भारतीय एमेच्योर बॉक्सिंग महासंघ के निर्विरोध अध्यक्ष चुने गए डॉ राकेश मिश्र ने सभी सदस्यों के साथ विचार-विमर्श करके विभिन्न राज्यों के पदाधिकारी एवं मेंबर नियुक्त किए। भारतीय एमेच्योर बॉक्सिंग महासंघ मध्य प्रदेश के प्रदेश उपाध्यक्ष के पद के तौर पर अनंत कुमार सोनी, एकेएस विश्वविद्यालय के प्रो चांसलर को अध्यक्ष डॉ राकेश मिश्र द्वारा नियुक्त किया गया है। डॉ.राकेश मिश्र ने बताया कि कई राज्यों के मुक्केबाजी संघों ने प्रतियोगिता कराने की इच्छा जताई थी।

जागरण पब्लिकेशन प्रा. लिमि. के लिए मुद्रक/प्रकाशक मदन मोहन गुप्ता द्वारा दैनिक जागरण प्रेस गांधी नगर उर्रहट रीवा (म.प्र.)से मुद्रित एवं प्रकाशित। सम्पादकः **मदन मोहन गुप्ता**। आर.एन.आई. नं- 1505/57, डाक पंजीयन क्र.- रीवा संभाग 04 /म.प्र. संस्थापक **स्व. गुरुदेव गुप्त**
कार्यालय:- मोबाइल नं रीवा- 9098357869, 9425018958 **सतना** - 9993315949 **सीधी**-7089620900 **सिंगरौली**-9424652999 E-mail: rewajagrannew2015@gmail.com